नई दिल्ली । गुरुवार, 07 मई, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :121 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari_news
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल चैंपियंस लीग : आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड ...
@ विचार बगांल विजय : संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक...
@ व्यापार सेंसेक्स और निफ्टी 1 प्रतिशत से ज्यादा बढ़े...

रक्षा और व्यापार में नई उड़ान, भारत-वियतनाम में हुई डील

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से कई समझौता- ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए और अहम घोषणाएं की गईं।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, कुल 13 समझौते हुए, जिनमें दुर्लभ खनिज, डिजिटल भुगतान, स्वास्थ्य, संस्कृति, शिक्षा, पर्यटन और शहरी विकास जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इन समझौतों का उद्देश्य द्विपक्षीय सहयोग को संस्थागत रूप देना और मौजूदा साझेदारी का विस्तार करना है।

दुर्लभ खनिज और उन्नत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड और वियतनाम के आईटीआरआरई के बीच सहयोग पर सहमति बनी। वहीं, 2026-30 की अवधि के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम को भी मंजूरी दी गई, जो 1976 के

सांस्कृतिक समझौते के तहत गतिविधियों को आगे बढ़ाएगा।

वित्तीय क्षेत्र में, भारतीय रिज़र्व बैंक और वियतनाम स्टेट बैंक के बीच डिजिटल भुगतान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समझौता हुआ। इसी क्रम में, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और वियतनाम की एनएपीएएस के बीच सीमा पार क्यूआर कोड आधारित भुगतान प्रणाली को सक्षम बनाने पर सहमति बनी ।स्वास्थ्य क्षेत्र में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और वियतनाम के औषधि प्रशासन के बीच चिकित्सा उत्पादों के विनियमन में सहयोग के लिए समझौता किया गया। इसके अलावा, शहरी प्रबंधन और आर्थिक विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए बृहन्मुंबई नगर निगम और हो ची मिन्ह सिटी पीपुल्स कमेटी के बीच भी एमओयू पर हस्ताक्षर हुए ।शिक्षा और अकादमिक सहयोग के तहत आईसीसीआर द्वारा वियतनाम के विश्वविद्यालयों में 'इंडिया स्टडीज' चेयर स्थापित करने पर सहमति बनी, जबकि नालंदा विश्वविद्यालय और हो ची मिन्ह राष्ट्रीय राजनीति अकादमी के बीच क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण को लेकर समझौता किया गया।

डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत और वियतनाम के संबंधित मंत्रालयों के बीच सहयोग को और गहरा करने पर सहमति बनी। इसके अलावा, सार्वजनिक लेखापरीक्षा और पर्यटन क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने के लिए समझौते किए गए।

संस्कृति के क्षेत्र में, चाम पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, संरक्षण और डिजिटलीकरण के लिए भी एक समझौता हुआ, जिसका उद्देश्य साझा विरासत के संरक्षण को बढ़ावा देना है।

इन समझौतों के साथ-साथ दोनों देशों ने कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। द्विपक्षीय संबंधों को 'उन्नत व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने, वर्ष 2030 तक 25 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार लक्ष्य निर्धारित करने और वियतनाम के इंडो-पैसिफिक ओशन्स इनिशिएटिव में शामिल होने की घोषणा की गई।

ईरान-अमेरिका जंग खत्म हो सकती है ?

अमेरिका ईरानी प्रॉपर्टी लौटाएगा; ईरान होर्मुज खोलेगा, न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकेगा

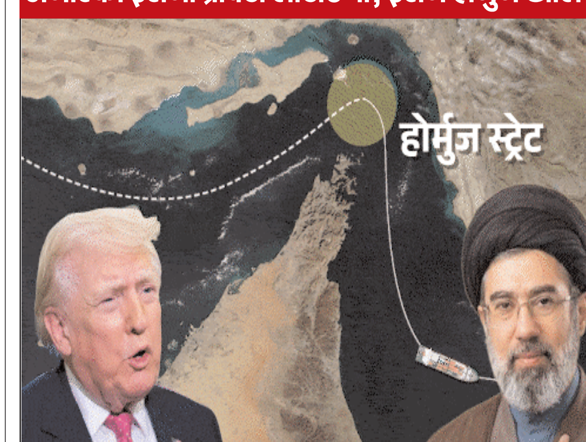

एजेंसी ■ तेहरान

अमेरिका और ईरान में युद्ध खत्म करने और परमाणु बातचीत का रास्ता तय करने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान 48 घंटे के भीतर सीजफायर को लेकर सहमति दे सकता है।

दोनों देशों के बीच 14 पॉइंट वाला समझौता तैयार है। हालांकि अभी यह फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन बातचीत पहले से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है।

समझौते की अहम शर्तें

सबसे पहले युद्ध खत्म करने की घोषणा होगी

30 दिनों तक दोनों देशों की विस्तृत बातचीत होगी

इसमें होर्मुज, परमाणु कार्यक्रम, अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील जैसे मुद्दे होंगे

दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए इस्लामाबाद या फिर जिनेवा जैसे शहरों पर विचार हो रहा है।

ड्राफ्ट के मुताबिक, ईरान न्यूक्लियर प्रोग्राम को कुछ समय के लिए रोक सकता है। बदले में अमेरिका धीरे-धीरे प्रतिबंध कम करेगा और ईरान के जब्त किए हुए अरबों डॉलर जारी कर सकता है। साथ ही, होर्मुज में दोनों तरफ से लगाई गई पाबंदियों में भी ढील दी जाएगी ।हालांकि सबसे बड़ा विवाद न्यूक्लियर प्रोग्राम रोकने की अवधि को लेकर है। ईरान 5 साल का प्रस्ताव दे चुका है, जबकि अमेरिका 20 साल चाहता था। अब बीच का रास्ता निकालने की कोशिश हो रही है, जिसमें 12 से 15 साल तक की अवधि पर बात चल रही है।

बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर 200 एफआईआर दर्ज, 433 लोग गिरफ्तारः डीजीपी

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित होने के बाद से अब तक पोस्ट-पोल हिंसा की घटनाओं के संबंध में कुल 200 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 433 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सिद्ध नाथ गुप्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी।

डीजीपी ने बताया कि चुनाव के बाद हुई हिंसा के मामलों में सीधे तौर पर शामिल होने के आरोप में की गई 433 गिरफ्तारियों के अलावा, अब तक 1,100 लोगों को एहतियाती हिरासत में रखा गया है।

डीजीपी का यह बयान, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के उस निर्देश के एक दिन बाद आया है, जिसमें आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और राज्य में तैनात सीएपीएफ को चुनाव के बाद होने वाली हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बर्दाश्त न करने) की

नीति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

उन्होंने निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी के आवासों और कार्यालयों के बाहर से कुछ सुरक्षा व्यवस्था हटाए जाने के बारे में भी बताया।

डीजीपी ने कहा, 'अपनी मौजूदा पदों की वजह से प्रोटोकॉल के अनुसार, ये दोनों ही विशिष्ट सुरक्षा व्यवस्था के हकदार हैं, जो उन्हें अभी भी दी जा रही है। हालांकि, कुछ अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्थाएं, जिनका लाभ वे पहले उठा रहे थे, अब हटा ली गई हैं और उन सुरक्षाकर्मियों का इस्तेमाल इस समय राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया जा रहा है।'

मीडियाकर्मियों के जरिए डीजीपी ने जनता से यह भी अपील की कि वे किसी भी हाल में कानून को अपने हाथ में न लें।

उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि कुछ लोगों को दूसरों से कोई शिकायत हो। ऐसे मामलों में उन्हें कानून को अपने हाथ में लेने के बजाय पुलिस से संपर्क करना चाहिए। अगर कोई घटना होती है और कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की जाती है, तो पुलिस जहां भी जरूरी होगा, खुद ही मामले दर्ज करेगी।

ईसीआई के निर्देशों के अनुसार, चुनाव के बाद होने वाली हिंसा की घटनाओं को रोकने के लिए, 4 मई के बाद भी पश्चिम बंगाल में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 500 कंपनियां तैनात हैं। ये बल आयोग से अगले आदेश मिलने तक राज्य में तैनात रहेंगे।

विजय की शपथ में फंसा पेंच, राज्यपाल दावे पर असंतुष्ट

सरकार बनाने 118 विधायक जरूरी, टीवीके के पास 113

एजेंसी ■ चेन्नई

तमिलनाडु में तमिलगा वेत्रि कषगम के प्रमुख विजय के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह पर अनिश्चितता बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर अभी तक इस बात से आश्वस्त नहीं हैं कि टीवीके के पास सरकार बनाने के लिए आवश्यक संख्या बल है।

लोक भवन के सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल ने अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी की वास्तविक ताकत को लेकर स्पष्टता मांगी है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने के बाद टीवीके ने सरकार बनाने का दावा पेश किया है।

वर्तमान में टीवीके के पास 108 विधायक हैं, साथ ही कांग्रेस के पांच विधायकों का समर्थन भी प्राप्त है। इस प्रकार कुल संख्या 112 हो जाती है, जिसमें विजय द्वारा जीती गई दो सीटों में से एक को शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, यह संख्या 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए आवश्यक 118 के आंकड़े से अभी भी कम है।

आगे के समर्थन को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। विदुथलाई चिरुथैगल कच्ची (टीवीके) जैसी पार्टियां, जिनके पास दो विधायक हैं, अभी तक अंतिम निर्णय नहीं ले पाई हैं। सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल ने 118 विधायकों के समर्थन का प्रमाण मांगा है और स्पष्ट कर दिया है कि विजय तब तक शपथ नहीं ले सकते जब तक वे आवश्यक बहुमत साबित नहीं करते।

टीवीके प्रमुख विजय ने के.ए. सेंगोट्टैयन, बुस्सी एन आनंद, अरुणराज, सीटीआर निर्मल कुमार, आधव अर्जुन और वेंकटरामन के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा प्रस्तुत किया।

बैठक के दौरान विजय ने 108 विधायकों के हस्ताक्षर वाला एक विस्तृत पत्र राज्यपाल को सौंपा, जिसमें उन्हें तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनाने के समर्थन का उल्लेख किया गया था।

इस पत्र में सरकार गठन के लिए आवश्यक संख्या बल और टीवीके को मिल रहे विधायकों के समर्थन का भी विवरण दिया गया। सूत्रों के अनुसार, विजय ने राज्यपाल अर्लेकर से उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया।

बर्खास्त कर दें, मैं खुद इस्तीफा नहीं दूंगीः ममता बनर्जी

राज्यपाल द्वारा अपनी बर्खास्तगी का इंतजार करेंगी

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल राजनीतिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। 15 साल बाद ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई है। इस बीच ममता बनर्जी ने अलग बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने चुनावी हार के बाद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। बुधवार को उन्होंने टीएमसी के नए चुने गए विधायकों के साथ बैठक में कहा कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी।

उन्होंने पार्टी बैठक में साफ तौर पर अपने इरादे जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें मुझे निकालने दो, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी। बताते चलें कि टीएमसी की पार्टी बैठक कोलकाता के कालीघाट में आयोजित की गई थी। ममता ने पार्टी के नेशनल जनरल सेक्रेटरी अभिषेक बनर्जी के साथ मिलकर चुनावी हार के बाद पार्टी की आगे की राह तय करने के लिए बैठक को संबोधित किया।

नए चुने गए विधायकों और पार्टी

बैठक के संबोधन में ममता बनर्जी ने अपने पद पर बने रहने का इरादा जताया। साथ ही एक सांकेतिक विरोध की अपील की। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने कहा कि वह राज्यपाल द्वारा अपनी बर्खास्तगी का इंतजार करेंगी। साथ ही ममता ने अपनी पार्टी के सदस्यों और नए चुने गए विधायकों से 'ब्लैक डे' के खिलाफ विरोध करने की अपील की। उन्होंने उनसे पश्चिम बंगाल विधानसभा के पहले दिन काले कपड़े पहनने को कहा।

एएनआई ने टीएमसी सूत्रों के हवाले से बताया, 'बंगाल INDIA गठबंधन की टीम अब एक हो गई है। मैं इस्तीफा नहीं दूंगी। उन्हें मुझे निकालने दो। मैं चाहती हूं कि यह एक काला दिन हो। हमें मजबूत होना होगा।

विधानसभा के पहले दिन काले कपड़े पहनें। जिन्होंने धोखा दिया, उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा। मैं हंस रही हूं। मैंने उन्हें नैतिक रूप से हराया है। मैं एक आजाद पक्षी हूं। मैंने सभी के लिए काम किया है। हम हार गए होंगे, लेकिन हम लड़ेंगे। होम मिनिस्टर और प्राइम मिनिस्टर सीधे तौर पर शामिल हैं।' उन्होंने चुनावों के दौरान बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और डराने-धमकाने का भी आरोप लगाया, यह दावा करते हुए कि पार्टी के कई पदाधिकारियों को निशाना बनाया गया था।

पंजाब में दो धमाकों के बाद डीजीपी ने जताई आईएसआई साजिश की आशंका

एजेंसी ■ अमृतसर

पंजाब में जालंधर और अमृतसर में हुए धमाके के बाद पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बुधवार को कहा कि ऐसा लगता है कि पाकिस्तान की आईएसआई 'ऑपरेशन सिंदूर' की पहली वर्षगांठ से पहले राज्य में हालात बिगाड़ने की कोशिश कर रही है।

डीजीपी यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, 'आज मैं अमृतसर गया था, जहां मैंने कल सेना क्षेत्र में हुए कम तीव्रता वाले धमाके वाली जगह का मुआयना किया। घटनास्थल का दौरा करने के बाद, मैंने सेना के अधिकारियों से मिलकर आपसी सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा की। इसके बाद, मैंने अमृतसर कमिश्नरेट और सीमा रेंज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, ताकि सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की जा सके और आवश्यक निर्देश दिए जा सकें।'

मंगलवार रात करीब 10:50 बजे खासा आर्मी कैंप की चारदीवारी के पास कम तीव्रता वाले धमाके की सूचना मिली। यह घटना जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के पास हुए एक धमाके के ठीक दो घंटे बाद हुई।

उन्होंने आगे बताया कि अमृतसर ग्रामीण के एसएसपी सहित पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे, जबकि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बम निरोधक दस्ते और फोरेंसिक टीमों को भी तैनात किया गया।

डीजीपी ने कहा कि इलाके को पूरी तरह से सैनिटाइज किया गया और वैज्ञानिक जांच के लिए प्रदर्शनी सामग्री और नमूने इकट्ठा किए गए। कानून की संबंधित धाराओं के तहत एक एफआईआर दर्ज की गई है। सेना और अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर जांच आगे बढ़ रही है। हम सभी स्त्रोतों से जानकारी जुटा रहे हैं।

चल रही जांच का विवरण देते हुए, उन्होंने आगे कहा कि कई टीमें काम पर लगी हुई हैं, जो ह्यूमन इंटेलिजेंस, टेक्निकल इंटेलिजेंस और फोरेंसिक सबूतों का विश्लेषण कर रही हैं।

एक व्यवस्थित, वैज्ञानिक और बारीकी से जांच चल रही है। हालांकि धमाका कम तीव्रता वाला था, लेकिन डिवाइस की सटीक प्रकृति और धमाके का स्वरूप फोरेंसिक जाँच पूरी होने के बाद ही पता चल पाएगा।

गाजियाबाद में अग्नि सुरक्षा को लेकर सख्ती, पांच बड़े कमर्शियल भवनों के खिलाफ कोर्ट में वाद दायर

गाजियाबाद। गर्मियों के मौसम में बढ़ते तापमान के साथ आग लगने की घटनाओं में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा बहुमंजिला इमारतों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान का उद्देश्य न केवल आग से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना है, बल्कि लोगों को इसके प्रति जागरूक करना भी है। अधिकारियों के अनुसार, शहर के विभिन्न बहुमंजिला भवनों में फायर ऑडिट और मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के दौरान भवनों में लगी अग्नि सुरक्षा प्रणालियों की कार्यशीलता की जांच की जा रही है। साथ ही वहां मौजूद लोगों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है और आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी विस्तार से बताया जा रहा है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कई भवनों में अग्निशमन सुरक्षा प्रणाली मानकों के अनुरूप कार्यशील स्थिति में नहीं है। ऐसे भवन स्वामियों को नोटिस जारी कर कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, कई मामलों में नोटिस के बावजूद भवन स्वामियों ने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया। इसी लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए 6 मई को गाजियाबाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए पांच प्रमुख कमर्शियल भवनों के मालिकों के खिलाफ जनपद न्यायालय में वाद दाखिल कराया है।

इन भवनों में अंसल सुमंगलम बिल्डिंग (प्लॉट नंबर-16), अंसल सुंदरम बिल्डिंग (प्लॉट नंबर-17), अंसल सुमेधा बिल्डिंग (प्लॉट नंबर-18), अंसल शिवम बिल्डिंग (प्लॉट नंबर-19) और अंसल सत्यम बिल्डिंग (प्लॉट नंबर-20), सभी आरडीसी, राज नगर क्षेत्र में स्थित हैं।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि अन्य भवन स्वामी भी समय रहते अपनी अग्निशमन सुरक्षा प्रणालियों को दुरुस्त कर इसकी जानकारी नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ भी न्यायालय में मामला दर्ज कराया जाएगा।अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इस तरह की लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों को कानूनी रूप से दंडित कराया जाएगा। इस अभियान के जरिए प्रशासन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि शहर में आग से जुड़ी घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण हो और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके।

मुंबईः ताज और ट्राइडेंट होटल में आतंकी हमले की धमकी, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई स्थित ताज होटल और ट्राइडेंट होटल को लेकर बुधवार को एक धमकी भरा कॉल मिलने से हड़कंप मच गया। कॉलर ने फोन पर दावा किया कि इन दोनों होटलों में आतंकवादी हमला होने वाला है।

धमकी मिलने के तुरंत बाद होटल प्रबंधन ने इसकी सूचना मुंबई पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मुंबई पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। दोनों होटलों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई और चप्पे-चप्पे पर निगरानी बढ़ा दी गई। बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने मौके पर पहुंचकर सघन जांच अभियान चलाया।

मुंबई पुलिस के अनुसार, धमकी भरे कॉल को गंभीरता से लेते हुए तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी गई और कॉलर की पहचान करने के लिए तकनीकी टीम को लगाया गया। इस मामले में तेजी से कार्रवाई करते हुए पुलिस ने कॉलर को ट्रेस कर मुंबई के सायन इलाके से उसे हिरासत में ले लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने शराब के नशे में धमकी भरा कॉल किया था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह अपने घरेलू समस्याओं से परेशान था, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया। पुलिस के अनुसार, आरोपी हाउसकीपिंग का काम करता है और उससे पूछताछ जारी है।

इसके अलावा, बुधवार को ही राजस्थान के बारां और बीकानेर जिला कलेक्ट्रेट को भी ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी भरे ईमेल मिलने के बाद इमारतों को खाली कराया गया और सुरक्षा बढ़ाई गई।

अधिकारियों ने बताया कि धमकी भरा ईमेल बुधवार सुबह मिला।

केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल व न्यूक्लियर खतरों से निपटने के लिए दिल्ली में फील्ड ट्रेनिंग सेंटर

नई दिल्ली। नई दिल्ली में यमुना के समीप एक खाली मैदान अब सिर्फ खुला इलाका भर नहीं है, बल्कि देश की सुरक्षा का एक नया व हाई-टेक कवच बन रहा है। यहां केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर, अर्थात 'सीबीआरएन' खतरों से निपटने के लिए एक अत्याधुनिक फील्ड ट्रेनिंग और डेमोंस्ट्रेशन सेंटर स्थापित किया गया है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, यानी डीआरडीओ, ने दिल्ली के बुराड़ी मैदान में इस केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल, और न्यूक्लियर (सीबीआरएन) फील्ड ट्रेनिंग एवं डेमोंस्ट्रेशन सेंटर की स्थापना की है। बुधवार को इस अत्याधुनिक केंद्र का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव तथा डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने किया। यह केंद्र रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।दिल्ली में बना यह कोई साधारण प्रशिक्षण केंद्र नहीं है। इसे सीबीआरएन 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया गया है। यहां तकनीक और प्रशिक्षण का जबरदस्त मेल देखने को मिलेगा। यहां रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर टेस्ट-बेड जैसी उन्नत सुविधाएं हैं, जहां असली हालात जैसे परिदृश्यों में अभ्यास किया जा सकेगा।

हेवी आयन रिसर्च सुविधा वैज्ञानिकों को गहराई से अध्ययन का मौका देगी, वहीं इमरजेंसी मेडिकल रिस्पॉन्स सिस्टम और रियल-टाइम फील्ड यूनिट्स तुरंत कार्रवाई के लिए तैयार रहेंगी। इस केंद्र की खासियत यह है कि यह सिर्फ सेना तक सीमित नहीं रहेगा। रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य एजेंसियों के कर्मियों को यहां प्रशिक्षण दिया जाएगा।सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया गया, जिसमें कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया प्रणाली तथा रियल-टाइम फील्ड रिस्पॉन्स यूनिट्स शामिल हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से विभिन्न आपदा स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सकेगी।

आईएनएमएएस इस केंद्र के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन करेगा, जिससे नई पीढ़ी के विशेषज्ञों को तैयार किया जा सकेगा। साथ ही, नवीनतम तकनीकों और उन्नत उपकरणों के उपयोग से आपदा प्रबंधन की क्षमता को और सुदृढ़ बनाया जाएगा।

तीनों सेनाओं के संयुक्त कमांडर्स का सम्मेलन, रक्षा मंत्री होंगे शामिल

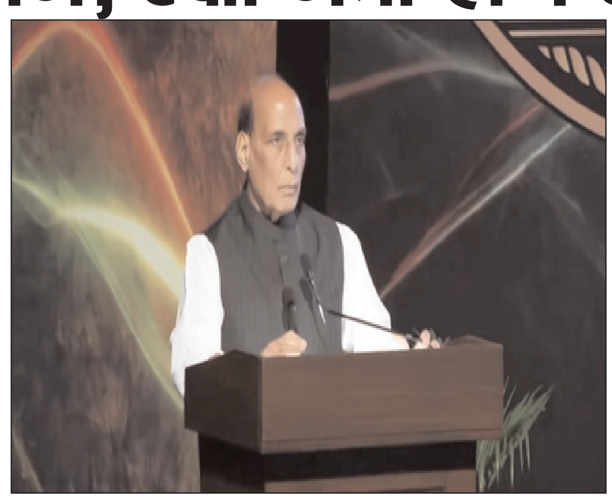

नई दिल्ली । भारत की तीनों सेनाओं, यानी भारतीय वायुसेना, नौसेना व थलसेना के कमांडर्स का संयुक्त सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन इसलिए भी विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के अवसर पर 7 मई को आयोजित किया जा रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 7-8 मई को राजस्थान के जयपुर में आयोजित होने वाले इस संयुक्त कमांडर्स सम्मेलन में शामिल होंगे। सैन्य कमांडर्स यहां ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष बाद की मौजूदा स्थिति पर जानकारी भी देंगे।

बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और सैन्य क्षमता का प्रतीक माना जाता है, जिसमें सटीक और निर्णायक कार्रवाई देखने को मिली थी। यह कमांडर्स सम्मेलन 'नए क्षेत्रों में सैन्य क्षमता' विषय पर आधारित है। यहां वरिष्ठ सैन्य अधिकारी आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और भविष्य की चुनौतियों पर फोकस करेंगे। यहां आधुनिक युद्ध के नए आयामों पर मंथन होगा। सम्मेलन में आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप पर गहन चर्चा होगी।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, आज का युद्ध पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़कर तकनीक आधारित और अधिक जटिल हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मानव रहित प्रणालियों (अनमैन्ड सिस्टम्स) और साइबर, अंतरिक्ष तथा संज्ञानात्मक युद्ध जैसे नए क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों पर यहां विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस मंच के माध्यम से इन नए क्षेत्रों में सैन्य क्षमता विकास, रणनीति निर्माण और भविष्य के लिए सक्षम तथा सुदृढ़ सैन्य बल तैयार करने की रूपरेखा तय की जाएगी।

सैन्य तैयारियों के लिए आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण पर जोर दिया जाएगा। सम्मेलन के एजेंडे में रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण को गति देना प्रमुख रहेगा। इसके तहत नवाचार को बढ़ावा देने, घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने और सिविल-मिलिट्री तालमेल को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता इसलिए जरूरी है, ताकि देश एक मजबूत रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर सके। सम्मेलन के दौरान रक्षा बलों द्वारा विकसित अत्याधुनिक और भविष्य की तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। साथ ही, भविष्य के युद्ध से जुड़े नए सिद्धांतों और परिचालन रणनीतियों से संबंधित दस्तावेज जारी किए जाएंगे।

इसी बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को नई दिल्ली में वियतनाम के उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री जनरल फान वान जियांग से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर जोर दिया गया।

नोएडा में एलिवेटेड रोड परियोजना ने पकड़ी रफ्तार, 50 प्रतिशत काम पूरा, जाम से मिलेगी राहत

नोएडा। शहर में बढ़ती ट्रैफिक समस्या के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में चिल्ला रेगुलेटर (दिल्ली) से महामाया फ्लाईओवर होते हुए एम.पी.-3 मार्ग तक बन रही एलिवेटेड रोड परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है।

नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने बुधवार को इस महत्वाकांक्षी परियोजना का स्थल निरीक्षण कर कार्य प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, महाप्रबंधक (सिविल) एस.पी. सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह सहित उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम के अधिकारी अपनी-अपनी टीमों के साथ मौजूद रहे।

अधिकारियों ने विधायक को परियोजना की मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और बताया कि अब तक लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका है। यह प्रगति निर्धारित लक्ष्य से भी आगे बताई जा रही है, जिस पर विधायक ने संतोष जताया। यह एलिवेटेड रोड परियोजना नोएडा प्राधिकरण और उत्तर प्रदेश सरकार की संयुक्त भागीदारी में तैयार की जा रही है। करीब 5.570 किलोमीटर लंबी इस छह लेन की सड़क को 892.75 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है।

इसका मुख्य उद्देश्य नोएडा और दिल्ली के बीच यातायात को सुगम बनाना और जाम की समस्या को कम करना है। परियोजना के तहत चिल्ला एलिवेटेड रोड को शहदरा ड्रेन के समानांतर आगे बढ़ाते हुए कालिंदी कुंज रोड को पार कर सेक्टर-94 के पास पुस्ता मार्ग से जोड़ने की योजना है।

इस कनेक्टिविटी के लिए आईआईटी रुड़की द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, इस एलिवेटेड रोड के पुस्ता मार्ग से जुड़ने के बाद दिल्ली के मयूर विहार से लेकर नोएडा के सेक्टर-150 तक का सफर अधिक सुगम हो जाएगा।साथ ही, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए यातायात का एक हिस्सा इस नए मार्ग पर डायवर्ट किया जा सकेगा।

सामूहिक प्रयासों से मेघालय बना रहा मजबूत पर्यटन इकोसिस्टमः सीएम संगमा

शिलांग । मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने बुधवार को कहा कि पहाड़ी राज्य में पर्यटन तभी सफल हो सकता है, जब सभी हितधारक एक बड़े इकोसिस्टम के रूप में मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मेघालय को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने वाले पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने पर केंद्रित है।

उमियम के ऑर्किड लेक में आयोजित 'एम्पावरमेंट ऑफ टूरिज्म चैंपियंस ऑफ मेघालय' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगमा ने कहा कि पर्यटन केवल सरकार या किसी एक पक्ष के प्रयासों से नहीं बढ़ सकता। उन्होंने कहा, 'पर्यटन तभी फलता-फूलता है जब हर हितधारक अपनी भूमिका निभाता है।' साथ ही उन्होंने बताया कि कई चुनौतियों के बावजूद मेघालय ने एक मजबूत पर्यटन इकोसिस्टम बनाने की दिशा में अच्छी शुरुआत की है।

राज्य के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पर्यटन उद्यमी, शिल्पकार, छात्र, सामुदायिक नेता और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की दीर्घकालिक सोच यह है कि मेघालय देश और विदेश के पर्यटकों के लिए स्वाभाविक रूप से पसंदीदा यात्रा गंतव्य बने। उन्होंने कहा, 'जब परिवार घूमने की योजना बनाएं, तो मेघालय एक आकर्षक और स्वागतयोग्य विकल्प के रूप में सामने आए।'

संगमा ने जोर देकर कहा कि पर्यटन का विकास केवल प्रचार-प्रसार पर निर्भर नहीं करता, बल्कि बेहतर बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, सुरक्षा और पर्यटकों के अनुभव पर भी आधारित होता है। उन्होंने बताया कि सरकार पर्यटन ब्रांडिंग, त्योहारों और बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में भारी निवेश कर रही है।

उन्होंने बताया कि शिलांग रोपवे, मावकदोक स्काईवॉक, मावसिनराम में रेन म्यूजियम, लिविंग रूट ब्रिज म्यूजियम और सोहरा, मंडलग्रे तथा सिजू में पर्यटन केंद्र जैसे कई प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है।

स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के दिशानिर्देश जारी, विद्यालय प्रबंधन की होगी जिम्मेदारी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को नई दिल्ली में स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए। इन दिशा-निर्देशों का उद्देश्य देशभर के विद्यालयों में सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करना और स्कूल प्रबंधन को अधिक प्रभावी व जवाबदेह बनाना है।

एसएमसी को विद्यालय प्रबंधन में अहम भूमिका दी गई है। इसके अंतर्गत विद्यालय की विकास योजना तैयार की जाएगी। शैक्षणिक गुणवत्ता की निगरानी भी यही समिति करेगी। समिति वित्तीय प्रबंधन और सामाजिक लेखा परीक्षण सुनिश्चित करेगी।

विभिन्न योजनाओं के समन्वय से संसाधनों का उपयोग करना और नियमित बैठकें व पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया अपनाना एसएमसी के दायरे में लाया गया है। इन नए दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देशित किया गया है कि कक्षा 12 तक सभी विद्यालयों में एसएमसी का गठन अनिवार्य रूप से किया जाए।

अब विद्यालय प्रबंधन विकास समिति की जगह एसएमसी लागू होगी। समिति की संरचना की बात करें तो इसमें विद्यालय प्रबंधन समिति में विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसमें अभिभावक, स्थानीय प्राधिकरण के प्रतिनिधि, शिक्षक, शिक्षाविद् और विषय विशेषज्ञ, विद्यालय के पूर्व विद्यार्थी, वंचित समूहों के प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आदि शामिल होंगे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य को समिति का सदस्य-सचिव बनाया गया है। सदस्य संख्या स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या के आधार पर तय होगी। 100 तक विद्यार्थियों तक वाले स्कूल में 12 से 15 एसएमसी सदस्य होंगे। 100 से 500 छात्रों वाले स्कूलों में 15 से 20 एसएमसी सदस्य व 500 से अधिक विद्यार्थियों वाले स्कूलों में 20 से 25 एसएमसी सदस्य बनाए जाएंगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन सदस्यों के चयन के लिए मानदंड तय किए गए हैं। एसएमसी में शामिल कुल सदस्यों का 75 प्रतिशत अभिभावक होंगे। शेष 25 प्रतिशत सदस्य अन्य श्रेणियों से चुने जाएंगे। एक-तिहाई स्थानीय निकाय के निर्वाचित सदस्य व एक-तिहाई विद्यालय के शिक्षक होंगे।

एसएमसी के सदस्य-सचिव को कई प्रमुख जिम्मेदारियां निभानी होंगी। उन्हें शैक्षणिक वर्ष के एक महीने के भीतर समिति का गठन सुनिश्चित करना होगा। वार्षिक आम बैठक आयोजित कर अभिभावकों के बीच चुनाव कराना भी उनका दायित्व है। चुनाव के दौरान कम से कम 50 प्रतिशत अभिभावकों की उपस्थिति सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा। इन दिशा-निर्देशों में क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, वित्तीय पारदर्शिता और सामाजिक जवाबदेही पर विशेष बल दिया गया है।

मंत्रालय का मानना है कि इससे विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो सकेगा। सरकार का मानना है कि इन नए दिशा-निर्देशों से स्कूल प्रबंधन में जनभागीदारी बढ़ेगी और स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया मजबूत होगी, जिससे शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।

संक्षिप्त खबरें

रायपुर की तरह बंगाल में घुसपैठियों पर होगा एक्शन : विजय शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पश्चिम बंगाल में हाल ही में हुए चुनाव परिणामों और घुसपैठ के मुद्दे को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में घुसपैठ का मुद्दा लंबे समय से गंभीर बना हुआ है और यह सीमा सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रेसवार्ता में कहा कि रायपुर सहित देश के विभिन्न हिस्सों में पहुंचे बांग्लादेशी घुसपैठिए पश्चिम बंगाल के रास्ते ही भारत में प्रवेश करते हैं। इस मुद्दे पर केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'हमने अपने राज्य से घुसपैठियों को बाहर कर दिया है और जो बचे हैं, उन्हें भी बाहर किया जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि विभिन्न स्थानों से पकड़े गए और वापस भेजे गए लोग भी इसी मार्ग से भारत में दाखिल हुए थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्षों तक पश्चिम बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों को जमीन उपलब्ध नहीं कराई, जिससे सुरक्षा उपाय प्रभावित हुए।

उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के घोषणापत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि सरकार बनने के शुरुआती 45 दिनों के भीतर सीमा पर बाड़ लगाने के लिए आवश्यक भूमि केंद्रीय एजेंसियों को उपलब्ध करा दी जाएगी। इससे घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण संभव होगा और सीमा सुरक्षा मजबूत होगी।

विजय शर्मा ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वहां की जनता ने बदलाव के पक्ष में भारी जनादेश दिया है और भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली है। उन्होंने दावा किया कि जनता लंबे समय से घुसपैठ और कानून-व्यवस्था की स्थिति से परेशान थी।

उन्होंने कहा कि नई सरकार जनता की उम्मीदों के अनुरूप काम करेगी और चुनाव के दौरान किए गए सभी वादों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। उनके अनुसार, आने वाले समय में पश्चिम बंगाल में 'कानून का राज' स्थापित होगा।

उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले राज्य में सरकारी तंत्र और राजनीतिक दफ्तरों के बीच की सीमाएं धुंधली हो गई थीं, लेकिन अब व्यवस्था को पारदर्शी और मजबूत बनाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि भविष्य में शासन व्यवस्था किसी व्यक्ति या संगठन के प्रभाव से नहीं, बल्कि कानून के आधार पर संचालित होगी।

एवरेस्ट ब्रांड के नकली मसाले की हो रही थी सप्लाई, छापे में लाखों का माल जब्त

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में मिलावटी और नकली खाद्य पदार्थों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए व्यापार विहार क्षेत्र में छापा मारकर लाखों रुपए के संदिग्ध मसाले जब्त किए हैं। बताया जा रहा है कि जब्त मसालों पर नामी ब्रांड 'एवरेस्ट' का लेबल लगा हुआ था, जिसके नकली होने की आशंका जताई जा रही है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने यह कार्रवाई शिकायत मिलने के बाद की है। अधिकारियों की एक टीम ने मौके पर पहुंचकर मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी के परिसर में दबिश दी, जहां बड़ी मात्रा में मसाले का स्टॉक पाया गया। प्राथमिक जांच में मसाले की गुणवत्ता और उसकी असलियत पर संदेह होने के बाद पूरा माल जब्त कर लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, जब्त किए गए मसालों के सैंपल जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मसाले पूरी तरह नकली हैं या मानकों के अनुरूप नहीं।

मौके पर मौजूद कर्मचारियों और संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। इस मामले में सप्लाई चेन और जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है, जिससे पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि अगर जांच में गड़बड़ी पाई जाती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन इस मामले में बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। इस कार्रवाई के बाद व्यापार विहार सहित पूरे शहर में हड़कंप मच गया है, वहीं आम लोगों में भी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सतर्कता रखने की बात कही ।

छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक फेरबदल: 43 आईएएस अधिकारियों के स्थान बदले

निहारिका बारिक सिंह

शहला निगार

रोहित यादव

सुबोध कुमार सिंह

डॉ. कमलप्रीत सिंह

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने बुधवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा के 43 अधिकारियों के तबादले और नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में कई वरिष्ठ सचिवों, आयुक्तों और कलेक्टरों के प्रभार में बदलाव किया गया है।

राज्य सरकार ने श्रीमती रिचा शर्मा को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग का अपर मुख्य सचिव बनाया है, जबकि मनोज कुमार पिंगुआ को गृह एवं जेल विभाग से हटाकर वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सुबोध कुमार सिंह को ऊर्जा विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है।

कई विभागों में सचिव स्तर पर बदलाव

आदेश के अनुसार:

निहारिका बारिक को गृह एवं जेल विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया। शहला निगार को महिला एवं बाल विकास विभाग का प्रमुख सचिव नियुक्त किया गया। रोहित यादव को वित्त विभाग का सचिव बनाया गया।

डॉ. कमलप्रीत सिंह को स्कूल शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी दी गई। एस. भारतीदासन को पर्यटन विभाग का सचिव बनाया गया।

कई जिलों के कलेक्टर बदले

राज्य सरकार ने कई जिलों में नए कलेक्टर भी नियुक्त किए हैं। आदेश के मुताबिक:

डॉ. संतोष कुमार देवांगन को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही का कलेक्टर बनाया गया। सुश्री संतन देवी जांगड़े को मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले की कलेक्टर की जिम्मेदारी मिली। श्रीमती वंदना संजना त्रिपाठी को बलरामपुर-रामानुजगंज कलेक्टर बनाया गया। रीना जमील को सूरजपुर कलेक्टर नियुक्त किया गया। विवेकानंद को बीजापुर कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी गई।

स्वास्थ्य, शिक्षा और नगरीय प्रशासन में भी बदलाव

सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, नगरीय प्रशासन और सहकारिता विभागों में भी बड़े स्तर पर जिम्मेदारियां बदली हैं। संजीव कुमार झा को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं रीता यादव को माध्यमिक शिक्षा मंडल का सचिव बनाया गया है।

यह आदेश सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 6 मई 2026 को जारी किया गया।

छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण ने किया किसान सम्मेलन का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण रायपुर ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के सहयोग से बायोफ्यूल कॉम्प्लेक्स गोढ़ी (दुर्ग) में किसान सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य गन्ना आधारित खेती में सफेद चुकंदर (शुगरबीट) को अंतरफसली के रूप में अपनाकर भूमि उपयोग दक्षता बढ़ाना, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करना तथा किसानों की आय में वृद्धि करना था। इस दौरान किसानों को शुगरबीट की खेती का प्रत्यक्ष भ्रमण कराया गया एवं फसल की खुदाई भी की गई, जिसमें शुगरबीट का औसत वजन लगभग 3.7 किलोग्राम पाया गया, जो इसकी सफल खेती की संभावनाओं को दर्शाता है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर की निदेशक डॉ. सीमा परोहा ने कहा कि गन्ना-शुगरबीट अंतरफसली खेती किसानों के लिए आय बढ़ाने का व्यवहारिक विकल्प है। इस तकनीक का सफल परीक्षण राजस्थान, पंजाब, मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र में किया जा चुका है छत्तीसगढ़ में सीबीडीए के सहयोग से इसका प्रथम क्रियान्वयन हुआ है, जिसके सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

गौधाम मामले में हाईकोर्ट ने लगाई सचिव को फटकार

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट ने बिलासपुर जिले के लाखासार गौधाम में मवेशियों की खराब हालत पर संज्ञान लेते हुए पशुपालन विभाग के सचिव से शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा है ।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीते 14 मार्च को बिलासपुर जिले के तखतपुर ब्लॉक के लाखासार में 25 एकड़ में बने गौधाम का शुभारंभ किया था।

इस दौरान उन्होंने गौधाम में प्रशिक्षण भवन के निर्माण के लिए 25 लाख रुपए स्वीकृत करने की घोषणा की थी।

साथ ही एक काऊ कैचर और एक पशु एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की भी बात कही थी।

गौधाम को लेकर मीडिया में आई खबरों में महज 10×26 फीट के छोटे से शेड में 205 गायों को ठूंसकर रखा गया है, जहां उनके बैठने तक की जगह नहीं है।

वेटनरी डॉक्टरों के अनुसार एक मवेशी के लिए कम से कम 30-40 वर्गफुट ढंका हुआ स्थान जरूरी होता है, लेकिन यहां कैपेसिटी से कई गुना ज्यादा पशु होने के कारण उनका दम घुटने और वायरस फैलने का गंभीर खतरा बना हुआ है।

हाईकोर्ट ने इसे जनहित याचिका मानते हुए मामले में सुनवाई शुरू की और नाराजगी जताते हुए सरकारी व्यवस्था पर सवाल उठाए।

अब देखना दिलचस्प होगा की सचिव अपने शपथ पत्र में क्या लिखते है? और हाईकोर्ट उनके शपथ पत्र के बाद क्या एक्शन लेती है देखना होगा?

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल, अपहरण-मर्डर पर सरकार को घेरा

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री और AICC महासचिव भूपेश बघेल ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सुशासन तिहार में भ्रमण कर रहे हैं. जिस दिन कवर्धा गए, उसी दिन महिला की हत्या हुई. नांदगाव गए तो फूलबासन का अपहरण हो गया. पद्मश्री फूलबासन के अपहरण के बारे में कोई कैसे सोच सकता है. रायपुर में दो मर्डर हुए. कानून व्यवस्था तार-तार हो गई है.

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से चर्चा में सुप्रीम कोर्ट के पूर्णकालिक डीजीपी बनाने के निर्देश पर कहा कि सरकार एक डीजीपी नियुक्त नहीं कर पा रही है, तो सोच सकते हैं कानून व्यवस्था की क्या स्थिति होगी. सरकार कोई निर्णय नहीं ले पा रही है. निर्णय कौन लेता है, यह भी नहीं पता है.

उन्होंने कहा कि संवाद से मुख्यमंत्री का पेज चल रहा है. व्यक्तिगत पेज कैसे चल सकता है, इसके लिए अलग टीम होती है. सीएमओ के पेज पर सरकार की उपलब्ध पर चर्चा होती है. सीएमओ के पेज पर आज राजनीति होती है. संवाद में बीजेपी पार्टी का बोर्ड लगा देना चाहिए. वहां काम कर रहे लोगों को हाफ पैंट और काली टोपी पहना देना चाहिए. छत्तीसगढ़ के लोगों को संवाद से निकाला जा रहा है, और गुजरात के लोगों को काम दिया जा रहा है. भूपेश बघेल ने 'घुसपैठिए बंगाल से रायपुर आते थे' वाले बयान पर गृह मंत्री विजय शर्मा को आड़े हाथ लेते हुए उन्हे निकम्मा करार दिया. उन्होंने कहा कि गजब के गृहमंत्री हैं. रायपुर में अगर बांग्लादेशी हैं, तो ढाई साल में एक भी आईडेंटिफाई नहीं कर पाए. गृहमंत्री खुद अपने आप को प्रमाण पत्र दे रहे हैं कि निकम्मा हूं. प्रधानमंत्री, गृहमंत्री नाकाबिल हैं. बांग्लादेशी बाहर से आ रहे हैं, तो इसकी जवाबदारी केंद्र की है.

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल में इसके साथ बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर तंज कसते हुए कहा कि बंगाल में (वोटों की) चोरी नहीं, डकैती हुई है. यहां भाजपा की जीत नहीं, (मुख्य चुनाव आयुक्त) ज्ञानेश कुमार की जीत हुई है.

पद्मश्री फूलबासन से मिले विधायक देवेंद्र यादव, कहा - प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद

राजनांदगांव। पद्मश्री फूलबासन यादव के हालिया अपहरण की घटना के बाद प्रदेश की राजनीति और सामाजिक माहौल गरमा गया है। विधायक देवेंद्र यादव आज राजनांदगांव पहुंचे और फूलबासन बाई यादव से मुलाकात कर पूरी घटना की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान विधायक यादव ने घटना को गंभीर बताते हुए प्रदेश सरकार पर कानून-व्यवस्था को लेकर कड़े आरोप लगाए।

देवेंद्र यादव ने कहा कि राजनांदगांव सहित पूरे प्रदेश में अपहरण, बलात्कार, चाकूबाजी और हत्या जैसी घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिससे आम जनता में भय का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं दिख रहा है। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और आम नागरिक खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

इस दौरान यादव समाज के लोगों ने भी फूलबासन यादव से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उन्हें धैर्य रखने की सलाह दी। साथ ही सभी ने एकजुट होकर सरकार से मांग की है कि फूलबासन यादव को जल्द से जल्द उचित सुरक्षा प्रदान की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

परिवहन संघों ने जताई शहर में माल ढुलाई की समय सीमा पर चिंता

रायपुर । छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स ने बुधवार को देवीलाल उद्योग व्यापार भवन में शहरी गतिशीलता की चुनौतियों और सुधारों पर चर्चा करने के लिए एक विशेष हितधारक बैठक आयोजित की। प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी और महालेखाकार कार्यालय के अधिकारियों की मौजूदगी में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश की शहरी यातायात व्यवस्था, माल परिवहन और सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी जमीनी समस्याओं का समाधान ढूंढना था।

यह आयोजन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (छ्त्त) की आगामी ऑडिट योजना 2026-27 का हिस्सा है, जिसके तहत विशेषज्ञों और विभिन्न व्यापारिक संघों से महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

महालेखाकार कार्यालय से उपस्थित सीनियर डीएजी प्रियाति कावड़ो ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि सीएजी का उद्देश्य केवल वित्तीय ऑडिट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि शहरी गतिशीलता से जुड़ी सरकारी योजनाएं आम जनता और व्यापारिक जगत के लिए कितनी प्रभावी साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हितधारकों से प्राप्त व्यावहारिक सुझाव नीतिगत सुधारों में मील का पत्थर साबित होंगे। वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी मोहम्मद इकबाल अंसारी और मनीष कुमार शुक्ला ने तकनीकी पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की परिवहन प्रणाली में पारदर्शिता और डिजिटल समाधानों के महत्व को रेखांकित किया। बैठक के दौरान एक हस्ताक्षरित कार्यवृत्त तैयार किया गया, जिसे आगामी सुधारों के लिए आधार बनाया जाएगा।

विभिन्न परिवहन संघों ने चर्चा के दौरान शहर के भीतर माल पहुँचाने में आने वाली समय की कड़ी पाबंदियों पर चिंता व्यक्त की। सुझाव दिया गया कि शहर के चारों कोनों पर आधुनिक लॉजिस्टिक्स हब और ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किए जाने चाहिए ताकि भारी वाहनों को शहर के भीतर प्रवेश करने की आवश्यकता कम हो। इसके साथ ही रात के समय माल की आवाजाही को अधिक सुगम और सुरक्षित बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इन केंद्रों पर ड्राइवरों के लिए बुनियादी सुविधाएं, वेयरहाउसिंग और लोडिंग-अनलोडिंग के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराने की मांग उठाई गई ताकि शहर की आंतरिक यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। आपातकालीन सेवाओं को प्राथमिकता देने के लिए रायपुर के प्रमुख चौराहों जैसे जयस्तंभ चौक, टाटीबंध और शास्त्री चौक पर एंबुलेंस के लिए अलग लेन और स्वत: ग्रीन सिग्नल होने वाली तकनीकी प्रणाली विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया।

ज्वेलरी शॉप के मैनेजर पर जानलेवा हमला, एक करोड़ के जेवरात लुटकर भागे लुटेरे

रायपुर । राजधानी रायपुर के खरोरा इलाके की एक ज्वेलरी दुकान के मैनेजर के साथ लूट की बड़ी वारदात हो गई। जानकारी के अनुसार, विनायक ज्वेलर्स के मैनेजर विनीत सोनी पर अज्ञात बदमाश तलवार से हमला कर करीब एक करोड़ रुपए कीमत की सोने-चांदी के जेवरात लूट कर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, तिल्दाडीह स्थित ज्वेलरी शॉप के मैनेजर विनीत सोनी दुकान बंद कर दूसरी ब्रांच से जेवरात लेकर खरोरा लौट रहा था। तभी 2 से 3 बाइक सवार बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए।

मैनेजर की हालत गंभीर

हमले में मैनेजर गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही खरोरा थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस आसपास के इलाके में नाकेबंदी कर आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। शाम करीब 7 बजे अचानक आए आंधी-तूफान और बारिश के चलते वे तिल्दाडीह मोड़ के पास रुक गए थे। जैसे ही मौसम शांत हुआ और वे आगे बढ़ने लगे, तभी पहले से घात लगाए बाइक सवार बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने टीकाराम शर्मा के सिर पर तलवार से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उनके सिर में तीन गंभीर चोटें आईं।

लुटेरों का सुराग जुटाने CCTV खंगाल रही पुलिस

प्रारंभिक जांच में यह लूट की वारदात पूरी तरह सुनियोजित लग रही है। आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों को ज्वेलरी कर्मी के रूट और समय की पहले से सटीक जानकारी थी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही इस लूट की वारदात को सुलझाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। फिलहाल पुलिस हर एंगल से इस पूरी वारदात की बारीकी से जांच कर रही है।

हमले के बाद आरोपी जेवर से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। घायल अवस्था में पीड़ित ने घटना की सूचना दुकान प्रबंधन को दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं घायल टीकाराम शर्मा को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही खरोरा थाना पुलिस, एसीसीयू टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और इलाके में नाकेबंदी कर दी गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी ।

रायपुर में डीआरआई को छापा: हंस ट्रैवल्स के दफ्तर से जाली नोटों के तीन बोरे जब्त

रायपुर। राजधानी रायपुर के रिंग रोड स्थित हंस ट्रैवल्स कार्यालय में डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने बड़ी छापेमार कार्रवाई की है। ट्रैवल कंपनी के जरिए जाली नोटों की खेप दूसरे राज्यों में भेजे जाने की सूचना पर टीम ने रेड डालते हुए तीन बोरे नकदी जब्त की है।

जानकारी के मुताबिक, जब्त किए गए बोरों में 10, 20 और 50 रुपये के नोट भरे हुए थे। प्रारंभिक आशंका है कि ये नोट जाली हो सकते हैं, जिन्हें जांच के लिए छ्त्र्ह्ह टीम अपने साथ ले गई है। इस पूरी कार्रवाई को पांच अधिकारियों की टीम ने अंजाम दिया।

सूत्रों के अनुसार, ये नोट पश्चिम बंगाल के कोलकाता से दिल्ली भेजे जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कोलकाता से उदय सिंह बिस्वाल नामक व्यक्ति ने इन्हें भेजा था, जबकि दिल्ली में कमल किशोर गुप्ता नाम के व्यक्ति तक पहुंचाने की योजना थी।

डीआरआई को पहले से ही इस संदिग्ध ट्रांजैक्शन की सूचना मिल चुकी थी, जिसके आधार पर रिंग रोड स्थित कार्यालय में दबिश दी गई। फिलहाल जब्त नोटों की जांच जारी है और पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाली जा रही हैं।

अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि बरामद नोट पूरी तरह जाली हैं या किसी अन्य अवैध गतिविधि से जुड़े हुए हैं। मामले में आगे और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

कांग्रेस ने डीएमके को धोखा दिया, इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए: कर्नाटक भाजपा

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने तमिलनाडु में अपने सहयोगी डीएमके के साथ विश्वासघात किया है और कहा कि इंडिया महागठबंधन में शामिल पार्टियों को इस घटनाक्रम पर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

अशोक ने बेंगलुरु में भाजपा के पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि तमिलनाडु में डीएमके के साथ चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस ने अब पार्टी का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस का असली चेहरा बेनकाब हो गया है और डीएमके के नेता, जिन्होंने पार्टी पर भरोसा किया था, निराश हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद एक साथ आकर सरकार बनाने की सहमति बनी थी, लेकिन नतीजों के बाद कांग्रेस ने अपना रुख बदल लिया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस किसी सुसंगत विचारधारा का पालन नहीं करती और उसने डीएमके को धोखा दिया है, जिससे साबित होता है कि उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

उन्होंने चेतावनी दी कि इंडिया महागठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को ध्यान देना चाहिए कि कांग्रेस अपने सहयोगियों के साथ कैसा व्यवहार करती है, अन्यथा उन्हें भी डीएमके जैसी ही स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

श्रृंगेरी में वोटों की दोबारा गिनती के मुद्दे पर अशोक ने कहा कि राज्यपाल के समक्ष मामला उठाए जाने के बाद स्पीकर यूटी खादर ने भाजपा विधायक डीएन जीवराज को शपथ दिलाने पर सहमति जताई है।

भारत-अमेरिका साझेदारी से एआई को अपनाने की गति में आ सकती है तेजी

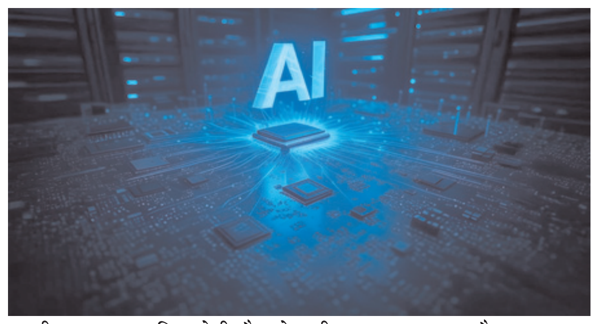

नई दिल्ली। भारत में एआई को अपनाने की दौड़ में अमेरिका को और अधिक बढ़त दिलाने की क्षमता है, क्योंकि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी दिग्गज अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियां पहले ही भारत में एआई हब बनाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर चुकी हैं। यह जानकारी अरब न्यूज के एक आर्टिकल में दी गई।

यल्ली बज्रक्तारी और ध्रुवा जयशंकर द्वारा लिखित आर्टिकल में कहा गया कि इन निवेशों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिका द्वारा विकसित तकनीक वैश्विक दक्षिण की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने। यदि डिजिटल दुनिया का भविष्य अमेरिकी-भारतीय बुनियादी ढांचे पर आधारित होता है, तो दुनिया खुली और सुरक्षित रहेगी, लेकिन अगर यह चीन की मालिकाना तकनीक पर आधारित होती है, तो वैश्विक व्यवस्था टूट जाएगी।

हालांकि, अत्याधुनिक तकनीकों और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग में अमेरिका की निर्णायक बढ़त है, लेकिन चीन ने यह साबित कर दिया है कि उसकी नवाचार क्षमता एक सशक्त शक्ति है। इस चुनौती का मुकाबला करने के लिए, अमेरिका को ऐसी प्रतिभा और डेटासेट क्षमता की आवश्यकता है जो केवल भारत ही प्रदान कर सकता है।

आर्टिकल में आगे कहा गया, 'भारत सिर्फ एक विशाल बाजार ही नहीं है। यह लगभग 1.5 अरब लोगों से प्राप्त जनसंख्या-स्तरीय डेटासेट प्रदान करता है, जो इसे ग्रामीण कृषि से लेकर शहरी स्वास्थ्य सेवा तक, वास्तविक दुनिया के परिवेश में एआई के परीक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनाता है। इसके अलावा, 2027 तक 1.25 मिलियन से अधिक एआई प्रतिभाओं के साथ, भारत उच्च गति वाले नवाचार चक्र को बनाए रखने के लिए आवश्यक बौद्धिक क्षमता और मानव पूंजी प्रदान करता है।

हालांकि, क्षमता का मतलब दक्षता नहीं है। भारत की प्रतिभाओं का भंडार विशाल है, लेकिन विशिष्ट एआई कार्यों के लिए कौशल का मिलान करने के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इस अंतर को पाटना अमेरिका के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में देखा जाना चाहिए। आर्टिकल में आगे कहा गया है कि भारतीय प्रतिभाओं को अमेरिकी नेतृत्व वाले पारिस्थितिकी तंत्र में एकीकृत करना ही अमेरिकी कंपनियों के लिए उस प्रतिस्पर्धी के खिलाफ अपनी बढ़त बनाए रखने का एकमात्र तरीका है जो प्रौद्योगिकी को व्यक्तिगत सशक्तिकरण के साधन के बजाय राज्य नियंत्रण के उपकरण के रूप में देखता है। इस आर्टिकल में एआई के क्षेत्र में वर्तमान अमेरिकी-भारतीय संबंधों को स्थायी रणनीतिक लाभ में बदलने के लिए चार सूत्रीय योजना प्रस्तुत की गई।

इसमें सुझाव दिया गया है कि भारत के बढ़ते स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को अमेरिका में उपलब्ध तकनीकी उपकरणों और पूंजी से जोड़कर वैश्विक चुनौतियों के लिए साझा समाधान तैयार किए जा सकते हैं।

दूसरा, दोनों देश मजबूत बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं। उनके प्रयासों में न केवल महत्वपूर्ण खनिज और अर्धचालक शामिल होने चाहिए, बल्कि समुद्री केबल, खुले दूरसंचार नेटवर्क और डेटा केंद्र भी शामिल होने चाहिए।

अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा मार्च में करीब 50 प्रतिशत घटकर 3.8 अरब डॉलर रहा

वाशिंगटन । अमेरिका का भारत के साथ व्यापार घाटा मार्च 2026 में 3.8 अरब डॉलर रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि के घाटे 7.4 अरब डॉलर से 48.64 प्रतिशत कम है। यह जानकारी अमेरिकी सरकार के आधिकारिक डेटा में दी गई।

अमेरिकी सरकार की ओर से बताया गया कि मार्च 2026 में अमेरिका का भारत को निर्यात बढ़कर 4.3 अरब डॉलर हो गया है। वहीं, भारत से आयात 8.4 अरब डॉलर रहा है। भारत के साथ आयात-निर्यात में अंतर कम होने के बावजूद अमेरिका के व्यापार घाटे में बढ़ोतरी हुई है। मार्च में वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार घाटा बढ़कर 60.3 अरब डॉलर हो गया, जो फरवरी के संशोधित 57.8 अरब डॉलर से 2.5 अरब डॉलर अधिक है।

मार्च में अमेरिकी निर्यात 320.9 अरब डॉलर रहा, जो फरवरी से 6.2 अरब डॉलर अधिक है, जबकि आयात 8.7 अरब डॉलर बढ़कर 381.2 अरब डॉलर हो गया।

यह रिपोर्ट ऐसे समय पर आई है जब भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों को और गहरा करने के व्यापक प्रयासों के बीच व्यापार पहुंच, आपूर्ति श्रृंखला, प्रौद्योगिकी सहयोग और शुल्क संबंधी मुद्दों पर बातचीत कर रहे हैं।

मार्च में अमेरिका के कुल व्यापार घाटे में वृद्धि मुख्य रूप से वस्तुओं के घाटे में वृद्धि के कारण हुई, जो 4.1 अरब डॉलर बढ़कर 88.7 अरब डॉलर हो गया। सेवाओं का अधिशेष भी 1.6 अरब डॉलर बढ़कर 28.4 अरब डॉलर हो गया।

कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में वृद्धि के कारण मार्च में औद्योगिक आपूर्ति और सामग्रियों के निर्यात में 5 अरब डॉलर की तेज वृद्धि हुई। अकेले कच्चे तेल के निर्यात में 2.8 अरब डॉलर की वृद्धि हुई।

दूसरी तरफ, ऑटोमोबाइल उत्पादों, उपभोक्ता वस्तुओं और पूंजीगत वस्तुओं के आयात में उछाल से आयात को बढ़ावा मिला। ऑटोमोबाइल वाहनों, पुर्जों और इंजनों के आयात में 3.6 अरब डॉलर की वृद्धि हुई, जबकि यात्री कारों के आयात में 2.8 अरब डॉलर की वृद्धि हुई। कंप्यूटर एक्सेसरीज के आयात में 2 अरब डॉलर की वृद्धि हुई, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी उत्पादों की निरंतर मांग को दर्शाती है। आंकड़ों से यह भी पता चला कि मार्च में चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 14 अरब डॉलर था, जबकि वियतनाम और ताइवान के साथ घाटा क्रमश: 19.2 अरब डॉलर और 20.6 अरब डॉलर था।

पीएम मोदी की लोकप्रियता असाधारण, उनके आसपास विश्व का कोई नेता नहीं: एरिक सोल्हेम

नई दिल्ली। नॉर्वे के पूर्व जलवायु और पर्यावरण मंत्री एरिक सोल्हेम ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित विश्व भर के नेताओं से तुलना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी मेहनत और देश के विकास के विजन के दम पर जितनी लोकप्रियता हासिल की है, उसके आसपास भी कोई भी नहीं पहुंचता।

सोल्हेम ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि लोकतंत्र में किसी नेता के लिए लंबे समय तक इतनी मजबूत जनसमर्थन बनाए रखना बहुत ही दुर्लभ होता है।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी भारत में बेहद लोकप्रिय हैं। मेरा मानना है कि लोकतंत्र में ऐसा बहुत कम ही होता है कि कोई नेता इतने लंबे समय तक इतना बड़ा समर्थन जुटा पाए, जैसा पीएम मोदी ने किया है।

सोल्हेम ने आगे कहा, 'शायद 1950 के दशक में जब यूरोप में लगातार तेज विकास हो रहा था, तब वहां के नेता ऐसा सपना देख सकते थे, लेकिन आज के समय में यह बहुत ही खास और अलग बात है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी डेटा एनालिटिक्स कंपनी 'मॉर्निंग कंसल्ट' के एक सर्वे में प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया गया है।

2 से 8 मार्च के बीच किए गए इस सर्वे के मुताबिक, एनालिटिक्स फर्म ने कहा कि पीएम मोदी 68 प्रतिशत की मजबूत अप्रूवल रेटिंग के साथ दुनिया के बाकी नेताओं से काफी आगे हैं। सोल्हेम ने कहा, 'फिलहाल मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कोई भी नेता अपने देश में प्रधानमंत्री मोदी जितना लोकप्रिय है।

उन्होंने कहा, 'हो सकता है कुछ छोटे देशों में ऐसा कोई नेता हो, लेकिन किसी बड़े देश में आपको इतना लोकप्रिय नेता नहीं मिलेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप भी पीएम मोदी की लोकप्रियता के आसपास नहीं हैं, और न ही कोई यूरोपीय नेता। मेरे हिसाब से वह सच में एक विश्व नेता हैं।

सोल्हेम ने यह भी कहा कि पीएम मोदी की निजी जिंदगी का सफर भी उनकी लोकप्रियता की बड़ी वजह है। उन्होंने कहा कि गुजरात में एक साधारण परिवार से निकलकर, जहां उनका परिवार एक छोटे रेलवे स्टेशन पर चाय बेचता था, वहां से दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल होना, यह बहुत ही प्रेरणादायक है।

सोनीपत मानव विकास रिपोर्ट 2026 दिल्ली में प्रस्तुत, स्थानीय विकास चुनौतियों पर मंथन

नई दिल्ली। सोनीपत मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआर) 2026, जिसे हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जनवरी 2026 में जारी किया गया था, को हाल ही में नई दिल्ली में औपचारिक रूप से प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ हरियाणा स्टडीज (जेआईएचएस) द्वारा किया गया, जिसमें नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों और विकास क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने रिपोर्ट के निष्कर्षों और नीतिगत प्रभावों पर चर्चा की। रिपोर्ट को हरियाणा सरकार के पूर्व मुख्य सचिव विजय वर्धन और केंद्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त विकास गुप्ता ने जारी किया। इस अवसर पर विश्व बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. दलाल मूसा, यूएन वूमेन की डिप्टी कंट्री रिप्रेजेंटेटिव कांता सिंह, शहरी विशेषज्ञ और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स (एनआईयूए) के पूर्व निदेशक जगन शाह, इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) अलख एन. शर्मा और यूएनडीपी इंडिया की हेड ऑफ कम्युनिकेशंस एंड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप्स अमराह अशरफ सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) सी. राज कुमार, जेआईएचएस की निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) मृणालिनी झा और जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी के डीन प्रोफेसर आर. सुदर्शन भी शामिल हुए।

दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई: साइबर थाना नॉर्थ-वेस्ट ने सेक्सटॉर्शन रैकेट के मास्टरमाइंड को दबोचा

नई दिल्ली । दिल्ली के नॉर्थ-वेस्ट जिले की साइबर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने सेक्सटॉर्शन रैकेट के मुख्य सरगना और ऑपरेटर अब्बास खान को गिरफ्तार किया है, जो राजस्थान के अलवर जिले के रामगढ़ तहसील का रहने वाला है। आरोपी ऑनलाइन धोखाधड़ी और फ्रॉड जैसे मामलों में भी सक्रिय रूप से शामिल था।

शालीमार बाग निवासी एक व्यक्ति ने साइबर फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसके साथ 2.52 लाख रुपए की ठगी की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसे फेसबुक पर एक महिला की फ्रेंड रिक्वेस्ट आई। बातचीत के दौरान आरोपी ने उसका मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल आई, जिसमें अश्लील वीडियो दिखाया गया। कॉल काटने के बाद उसे धमकी भरे संदेश आने लगे कि उसकी वीडियो रिकॉर्ड कर ली गई है और उसे वायरल कर दिया जाएगा। डर के चलते पीड़ित से अलग-अलग किस्तों में 2.52 लाख रुपए वसूल लिए गए। इस मामले में ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी जांच, डिजिटल फुटप्रिंट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और बैंक खातों की पड़ताल की। जांच में सामने आया कि व्हाट्सएप, फेसबुक अकाउंट और बैंक खाते फर्जी (म्यूल) पहचान के जरिए संचालित किए जा रहे थे। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस को इस पूरे नेटवर्क का लिंक मेवात क्षेत्र से मिला। इसके बाद स्थानीय पुलिस की मदद से तड़के छापेमारी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। छापे के दौरान आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसका इस्तेमाल वह वारदात को अंजाम देने में करता था। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर पुरुषों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजता था। जैसे ही कोई रिक्वेस्ट स्वीकार करता, उससे व्हाट्सएप नंबर लिया जाता। इसके बाद वीडियो कॉल के जरिए पहले से रिकॉर्ड अश्लील वीडियो दिखाया जाता और साथ ही स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली जाती थी।फिर उसी वीडियो के जरिए पीड़ित को ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठे जाते थे। आरोपी ने यह भी बताया कि उसके गांव के कई युवक इस तरह की साइबर ठगी में शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी के पास से एक आईफोन 14 प्रो बरामद किया है, जिसका इस्तेमाल अपराध में किया जा रहा था।

फिलहाल पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है और जांच जारी है।दिल्ली पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से सावधान रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत शिकायत करें।

राजस्थान के विशेष अवैध शराब विरोधी अभियान में 600 से अधिक मामले दर्ज

जयपुर। राजस्थान एक्साइज डिपार्टमेंट ने एक्साइज कमिश्नर नमित मेहता के निर्देशानुसार एक विशेष निवारक अभियान के माध्यम से राज्य भर में शराब के अवैध निर्माण, भंडारण, परिवहन और बिक्री पर अपनी कार्रवाई तेज कर दी है।

1 मई से 5 मई तक चलाए गए इस अभियान के परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर जब्ती, कच्चे माल का विनाश, और कई गिरफ्तारियां हुईं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अभियान के दौरान कुल 633 मामले दर्ज किए गए, जबकि अवैध शराब गतिविधियों के संबंध में 172 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। प्रवर्तन टीमों ने एक चार पहिया वाहन और आठ दो पहिया वाहनों सहित नौ वाहन भी जब्त किए। अभियान के दौरान अधिकारियों ने 8.52 लाख रुपए मूल्य की 3,169 लीटर देसी शराब, 7.96 लाख रुपए मूल्य की 798 लीटर भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल), 2.62 लाख रुपए मूल्य की 1,199.45 लीटर बीयर और 3,698.5 लीटर अवैध रूप से निर्मित शराब जब्त की।महत्वपूर्ण बात यह है कि अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख कच्चे माल 'वॉश' को विभिन्न जिलों में 140,402 लीटर नष्ट किया गया। जीरो टॉलरेंस का रुख अपनाते हुए उत्पाद शुल्क निवारक टीमों ने पूरे राज्य में समन्वित छापे, गश्त और नाकाबंदी अभियान चलाए।

उदयपुर में अधिकारियों ने भारी मात्रा में बीयर जब्त की और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि गोगुंडा और खेरवाड़ा में टीमों ने बड़ी मात्रा में अवैध शराब और अन्य अवैध शराब को नष्ट कर दिया।

चित्तौड़गढ़ जिले में व्यापक छापेमारी के परिणामस्वरूप हजारों शराब की थैलियां और बोतलें बरामद हुईं, साथ ही अवैध शराब बनाने के संयंत्रों को भी नष्ट कर दिया गया। बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, हनुमानगढ़, अलवर, बीकानेर, झालावाड़, जोधपुर, बाड़मेर, भरतपुर, डीग, दौसा और अजमेर से भी इसी तरह की कार्रवाई की सूचना मिली, जहां प्रवर्तन टीमों ने वॉश को नष्ट कर दिया, अवैध शराब जब्त की और कई मामले दर्ज किए।

आईपीएल 2026: जानिए आखिर क्यों केएससीए से छिनी फाइनल मैच की मेजबानी?

नई दिल्ली। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल की मेजबानी का अधिकार छिन गया है। इस सीजन का फाइनल 31 मई को बेंगलुरु में खेला जाना था, लेकिन अब यह अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आयोजित होगा। स्थानीय अधिकारियों और स्टेकहोल्डर्स की तरफ से लगातार आ रही विवादित मांगों और इंतजामों से जुड़ी चिंताओं के चलते यह फैसला लिया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, आईपीएल अधिकारी कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के लगातार संपर्क में थे, लेकिन बातचीत इसलिए नहीं बन सकी, क्योंकि केएससीए की कुछ मांगें 'बहुत ज्यादा और नामंजूर करने लायक' मानी गईं। इनमें सदस्यों और नेताओं के लिए पास की मांग भी शामिल थी। टिकटों की कालाबाजारी की खबरों ने स्थिति को और जटिल बना दिया, जिससे आयोजन की पारदर्शिता और व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए। इसी के बाद टूर्नामेंट के सबसे बड़े मुकाबले को अहमदाबाद शिफ्ट करने का फैसला लिया गया, ताकि आयोजन बेहतर तरीके से हो सके और व्यवस्थाओं पर कड़ा नियंत्रण रखा जा सके।

सूत्रों ने 'आईएएनएस' को बताया, 'आईपीएल के अधिकारी केएससीए के अधिकारियों के लगातार संपर्क में थे। लेकिन, उनकी मांगें, जिनमें सदस्यों और नेताओं के लिए पास की मांग भी शामिल थी, बहुत ज्यादा और नामंजूर करने लायक मानी गईं। टिकटों की कालाबाजारी की खबरें भी सामने आई थीं। इन्हीं वजहों से आईपीएल फाइनल का वेन्यू बेंगलुरु से बदलकर अहमदाबाद कर दिया गया। आमतौर पर आईपीएल का फाइल मैच मौजूदा चैंपियन टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाता है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पिछला सीजन जीता था, ऐसे में आईपीएल 2026 के फाइनल मैच की मेजबानी एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को ही मिलनी चाहिए थी, लेकिन बीसीसीआई ने अपने बयान में स्पष्ट किया है कि स्थानीय अधिकारियों की कुछ मांगें 'बीसीसीआई के तय नियमों और प्रोटोकॉल के दायरे से बाहर' थीं, इसलिए बेंगलुरु में फाइनल करवाना मुमकिन नहीं होगा।

बीसीसीआई ने एक रिलीज में कहा, 'इस सीजन का समापन 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले भव्य फाइनल के साथ होगा। यह दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। यह एक शानदार फाइनल के लिए मंच तैयार करेगा।

कुछ ऑपरेशनल और लॉजिस्टिकल वजहों से, आईपीएल 2026 के प्लेऑफ इस सीजन में एक खास मामले के तौर पर तीन जगहों पर होंगे। बुधवार को, आईसीसी ने आईपीएल 2026 के नॉकआउट स्टेज का शेड्यूल जारी किया, जिसके तहत आईपीएल का फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्वच्छता अभियान तेज, आधुनिक कचरा प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण पर जोरँ

केदारनाथ। जिला प्रशासन ने आधुनिक कचरा प्रबंधन प्रणालियां लगाकर केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर पर्यावरण-अनुकूल और स्वच्छता उपायों को तेज कर दिया है।

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने तीर्थयात्रियों से इन स्वच्छता प्रयासों में सक्रिय रूप से सहयोग करने का आग्रह किया है। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है कि श्री केदारनाथ धाम की तीर्थयात्रा स्वच्छ, हरित और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बनी रहे। ट्रेकिंग मार्ग से लेकर मंदिर परिसर तक स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान देते हुए, व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

केदारनाथ नगर पंचायत सूखे कचरे का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने के लिए एक आधुनिक बेलिंग मशीन का उपयोग कर रही है। यह मशीन कचरे को दबाकर ठोस गठ्ठरों में बदल देती है, जिससे इसका परिवहन और पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) आसान और सुरक्षित हो जाता है।

कार्यकारी अधिकारी नीरज कुकरेती ने बताया कि धाम में एक 'मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी' (एमआरएफ) केंद्र स्थापित किया गया है, जहां सूखे कचरे को व्यवस्थित रूप से एकत्र किया जाता है, अलग किया जाता है और पुनर्चक्रित किया जाता है। अब तक, लगभग 500 किलोग्राम सूखे कचरे को बेलों में बदला जा चुका है, जिससे 15,000 से 20,000 रुपए का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि मंदिर परिसर और उसके आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। केदारनाथ की ओर जाने वाले पूरे तीर्थयात्रा मार्ग पर स्वच्छता संबंधी बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से यह भी अपील की कि वे कचरा न फैलाकर और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं का समर्थन करके सहयोग करें।इस बीच, चार धाम यात्रा में इस मौसम में भारी भीड़ देखने को मिली है, अब तक 6,60,000 से अधिक श्रद्धालुओं ने अपनी तीर्थयात्रा पूरी कर ली है।

संपादकीय

न्यायपालिका, आलोचना और लोकतंत्र : क्या न्यायालयों को आलोचना से भयभीत होना चाहिए?

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका को संविधान का संरक्षक और नागरिक अधिकारों का अंतिम प्रहरी माना जाता है। संसद कानून बना सकती है, सरकार प्रशासन चला सकती है, किंतु संविधान की आत्मा की रक्षा का अंतिम दायित्व न्यायपालिका पर ही है। यही कारण है कि सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को लोकतंत्र का नैतिक स्तंभ कहा जाता है। किंतु किसी भी लोकतांत्रिक संस्था की वास्तविक शक्ति उसकी आलोचना से बच निकलने में नहीं, बल्कि आलोचना को सुनने और उससे स्वयं को बेहतर बनाने की क्षमता में निहित होती है। आज भारत में यह प्रश्न अत्यंत गंभीरता से उठ रहा है कि क्या न्यायपालिका को आलोचना से ऊपर माना जा सकता है, अथवा उसे भी लोकतांत्रिक विमर्श के अंतर्गत जवाबदेही और पारदर्शिता के मानकों पर परखा जाना चाहिए।

यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यायपालिका केवल कानूनी संस्था नहीं, बल्कि सार्वजनिक विश्वास पर आधारित नैतिक संस्था भी है। न्यायालयों के पास न सेना है, न पुलिस बल; उनकी वास्तविक शक्ति जनता के विश्वास में निहित होती है। यदि जनता को यह लगने लगे कि न्यायपालिका आलोचना से डरती है या अपने विरुद्ध उठने वाली हर आवाज़ को 'अवमानना' कहकर दबाना चाहती है, तो धीरे-धीरे उसका नैतिक अधिकार कमजोर पड़ सकता है। लोकतंत्र में कोई भी संस्था इतनी पवित्र नहीं हो सकती कि वह जनचर्चा और आलोचना से परे हो जाए।

भारत में न्यायालय की अवमानना का कानून औपनिवेशिक मानसिकता की देन माना जाता है। संविधान के अनुच्छेद 129 और 215 सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों को अवमानना के लिए दंड देने की शक्ति प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 भी इस शक्ति को परिभाषित करता है। दृष्टि आईएएस के एक विश्लेषण में बताया गया है कि भारतीय कानून के अनुसार अवमानना दो प्रकार की होती है—सिविल अवमानना और आपराधिक अवमानना। आपराधिक अवमानना में न्यायालय की 'गरिमा को ठेस पहुँचाने' या न्यायपालिका को 'स्कैंडलाइज़' करने जैसे व्यापक शब्दों का प्रयोग किया गया है। यही वह क्षेत्र है जहाँ लोकतांत्रिक स्वतंत्रता और न्यायिक संवेदनशीलता के बीच टकराव पैदा होता है।

समस्या यह है कि 'न्यायपालिका की आलोचना' और 'न्यायपालिका का अपमान' हमेशा एक ही बात नहीं होते। यदि कोई व्यक्ति किसी निर्णय की तार्किक आलोचना करता है, न्यायिक पारदर्शिता पर प्रश्न उठाता है, या न्यायिक नियुक्तियों में सुधार की मांग करता है, तो उसे लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए। किंतु भारत में कई बार ऐसा प्रतीत हुआ है कि न्यायपालिका आलोचनात्मक टिप्पणियों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हो जाती है। वर्ष 2020 में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के विरुद्ध अवमानना कार्यवाही ने इसी बहस को राष्ट्रीय स्तर पर पुनर्जीवित कर दिया था। अनेक विधि विशेषज्ञों, पूर्व न्यायाधीशों और बुद्धिजीवियों ने तब यह तर्क दिया था कि न्यायपालिका की गरिमा आलोचना को दंडित करने में नहीं, बल्कि आलोचना का उत्तर अपनी निष्पक्षता और पारदर्शिता से देने में निहित है।

वास्तविकता यह है कि भारतीय न्यायपालिका के भीतर समय-समय पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोप सामने आते रहे हैं। 1990 के दशक में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी. रामास्वामी पर वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे थे और संसद में उनके विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था। हालांकि राजनीतिक कारणों से वह प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, किंतु इस घटना ने यह मिथक तोड़ दिया कि न्यायपालिका पूर्णतः त्रुटिहीन संस्था है। इसके बाद भी अनेक उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों पर संपत्ति, प्रभाव और भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप लगते रहे हैं।

कई मामलों में मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया कि कुछ न्यायाधीशों के पास उनकी घोषित आय से कहीं अधिक मूल्य की संपत्तियाँ पाई गईं। कुछ मामलों में आयकर छापों और जांच एजेंसियों की कार्रवाई ने भी संदेह को बढ़ाया। हाल के वर्षों में न्यायपालिका से जुड़े कुछ विवादों में 'सैकड़ों करोड़ की संपत्ति' जैसे शब्द सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने। यद्यपि किसी भी आरोप की अंतिम सत्यता केवल न्यायिक जांच से ही सिद्ध हो सकती है, फिर भी यह प्रश्न महत्वपूर्ण है कि यदि ऐसे आरोप सामने आते हैं तो क्या समाज को उन पर चर्चा करने का अधिकार नहीं होना चाहिए? क्या भ्रष्टाचार के संभावित मामलों पर प्रश्न उठाना भी अवमानना माना जाएगा? लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सार्वजनिक पद पर बैठा कोई भी व्यक्ति आलोचना से ऊपर नहीं हो सकता। न्यायाधीश भी अंततः सार्वजनिक जीवन का हिस्सा हैं और उनके निर्णय करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। इसलिए जनता को यह अधिकार होना चाहिए कि वह न्यायिक प्रक्रियाओं, नियुक्तियों और आचरण पर प्रश्न उठा सके। यह आलोचना तथ्याधारित और जिम्मेदार होनी चाहिए, किंतु उसका दमन लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध होगा।

बंगाल विजयः संघ की जमीनी साधना शांति से शक्ति तक

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक, अद्भुत, अविस्मरणीय एवं करिश्माई जीत के पीछे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) की बहुत बड़ी भूमिका रही है। निश्चिततौर पर इस शानदार जीत के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह मुख्य भूमिका में हैं। लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी की मजबूत चुनौती के सामने भाजपा की जीत के लिए संघ लंबे समय से मेहनत कर रही थी और उसकी वह मेहनत ही जीत का सशक्त माध्यम बनी है। पश्चिम बंगाल में लगातार चल रही हिन्दू विरोधी गतिविधियों एवं मुसलमानों के बढ़ते वर्चस्व को देखते हुए संघ ने इस चुनाव के मद्देनजर बहुत पहले से ही कमर कस ली थी, संघ ने पश्चिम बंगाल में 1.75 लाख से अधिक छोटी-बड़ी बैठकें आयोजित कीं। पिछले 15 सालों में संघ ने पश्चिम बंगाल में तेजी से विस्तार किया है और एक मजबूत 'हिंदू वोट बैंक' तैयार किया है। पश्चिम बंगाल में पिछले 15 वर्षों में संघ की शाखाओं की संख्या 900 से बढ़कर 5,000 तक पहुंच गई है। संघ के स्वयंसेवकों ने पश्चिम बंगाल में घर-घर जाकर 'बंग बचाओ' इस थीम पर 'मतदाता जागरूकता अभियान' चलाया। संघ की माइक्रो प्लानिंग ने बंगाल में भाजपा को ऐतिहासिक बढ़त दिलाई और सत्ता परिवर्तन का माध्यम बनी। पश्चिम बंगाल चुनाव भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक 'मील का पत्थर' और ऐतिहासिक सफलता साबित हुआ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि राजनीति केवल बड़े मंचों, विशाल रैलियों और जोरदार नारों से तय नहीं होती। कई बार असली लड़ाई उन स्तरों पर लड़ी जाती है, जहां न कैमरे पहुंचते हैं और न ही जमीनी प्रयास सुर्खियां बनती हैं। इस बार के चुनाव में एक ऐसी ही खामोश रणनीति कारगर साबित हुई है। जहां एक ओर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का आक्रामक चुनाव प्रचार केंद्र में रहा, वहीं दूसरी ओर संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं ने

अपेक्षाकृत शांत रहकर 'निःशब्द विप्लव' या 'मूक क्रांति' को अंजाम देते हुए जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान दिया। बंगाल की अस्मिता, विकास और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को आधार बनाकर जनजागरण अभियान चलाया गया। इस दौरान महिला, युवा, प्रबुद्ध वर्ग, किसान, श्रमिक और अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तक अलग-अलग तरीकों से पहुंचने की कोशिश की गई।

निश्चिततौर पर पश्चिम बंगाल की राजनीति ने वर्ष 2026 में जो ऐतिहासिक करवट ली, वह केवल सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है, बल्कि एक गहरे सामाजिक, सांस्कृतिक और वैचारिक परिवर्तन का संकेत भी है। लंबे समय तक वामपंथी प्रभाव और उसके बाद ममता बनर्जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व रहा, लेकिन इस बार जनमत ने जिस प्रकार से भाजपा के पक्ष में निर्णायक रूप से झुकाव दिखाया, उसने स्थापित राजनीतिक धारणाओं को चुनौती दी है। इस परिवर्तन के मूल में जो शक्ति को सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी रही है तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जिसने एक अदृश्य लेकिन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका निभाई है। यह विजय केवल चुनावी रणनीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि वर्षों से चल रहे संगठनात्मक परिश्रम, वैचारिक विस्तार और समाज के भीतर गहराई तक किए गए संवाद का परिणाम है। पश्चिम बंगाल में संघ का विस्तार किसी तात्कालिक राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि यह एक दीर्घकालिक सामाजिक दृष्टि का हिस्सा था।

पिछले डेढ़ दशक में संघ ने प्रांत में जिस प्रकार अपनी शाखाओं का विस्तार किया और समाज के विभिन्न वर्गों तक अपनी पहुंच बनाई, उसने एक मजबूत वैचारिक आधार तैयार किया। यह कार्य किसी प्रचार की तरह नहीं, बल्कि एक शांत सामाजिक प्रक्रिया एवं क्रांति की तरह हुआ, जिसने धीरे-धीरे जनमानस को प्रभावित किया। यही कारण है कि जब चुनाव का समय आया, तो एक पहले से तैयार मानसिकता भाजपा के पक्ष में खड़ी दिखाई दी।

इस पूरे परिदृश्य में सरसंघचालक मोहन भागवत की रणनीतिक दृष्टि को भी विशेष रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। उन्होंने बंगाल को केवल एक राजनीतिक इकाई के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक भूमि के रूप में देखा, भारत की अस्मिता के रूप में देखा। जिसकी अपनी विशिष्ट पहचान और परंपराएं हैं। संघ के प्रयासों में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि उसने बंगाल की सांस्कृतिक चेतना को समझने और उससे जुड़ने का प्रयास किया। दुर्गा पूजा, काली पूजा और रामनवमी जैसे पर्वों को सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे एक व्यापक सामाजिक जुड़ाव स्थापित हुआ। इस प्रक्रिया में हिंदुत्व को किसी बाहरी विचारधारा के रूप में नहीं, बल्कि बंगाल की सांस्कृतिक आत्मा के एक स्वाभाविक विस्तार के रूप में प्रस्तुत किया गया। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि बंगाली अस्मिता और हिंदुत्व परस्पर विरोधी हैं, लेकिन इस चुनाव में यह धारणा काफी हद तक टूटती हुई दिखाई दी। 'जय श्री राम' के साथ 'जय मां काली' और 'जय मां दुर्गा' जैसे नारों का समन्वय केवल राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि एक सांस्कृतिक संदेश था, जिसने यह स्थापित किया कि क्षेत्रीय पहचान और व्यापक सांस्कृतिक विचारधारा के बीच कोई टकराव नहीं है। इस समन्वय ने मतदाताओं के भीतर एक नई प्रकार की आत्मजागरूकता उत्पन्न की, जहां वे केवल विकास या योजनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि अपनी पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक गौरव के आधार पर भी निर्णय लेने लगे।

चुनाव के दौरान जिस प्रकार से 'अस्तित्व' एवं 'अस्मिता' का विमर्श उभरा, उसने इस पूरे राजनीतिक परिदृश्य को एक नई दिशा दी। संघ और भाजपा ने इसे केवल एक चुनावी मुकाबले के रूप में प्रस्तुत नहीं किया, बल्कि एक वैचारिक संघर्ष के रूप में स्थापित किया, जिसमें पहचान और सम्मान के प्रश्न प्रमुख हो गए। ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस पर लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों ने इस विमर्श को और तीव्र किया, जिससे मतदाताओं के बीच एक स्पष्ट ध्रुवीकरण देखने को मिला। इस पूरे प्रक्रिया में संघ ने जमीनी स्तर पर संवाद स्थापित कर इस विचार को सामाजिक स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठनात्मक दृष्टि से भी यह चुनाव एक उदाहरण प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार मजबूत जमीनी ढांचा चुनावी सफलता का आधार बन सकता है। बूथ स्तर तक सक्रियता, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय, गुटबाजी पर नियंत्रण और नए-पुराने कार्यकर्ताओं का एकीकरण-इन सभी पहलुओं में संघ की भूमिका महत्वपूर्ण रही। यह केवल एक राजनीतिक दल का प्रयास नहीं था, बल्कि एक व्यापक संगठनात्मक सहयोग का परिणाम था, जिसने भाजपा को एक सशक्त चुनावी शक्ति के रूप में स्थापित किया।

इस जीत में नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और अमित शाह की रणनीतिक क्षमता ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन इन प्रयासों को प्रभावी बनाने के लिए जिस सामाजिक आधार की आवश्यकता थी, वह संघ ने तैयार किया। यही कारण है कि यह जीत केवल शीर्ष नेतृत्व की सफलता नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इस चुनाव में बंगाल के मध्यम वर्ग का झुकाव भी एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में सामने आया। यह वर्ग परंपरागत रूप से विचारशील और राजनीतिक रूप से सजग माना जाता है और इसका समर्थन किसी भी राजनीतिक दल के लिए निर्णायक होता है। संघ ने इस वर्ग के बीच संवाद और जागरूकता के माध्यम से एक वैचारिक आधार तैयार किया, जिससे यह वर्ग भाजपा के समर्थन में एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा।

इस पूरे परिवर्तन को जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के दृष्टिकोण और उनके सपनों के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। उन्होंने जिस राष्ट्रवादी विचारधारा की नींव रखी थी, उसे आज बंगाल की धरती पर एक नए रूप में साकार होते हुए देखा जा रहा है। यह केवल एक राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक वैचारिक निरंतरता का प्रतीक भी है।

गीत, ज्ञान और मानवता के कवि रवींद्रनाथ

महेन्द्र तिवारी

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई 1861 को कोलकाता के जोड़ासांको ठाकुरबाड़ी में हुआ था और यह तिथि भारतीय इतिहास और संस्कृति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। बंगाली परंपरा में उनकी जयंती वैशाख महीने के 25वें दिन (पचीशे बैसाख) को मनाई जाती है, जो हर वर्ष ग्रेगोरियन कैलेंडर में अलग तिथि पर आती है, परंतु 2026 में यह 7 मई को ही पड़ रही है। यह संयोग केवल तिथियों का मेल नहीं है, बल्कि यह उस सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है जिसमें समय बदलता है पर मूल्य स्थिर रहते हैं। टैगोर का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ था जो साहित्य, कला और सामाजिक चेतना का केंद्र था, और यही परिवेश उनके व्यक्तित्व के निर्माण में निर्णायक सिद्ध हुआ।

रवींद्रनाथ टैगोर को विश्वकवि कहा जाता है, और यह उपाधि केवल सम्मान नहीं बल्कि उनकी रचनात्मकता की व्यापकता का प्रमाण है। 1913 में उन्हें उनकी काव्य रचना गीतांजलि के लिए साहित्य का नोबेल पुरस्कार मिला, जिससे वे इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले गैर यूरोपीय बने। यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन की महत्वपूर्ण घटना थी बल्कि यह भारतीय साहित्य के वैश्विक स्वीकार का भी क्षण था। गीतांजलि में निहित आध्यात्मिकता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और मानवीय भावनाओं की गहराई ने दुनिया भर के पाठकों को प्रभावित किया। उनकी भाषा सरल होते हुए भी गहन थी और उनके विचार सीमाओं से परे जाकर मानवता की एकता की बात करते थे।

टैगोर की सबसे विशिष्ट पहचान यह है कि उनकी रचनाएँ दो देशों के राष्ट्रगान बनीं। भारत का जन गण मन और बांग्लादेश का आमार सोनार बांग्ला उनकी ही काव्य प्रतिभा के उदाहरण हैं। यह तथ्य उन्हें विश्व साहित्य में एक अनूठा स्थान देता है, क्योंकि ऐसा उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। उनकी रचनाओं में देशभक्ति का स्वर था, परंतु वह संकीर्ण राष्ट्रवाद से परे था। वे मानवता को किसी एक देश या सीमा में बांधकर नहीं देखते थे, बल्कि उनकी दृष्टि वैश्विक थी। वे मानते थे कि सच्चा राष्ट्रवाद वही है जो मानवता का सम्मान करे और सभी के लिए समान अवसर और सम्मान की बात करे।संगीत के क्षेत्र में भी टैगोर का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने रवींद्र संगीत की परंपरा को विकसित किया जिसमें भारतीय शास्त्रीय संगीत और लोकधुनों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनके गीतों में भावनाओं की गहराई, प्रकृति के प्रति प्रेम और जीवन के विभिन्न रंगों का चित्रण मिलता है। आज भी उनके गीत बंगाल और पूरे भारत में गाए जाते हैं और उनकी लोकप्रियता समय के साथ और बढ़ी है। उनके द्वारा रचित धुनें केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि वे आत्मा को छूने वाली अनुभूति प्रदान करती हैं।

टैगोर का दृष्टिकोण केवल साहित्य और संगीत तक सीमित नहीं था, बल्कि वे एक महान शिक्षाविद और दार्शनिक भी थे। उन्होंने शांतिनिकेतन की स्थापना इस उद्देश्य से की कि शिक्षा प्रकृति के सान्निध्य में दी जाए और विद्यार्थियों को स्वतंत्र रूप से सोचने और सीखने का अवसर मिले।

बोधकथा

जीवन की सीख- जब एक छिपकली कर सकती है, तो हम क्यों नहीं?

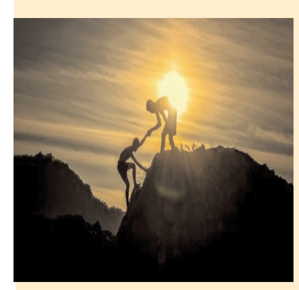

यह जापान में घटी, एक सच्ची घटना है। अपने घर का नवीनीकरण करने के लिये, एक जापानी अपने मकान की दीवारों को तोड़ रहा था। जापान में लकड़ी की दीवारों के बीच ख़ाली जगह होती हैं, यानी दीवारें अंदर से पोली होती हैं । जब वह लकड़ी की दीवारों को चीर-तोड़ रहा था, तभी उसने देखा कि दीवार के अंदर की तरफ लकड़ी पर एक छिपकली, बाहर से उसके पैर पर ठुकी कील के कारण, एक ही जगह पर जमी पड़ी है। जब उसने यह दृश्य देखा तो उसे बहुत दया आई पर साथ ही वह जिज्ञासु भी हो गया। जब उसने आगे जाँच की तो पाया कि वह कील तो उसके मकान बनते समय पाँच साल पहले ठोंका गई थी! एक छिपकली इस स्थिति में पाँच साल तक जीवित थी! दीवार के अँधेरे पार्टीशन के बीच, बिना हिले-डुले ? यह अविश्वसनीय, असंभव और चौंका देने वाला था! उसकी समझ से यह परे था कि एक छिपकली, जिसका एक पैर, एक ही स्थान पर पिछले पाँच साल से कील के कारण चिपका हुआ था और जो अपनी जगह से एक इंच भी न हिली थी, वह कैसे जीवित रह सकती है ? अब उसने यह देखने के लिये कि वह छिपकली अब तक क्या करती रही है।

तीर तेवर — सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

झालमूड़ी का जलवा

डॉ मुकेश गर्ग असीमित

हरियाणा याद है आपको? वहाँ जलेबी का जलवा था। जलेबी ने वहाँ राजनीति को गोल-गोल घुमा दिया था। जो सुबह तक चाशनी में डूबे हुए थे, शाम तक उन्हीं को चक्कर आने लगे। तब पता चला कि राजनीति और जलेबी में एक अद्भुत समानता है,दोनों बाहर से मीठी दिखती हैं, भीतर से गोलमाल और टेढ़ी-मेढ़ी होती हैं। अब बंगाल में झालमूड़ी का जलवा है। जलेबी में मिठास थी, झालमूड़ी में मिर्च है। जलेबी खाने वाले 'मीठा है' कहकर अघा चुके थे। झालमूड़ी खाने वालों की हालत गजब की है,खा भी रहे हैं, खाँस भी रहे हैं, और बीच-बीच में मसाले को संदिग्ध भी बता रहे हैं। कुछ भी हो, दस रुपए की झालमूड़ी को जलवा बनाने में विपक्ष का हाथ ज्यादा रहा।

अब तो हाल यह है कि रसगुल्ला अलग से बयान जारी कर रहा है, 'मैं बंगाल की सांस्कृतिक शान हूँ।' लड्डू प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहा है, 'भाई, हर जश्न में मेरी उपस्थिति अनिवार्य होती है।' पर झालमूड़ी ने दोनों को एक ही पुड़िया में समेटते हुए बयान दे दिया, 'पीएम की चॉइस मैं हूँ।'

यही हमारी चुनावी अध्यात्म परंपरा है। जीत जाएँ तो जनता जनार्दन। हार जाएँ तो जनता बहक गई। जीत जाएँ तो मशीन निष्पक्ष। हार जाएँ तो मशीन के भीतर चिप नहीं, चरित्र दोष है। जीत जाएँ तो आयोग संवैधानिक संस्था। हार जाएँ तो आयोग सत्ता का सरकारी हलवाई, जो चाशनी और मिर्च आदेशानुसार डालता है।

बंगाल की झालमूड़ी में इस बार मुरमुरे कम और मिर्च ज्यादा पड़ गई है। कई लोगों के चेहरे पर वही भाव है, जो झालमूड़ी खाते समय अचानक साबुत हरी मिर्च दाँत के नीचे आ जाने पर आता है। न निगलते बन रहा है, न उगलते। बस आँखों में पानी है और मुँह से निकल रहा है, 'यह परिणाम नहीं, प्रबंध है।'

लोकतंत्र बेचारा कोने में बैठा मुस्करा रहा है। उसे पता है कि भारत में लोकतंत्र परिणाम से नहीं, परिणाम के पक्ष से परिभाषित होता है। जिसकी थाली में जलेबी आती है, वह मिठास की व्याख्या करता है। जिसकी पुड़िया में झालमूड़ी आती है, वह मिर्च को जनादेश बताता है। और जिसके मुँह में दोनों में से कुछ नहीं आता, वह प्रेस कॉन्फ्रेंस करता है। वह अपनी हार के कारणों को रिफ्रेश करके जनता के आगे परोसता है।

शाम तक नौटंकी पूरी हो जाएगी। स्टूडियो में विशेषज्ञ आएँगे। कुछ कहेंगे, 'यह जनता का मूड है।' कुछ कहेंगे, 'यह सब स्क्रिप्टेड हैबंगाल बता रहा है,झालमूड़ी छोटी पुड़िया में छुपी रुस्तम जैसी , उसकी मिर्च बड़े-बड़ों को चुप करा देती है।

मोरल ऑफ द स्टोरी यह है कि राजनीति में कभी निराश नहीं होना चाहिए। जब दस रुपए की झालमूड़ी स्टार बन सकती है, तो फिर कोई भी स्टार बन सकता है।।' कुछ कहेंगे, 'यह लोकतंत्र का उत्सव है।' और कुछ धीरे से पानी पीकर कहेंगे, 'मिर्च बहुत तेज है, फिलहाल चुप रहना ही बेहतर है।'

कुल मिलाकर देश ने राजनीति का नया खाद्य-दर्शन खोज लिया है। हरियाणा ने सिखाया,जलेबी गोल होती है, पर परिणाम सीधा भी आ सकता है।

इतिहास

6 मई का इतिहास वैज्ञानिक उपलब्धियों, ऐतिहासिक फैसलों और प्रसिद्ध व्यक्तियों के जन्मदिन के लिए जाना जाता है। 1981 में आज ही के दिन एलन शेफर्ड अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले पहले अमेरिकी बने। इसके अलावा, 1945 में नाजी नियंत्रण से हॉलैंड और डेनमार्क की मुक्ति, 1904 में ई. गोल्डस्टीन द्वारा कैनाल किरणों की खोज और 1935 में जेसी ओवेन्स द्वारा लांग जंप का रिकॉर्ड बनाना आज के दिन की प्रमुख घटनाएं हैं।6 मई की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएं:अंतरिक्ष यात्रा (1981): एलन शेफर्ड जूनियर ने 'फ्रीडम 7' अंतरिक्ष यान में 15 मिनट की सबऑर्बिटल उड़ान भरी, जिससे वे अंतरिक्ष में जाने वाले पहले अमेरिकी बन गए।द्वितीय विश्व युद्ध (1945): नाजी नियंत्रण से हॉलैंड और डेनमार्क को मुक्त करा लिया गया। वैज्ञानिक खोज (1904): ई. गोल्डस्टीन ने कैनाल किरणों (canal rays) की खोज की।

मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार में तेजी, बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई। मजबूत वैश्विक संकेतों से भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुला। सुबह 9:18 पर सेंसेक्स 440 अंक या 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,458 और निफ्टी 142 अंक या 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,175 पर था।

शुरुआती कारोबार में बाजार की तेजी का नेतृत्व बैंकिंग शेयर कर रहे थे। निफ्टी बैंक 707 अंक या 1.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 55,254 पर था।

सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस, निफ्टी मेटल, निफ्टी सर्विसेज और निफ्टी कंजप्शन गेनर्स थे। हालांकि, निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी एनर्जी लाल निशान में थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी देखी गई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 558 अंक या 0.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 60,832 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 157 अंक या 0.86 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,339 पर था।

सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, इंडिगो, एसबीआई, इटरनल, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, टेक महिंद्रा, टीसीएस, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, बीईएल, इन्फोसिस, अदाणी पोर्ट्स और एचसीएल टेक गेनर्स थे। एलएंडटी, एचयूएल, पावर ग्रिड, आईटीसी और एनटीपीसी लूजर्स थे।

ज्यादातर एशियाई बाजार तेजी के साथ खुले थे। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता हरे निशान में थे। अमेरिकी शेयर बाजार मंगलवार को हरे निशान में बंद हुए थे।

भारत के साथ वैश्विक बाजारों के बढ़ने की वजह अमेरिका की ओर से 'फ्रीडम प्रोजेक्ट' को रोकना है, जिससे ईरान के साथ तनाव कम होने के संकेत मिले हैं।

ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से यह ऑपरेशन रोकने की अपील की गई थी। ईरान के साथ समझौते को लेकर बात आगे बढ़ी है। इस कारण यह फैसला लिया गया है।विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को इक्विटी में 3,621.58 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने इक्विटी में 2,602.62 करोड़ रुपए का निवेश किया।

मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिर नीति भारत को उभरते हुए बाजारों में रखती है आगे : मूडीज

नई दिल्ली । दुनिया की बड़ी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी में से एक मूडीज ने भारत को दुनिया के अन्य उभरते हुए बाजारों में सबसे ऊपर स्थान किया है और कहा कि मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और स्थिर नीति देश को अन्य अर्थव्यवस्था की अपेक्षा आगे रखती है।

मूडीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि भारत वैश्विक झटकों को झेलने के लिए अन्य उभरते हुए देशों की तुलना में काफी अच्छी स्थिति में है।

रिपोर्ट में आगे बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था के तीन मजबूत स्तंभ हैं, जिसमें बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार, स्थिर नीति और बड़ा घरेलू पूंजीगत बाजार शामिल हैं। ये तीनों कारक मिलकर बाहरी फंडिंग पर निर्भरता को कम करते हैं।

मूडीज की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 से उभरते बाजारों को बार-बार कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है।

इसमें कोविड-19 महामारी, फिर वैश्विक स्तर पर महंगाई में तेल उछाल, उसके बाद 2022 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि, 2023 में क्षेत्रीय बैंकिंग संकट और 2025 में नए सिरे से लागू किए गए टैरिफ शामिल हैं।

इन सभी परिस्थितियों में, मूडीज ने पाया कि भारत ने फंडिंग लागत में तीव्र वृद्धि या पूंजी बाजारों तक पहुंच में कमी के बिना उथल-पुथल का सामना किया, जो कि कई अन्य देशों के मुकाबले बड़ी उपलब्धि साबित हुई।

इसके अलावा, रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत का मौद्रिक नीति ढांचा स्पष्ट और सुसंगत बना हुआ है, महंगाई की उम्मीदें स्थिर हैं और विनिमय दर को जरूरत पड़ने पर समायोजित किया जा सकता है। यह संयोजन बाहरी परिस्थितियों के बिगड़ने पर भी निवेशकों का विश्वास बनाए रखता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत भविष्य में वैश्विक तनाव के किसी भी दौर में न केवल मजबूत, बल्कि सुलभ सुरक्षा उपायों के साथ प्रवेश करेगा। यह अंतर तब महत्वपूर्ण हो जाता है ।

भारत और यूरोपीय संघ ने शुरू की 169 करोड़ रुपए की ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग पहल, प्रस्ताव 15 सितंबर तक आमंत्रित

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ ने स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को मजबूत करते हुए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरियों की रीसाइक्लिंग के लिए तीसरी संयुक्त पहल शुरू की है। यह पहल भारत-ईयू ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल (टीटीसी) के तहत शुरू की गई है।

यह कार्यक्रम ग्रीन और क्लीन एनर्जी टेक्नोलॉजी से जुड़े वर्किंग ग्रुप-2 का हिस्सा है, जिसमें प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 तय की गई है।

इस संयुक्त कार्यक्रम के लिए करीब 169 करोड़ रुपए का फंड रखा गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य ईवी सेक्टर की एक बड़ी चुनौती—बैटरियों की सुरक्षित रीसाइक्लिंग और जरूरी कच्चे माल की रिकवरी—को हल करना है।

इस योजना के तहत फंडिंग का एक हिस्सा यूरोपीय संघ के 'होराइजन यूरोप' प्रोग्राम से आएगा, जबकि भारत में घरेलू भागीदारी को भारी उद्योग मंत्रालय समर्थन देगा।

इस पहल का मकसद आधुनिक रीसाइक्लिंग तकनीकों में नवाचार को बढ़ावा देना है, खासकर लिथियम, ग्रेफाइट और कोबाल्ट जैसे कीमती पदार्थों को ज्यादा प्रभावी तरीके से निकालने पर ध्यान दिया जाएगा।

इसके साथ ही सुरक्षित और डिजिटल सिस्टम के जरिए बैटरियों के कलेक्शन को बेहतर बनाने और नई तकनीकों के परीक्षण के लिए पायलट प्रोजेक्ट्स को भी प्राथमिकता दी जाएगी।

इस योजना की एक खास बात यह है कि देश में भारत-ईयू का एक संयुक्त पायलट प्रोजेक्ट स्थापित किया जाएगा, जहां नई तकनीकों का वास्तविक परिस्थितियों में परीक्षण किया जा सकेगा और उन्हें तेजी से उद्योग में लागू किया जा सकेगा।

यह कार्यक्रम उच्च रिकवरी दर हासिल करने, अलग-अलग प्रकार की बैटरियों को संभालने, लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने और सुरक्षा मानकों को मजबूत करने पर फोकस करेगा। साथ ही बैटरियों के दोबारा उपयोग (सेकंड लाइफ) को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

इन प्रयासों से सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा मिलेगा और जरूरी खनिजों के आयात पर निर्भरता कम होगी।

भारत सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद ने इसे भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते ईवी बाजार के साथ मजबूत रीसाइक्लिंग सिस्टम बनाना जरूरी है।

भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने कहा कि बैटरियां वैश्विक हरित बदलाव का अहम हिस्सा हैं ।

बढ़ती लागत के बावजूद भी वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में मजबूत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की वृद्धि दर : फिक्की

नई दिल्ली। बढ़ती लागत के बावजूद भी वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में भारत की मैन्युफैक्चरिंग वृद्धि दर मजबूत रहने की उम्मीद है। यह जानकारी बड़े और लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) पर किए गए फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के एक सर्वेक्षण में दी गई।

फिक्की के सर्वेक्षण में बताया गया कि उद्योग चौथी तिमाही में भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निरंतर वृद्धि के प्रति आशावादी बने हुए हैं।

सर्वेक्षण में वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में लगभग 93 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने उत्पादन में वृद्धि या समान स्तर दर्ज किया। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में यह आंकड़ा 91 प्रतिशत पर था।

घरेलू मांग में भी यह सकारात्मकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी, क्योंकि 89 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने पिछली तिमाही की तुलना में वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में ऑर्डर में वृद्धि या समान वृद्धि की उम्मीद जताई।

यह सर्वेक्षण 69वां संस्करण है, जिसमें ऑटोमोटिव और ऑटो कंपोनेंट्स, पूंजीगत सामान, रसायन, उर्वरक और फार्मास्यूटिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल, मशीन टूल्स, धातु और धातु उत्पाद, वस्त्र, परिधान और तकनीकी वस्त्र तथा विविध क्षेत्रों के आठ प्रमुख निर्माताओं के प्रदर्शन और बाजार की राय का आकलन जनवरी-मार्च 2025-26 की चौथी तिमाही के लिए किया गया है। इसमें बड़े और लघु एवं मध्यम उद्यम (एसएमई) दोनों ही क्षेत्रों की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स से प्रतिक्रियाएं प्राप्त की गई हैं, जिनका कुल वार्षिक कारोबार 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

सर्वेक्षण में बताया गया कि इस तिमाही में केवल क्षमता उपयोग में मामूली गिरावट देखने को मिली है, जो कि कम होकर 72 प्रतिशत पर आ गई है। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बने रहना है, जिसमें टैरिफ, व्यापार से जुड़ा बाधाएं, आर्थिक अस्थिरता शामिल हैं। इससे अलावा, कच्चे माल की कमी, नियामक चुनौतियों और श्रम की अनुपलब्धता के कारण परिचालन के मोर्चे पर चुनौतियां बनी हुआ है।

सर्वेक्षण के मुताबिक, क्षमता उपयोग ऑटोमोटिव और ऑटो कंपोनेंट्स सेक्टर में 75.7 प्रतिशत, कैपिटल गुड्स में 69 प्रतिशत, रसायन, उर्वरक और फार्मास्यूटिकल्स में 75 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल में 68 प्रतिशत, मशीन टूल्स में 70 प्रतिशत, धातु और धातु उत्पाद में 76 प्रतिशत, विविध में 65 प्रतिशत और वस्त्र, परिधान और तकनीकी वस्त्र में 76.4 प्रतिशत बना हुआ है।

डॉलर इंडेक्स में कमजोरी का असर! सोना और चांदी करीब 2.70 प्रतिशत तक उछले

मुंबई। डॉलर इंडेक्स में कमजोरी के चलते सोना और चांदी बुधवार को तेजी के साथ खुले और शुरुआती कारोबार में दोनों कीमती धातुओं में करीब 2.70 प्रतिशत तक की मजबूती देखने को मिली।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 जून 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,49,753 रुपए के मुकाबले 2,247 रुपए या 1.5 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,52,000 रुपए पर खुला।

सुबह 9:47 पर सोना 2,085 रुपए या 1.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,51,838 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,182 रुपए का उच्चतम स्तर और 1,51,653 रुपए का न्यूनतम स्तर छुआ है।

चांदी का 3 जुलाई, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,44,316 रुपए के मुकाबले 5,000 रुपए या 2.04 प्रतिशत के उछाल के साथ 2,49,316 रुपए पर खुला।

खबर लिखे जाने तक यह 6,584 रुपए या 2.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,50,900 रुपए पर थी।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,49,316 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,52,000 रुपए का उच्चतम स्तर बनाया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में तेजी देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 1.92 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,656 डॉलर प्रति औंस और चांदी 3.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 76.12 डॉलर प्रति औंस पर थी।

सोने और चांदी में तेजी की एक वजह डॉलर इंडेक्स में कमजोरी को माना जा रहा है, जो कि 0.17 प्रतिशत कमजोर होकर 98.14 पर आ गया है।

डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी मुद्रा डॉलर की दुनिया की छह बड़ी मुद्राओं- यूरो, जापानी येन, पाउंड स्टर्लिंग, कैनेडियन डॉलर, स्वीडिश क्रोना और स्विस फ्रैंक- के मुकाबले स्थिति को दिखाता है।

आमतौर पर जब भी डॉलर इंडेक्स कमजोर होता है तो सोने और चांदी जैसी कीमती धातुओं में मजबूती देखी जा रही है।

डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने से भारतीय रुपए में मजबूती देखी जा रही है और यह डॉलर के मुकाबले करीब 11 पैसे या 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 95.07 पर था।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता की उम्मीदों के चलते शेयर बाजार में छाई हरियाली, सेंसेक्स और निफ्टी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त

मुंबई। अमेरिकी-ईरान शांति समझौते की उम्मीदों के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते बुधवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुए। दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंतिम कारोबारी सत्र में घरेलू बाजार ने जबरदस्त तेजी दिखाई और प्रमुख बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 940.73 अंकों यानी 1.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,958.52 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 298.15 अंकों (1.24 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 24,330.95 पर पहुंच गया।

दिन के दौरान, सेंसेक्स 77,424.36 पर खुलकर 78,022.78 का इंट्रा-डे हाई बनाया तो वहीं निफ्टी 24,171 पर खुलकर 24,356.50 का हाई बनाया।

बाजार में यह तेजी एक रिपोर्ट के बाद आया जिसमें कहा गया था कि अमेरिका और ईरान मध्य पूर्व संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब हैं, जिससे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई थी।

व्यापक बाजारों ने इस तेजी को समर्थन दिया, जिसमें निफ्टी स्मॉलकैप 100 और निफ्टी मिडकैप 100 सूचकांकों ने क्रमश: 1.93 प्रतिशत और 1.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन किया।

वहीं निफ्टी एफएमसीजी (0.26 प्रतिशत की गिरावट) को छोड़कर सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में कारोबार करते नजर आए, जिसमें निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी फार्मा इंडेक्स में 2 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। वहीं निफ्टी मीडिया, निफ्टी मेटल और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में 1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली।

भारत का सर्विसेज पीएमआई अप्रैल में पांच महीनों के उच्चतम स्तर 58.8 पर रहा

नई दिल्ली। भारत के सर्विसेज सेक्टर में गतिविधियां मजबूत बनी हुई है और इससे सर्विसेज पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) अप्रैल में पांच महीनों के उच्चतम स्तर 58.8 पर पहुंच गया है। यह नवंबर 2025 के बाद सबसे अच्छा पीएमआई आंकड़ा है। यह जानकारी बुधवार को जारी हुए एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई डेटा में दी गई।

इससे पहले मार्च में एचएसबीसी सर्विसेज पीएमआई डेटा 57.5 पर रहा।

सर्वेक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने कहा कि नए बिजनेस में बीते पांच महीनों में सबसे तेज गति से वृद्धि हुई है और इसे प्रतिस्पर्धी कीमतों, ई-कॉमर्स गतिविधियों और रीलोकेशन एवं लॉजिस्टिक्स सर्विसेज की मजबूत मांग का फायदा मिल रहा है।

एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'नए निर्यात ऑर्डर में कमी आने के बावजूद गतिविधियां और नए ऑर्डर मजबूत हुए हैं, जिससे संकेत मिलता है कि मध्य पूर्व संघर्ष के बीच मांग विदेशी बाजारों से घरेलू उपभोक्ताओं की ओर स्थानांतरित हो रही है।'

लागत के मोर्चे पर, इनपुट मूल्य मुद्रास्फीति मार्च से थोड़ी कम हुई है।

उच्च लागत दबाव के बावजूद, आउटपुट मूल्य मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत कम रही, जिससे संकेत मिलता है कि कुछ फर्मों ने बढ़ी हुई लागत को ग्राहकों पर डालने के बजाय स्वयं वहन किया।

हालांकि, सर्विस कंपनियां आगामी वर्ष के लिए आशावादी बनी हुई है, क्योंकि उन्हें मजबूत मांग, विपणन पहलों और ग्राहकों की बढ़ती पूछताछ से उम्मीद है। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव और लागत दबावों को लेकर चिंताओं के कारण माहौल में थोड़ी नरमी आई।इस बीच, पूरे क्षेत्र में भर्ती गतिविधियों में तेजी आई, कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अल्पकालिक कर्मचारियों और कनिष्ठ स्तर के श्रमिकों को नियुक्त किया। व्यापक स्तर पर, भारत के निजी क्षेत्र की गतिविधियों ने भी अप्रैल में गति पकड़ी, जिससे एचएसबीसी कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स मार्च के 57 से बढ़कर 58.2 हो गया।

क्या डायबिटीज के मरीजों के लिए गन्ने का जूस पीना फायदेमंद? डाइटिशियन से जान लीजिए

गर्मियों के मौसम में ठंडा-ठंडा गन्ने का जूस पीकर बड़ी राहत मिलती है. अक्सर सड़क किनारे गन्ने का जूस आसानी से मिल जाता है और लोग इसका जमकर आनंद लेते हैं. गन्ने का जूस स्वादिष्ट होता है और इसे पीने से शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है. गन्ने का जूस शरीर को ठंडक देता है और इसे पीकर लोग तरोताजा महसूस करते हैं. अधिकतर लोग गन्ने का जूस मजे से पीते हैं, लेकिन जब बात डायबिटीज के मरीजों की आती है, तो जेहन में कई सवाल आने लगते हैं. क्या गन्ने का जूस शुगर के मरीजों के लिए सुरक्षित है? इस बारे में एक्सपर्ट से हकीकत जान लेते हैं.

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की सीनियर डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने बताया गन्ने के जूस में नेचुरल शुगर होती है, जिससे यह शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देता है. इस जूस में आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और कुछ एंटीऑक्सीडेंट भी पाए जाते हैं, जो सामान्य लोगों के लिए फायदेमंद हो सकते हैं. हालांकि डायबिटीज के मरीजों के लिए इसकी नेचुरल शुगर समस्या बन सकती है, क्योंकि यह ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकती है. गन्ने के जूस का ग्लाइसेमिक इंडेक्स थोड़ा ज्यादा होता है. यह खून में शुगर को तेजी से बढ़ा सकता है. जिन लोगों का शुगर लेवल अनकंट्रोल है, उन्हें गन्ने का जूस अवॉइड करना चाहिए.

एक्सपर्ट के मुताबिक डायबिटीज के जिन मरीजों का शुगर लेवल कंट्रोल में है, वे कम मात्रा में कभी-कभीर गन्ने का जूस पी सकते हैं. इससे शुगर लेवल में अचानक उछाल नहीं आएगा. इसके अलावा बाजार में मिलने वाले गन्ने के जूस की साफ-सफाई भी एक बड़ा मुद्दा है. कई बार जूस बनाने में इस्तेमाल होने वाला पानी या मशीन साफ नहीं होती, जिससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है. डायबिटीज के मरीजों की इम्यूनिटी पहले से कमजोर हो सकती है, इसलिए उन्हें बाहर का जूस पीने में सावधानी बरतनी चाहिए.

डाइटिशियन की सलाह यही है कि डायबिटीज के मरीज गन्ने के जूस को नियमित डाइट का हिस्सा न बनाएं. अगर पीना हो तो बहुत सीमित मात्रा में और डॉक्टर की सलाह से ही लें. डायबिटीज के मरीज गन्ने के जूस की जगह ऐसी ड्रिंक्स पी सकते हैं, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में मदद करें. शुगर के मरीज बिना चीनी वाला नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी, ग्रीन टी और बिना चीनी की हर्बल टी पी सकते हैं. इसके अलावा सब्जियों का जूस जैसे करेला, टमाटर या खीरा जूस भी फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इनमें शुगर कम होती है और पोषक तत्व भरपूर होते हैं.

जब बाल मन में 'लक्ष्मण रेखा' से बैठा डर, 'सीता हरण' अध्याय से जुड़ी रवींद्रनाथ टैगोर की वह कहानी

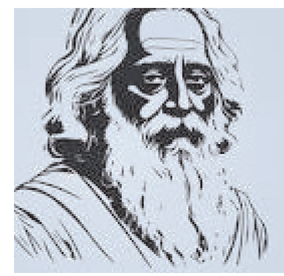

राजसी ठाट-बाट और शानो-शौकत वाला एक अमीर खानदान। बंगाल के सबसे बड़े शहर कोलकाता में उस ठाकुर खानदान का रुतबा था। दूर-दूर तक लोग इस परिवार की चर्चा किया करते थे। इसी खानदान में जब देवेंद्रनाथ ठाकुर और सारदा देवी की 14वीं संतान के रूप में बेटा आया, तो किसी ने नहीं सोचा था कि सारी दुनिया में एक दिन उसके नाम का डंका बजेगा। बात हो रही है रवींद्रनाथ टैगोर की।

7 मई 1861 को जोड़ासाको के महलनुमा घर में रवींद्रनाथ ने पहली बार दुनिया को अपनी आंखों से देखा। रवींद्रनाथ दौलतमंद पिता की 14वीं संतान थे और मां सारदा की तबीयत अक्सर खराब रहती थी। जाहिर है कि लालन-पालन नौकरों के हाथ हुआ था।

वह इतने नटखट थे कि घर के नौकर भी तंग आ चुके थे। रवींद्रनाथ की हरकतों को बांधने के लिए रामायण के 'सीता हरण' की कहानी सुनाई गई और उन्हें एक चौक से घेरा बनाकर उसके भीतर खड़ा कर दिया गया। उन्हें नौकर कहते थे कि अगर इस घेरे से बाहर निकले तो रावण उठाकर ले जाएगा। उस बाल मन पर उसका गहरा असर पड़ा।

उन्होंने बहुत बाद में अपने बचपन के बारे में लिखा, 'हम नौकर शासन में जिए। हमारे मन को बिल्कुल जकड़ दिया गया था। हमारे नौकर श्याम ने लक्ष्मण रेखा से बाहर निकलने पर चेतावनी दी थी कि घेरे से बाहर निकलते ही बड़ी मुसीबत होगी। मैं मन ही मन उस विपत्ति से डरता रहा।

उनके बचपन का एक किस्सा यह भी है कि स्कूल जाने की जिद पर एक टीचर ने उनकी जमकर पिटाई की थी। उस दौर में परिवार की परंपरा के अनुसार, छोटे बच्चों को घर पर पढ़ाने के लिए शिक्षक आया करते थे। लेकिन अपने बड़े भाई की तरह उन्होंने भी स्कूल जाने की जिद पकड़ ली। इस पर मास्टरजी ने जमकर पिटाई कर दी थी। इस बाल मन पर यह अजीब-सा अनुभव था। हालांकि, जब वे थोड़े बड़े हुए तो उनका दाखिला एक बड़े स्कूल में करा दिया गया। मगर मन नहीं लगने के कारण उन्होंने अनेक स्कूल बदल दिए थे।

एक तरीके से प्रकृति प्रेम और कविता साहित्य उनके खून में था। एक बार पिता के साथ हिमालय की यात्रा ने उसे और तराशा। 12 साल की उम्र में रवींद्र ने एक लंबी कविता 'अभिलाषा' लिखी, जो उस समय की 'तत्व बोधिनी पत्रिका' में छपी। 1875 में रवींद्र ने स्कूल जाना छोड़ दिया। 14 साल की उम्र में उन्होंने एक और कविता लिखी, जिसका नाम था 'वन फूल', जो 1,600 पंक्तियों की थी। यह कविता 'ज्ञानांकुर' पत्रिका में छपी। उसी उम्र में उन्होंने देशभक्ति की एक कविता लिखी, जिसने काफी सुर्खियां बंटोरी थी।

1880 के दौर में जब इंग्लैड से रवींद्र लौटकर आए थे, दिल का सूनापन साथ था। वे 17-16 साल की उम्र में अपने भाई के साथ इंग्लैड गए थे। रवींद्रनाथ टैगोर के प्रपौत्र सुप्रिय टैगोर ने एक इंटरव्यू में कहा, 'जब रवींद्रनाथ सोलह-सत्रह साल के हुए तब मंझले दादा (रवींद्र के भाई) के साथ पढ़ने के लिए विलायत भेज दिया गया, शायद बैरिस्टर बनाने के लिए, लेकिन रवींद्रनाथ ने दूसरा रास्ता चुन लिया। वहां वे आयरिश संगीत सीखने लगे और बाद में वाल्मीकि प्रतिभा नृत्य नाट्य में उसी आयरिश संगीत का इस्तेमाल किया।

भारत लौटने पर अकेलापन उनसे सहा नहीं जा रहा था। हालांकि, उस समय तन्हा रवींद्र ने उदास गीतों का एक संसार रच दिया, जो बाद में 'संध्या संगीत' के नाम से छपा। इसके अलावा, संगीत नाटक 'वाल्मिकी प्रतिभा' और 'काल मृग' रवींद्रनाथ की कलम से निकले। उन्होंने अट्ठारह साल की उम्र में गीति नाट्य 'भग्न हृदय' लिखा। इसके बाद उन्होंने अपना पहला उपन्यास 'छोटी रानी का हाट' लिखा। इसे काफी लोकप्रियता मिली। बंगाल के साहित्य प्रेमियों के लिए उन्होंने 'निर्झरेर स्वप्न भंग' लिखी, जो कभी न भूलने वाली एक रचना बनी। इस तरह उनका लिखना तेज रफ्तार से जारी रहा।

ग्राउंड-लेवल ओजोन: दिल्ली की नई प्रदूषण समस्या और इसका आपके स्वास्थ्य पर असर

दिल्ली की जहरीली हवा इन दिनों पहले से कुछ साफ दिख सकती है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ी और कम नजर आने वाली समस्या छिपी हो सकती है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जहां राजधानी में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड का स्तर धीरे-धीरे कम हुआ है, वहीं कम चर्चा में रहने वाला प्रदूषक—ओजोन—अब तेजी से उभर रहा है।

यह चिंताजनक रुझान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के लंबे समय के आंकड़ों पर आधारित एक नए पब्लिक डैशबोर्ड से सामने आया है। इसके अनुसार, दिल्ली में औसत वार्षिक ओजोन स्तर 2021 में 52 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से बढ़कर 2025 में 66 हो गया है। इससे भी ज्यादा अहम है ओजोन-प्रधान दिनों की संख्या में बढ़ोतरी।

हालांकि, दिल्ली अभी भी पार्टिकुलेट प्रदूषण की समस्या से पूरी तरह बाहर नहीं निकली है।

PM2.5 और PM10 का स्तर अब भी सुरक्षित सीमा से काफी ऊपर रहता है, खासकर सर्दियों में। फर्क सिर्फ इतना है कि प्रदूषण का स्वरूप बदल रहा है। कुछ प्रदूषकों में कमी के बीच ओजोन एक नई चुनौती के रूप में उभर रहा है।

गुड ओजोन बनाम बैड ओजोन

ओजोन को आमतौर पर अच्छा माना जाता है, क्योंकि ऊपरी वायुमंडल में मौजूद ओजोन परत हमें हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाती है। लेकिन दिल्ली में जो बढ़ रहा है, वह ग्राउंड-लेवल ओजोन है।

जमीन के पास ओजोन सीधे उत्सर्जित नहीं होता, बल्कि यह तब बनता है जब सूर्य की रोशनी नाइट्रोजन ऑक्साइड्स और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के बीच रासायनिक प्रतिक्रिया को तेज करती है।

यही वजह है कि ओजोन का स्तर मौसम और धूप पर काफी निर्भर करता है। आंकड़े बताते हैं कि जहां सर्दियों में पार्टिकुलेट प्रदूषण बढ़ता है, वहीं गर्मियों—खासकर मई में—तेज धूप के कारण ओजोन का स्तर बढ़ जाता है। यानी साफ आसमान और तेज धूप के साथ भी ओजोन का स्तर ऊंचा हो सकता है।

दो मौसमों की कहानी

दिल्ली का प्रदूषण अब दो हिस्सों में बंटा नजर आता है।

अक्टूबर से फरवरी के बीच ठहरी हुई हवा प्रदूषकों को फंसा देती है, जिससे PM2.5 और PM10 का स्तर खतरनाक हो जाता है। मानसून के दौरान बारिश और हवा इन कणों को कम कर देती है और थोड़ी राहत मिलती है। लेकिन गर्मियों की कहानी अलग है। तेज गर्मी और धूप के कारण ओजोन का स्तर बढ़ने लगता है, भले ही पार्टिकुलेट प्रदूषण अपेक्षाकृत कम हो।

दिल्ली से आगे, व्यापक रुझान

यह समस्या सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं है। एनसीआर और आसपास के शहरों—जैसे मेरठ, नोएडा और मुजफ्फरनगर—में भी पिछले कुछ वर्षों में ओजोन स्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कुछ स्थानों, जैसे भरतपुर, में यह स्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है। हालांकि हर जगह स्थिति एक जैसी नहीं है।

'कूड़ेदान में फेंक देना चाहिए था': सबरीमला पीआईएल पर CJI की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट बेंच की टिप्पणी समझिए

सबरीमला समीक्षा संदर्भ की सुनवाई के दौरान, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 2006 की मूल जनहित याचिका पर तीखी टिप्पणियां कीं।

बेंच ने कहा कि यह याचिका, जिसके कारण 2018 का ऐतिहासिक फैसला आया, उसे शुरुआत में ही 'कूड़ेदान में फेंक देना चाहिए था।' जानिए पूरी बात।

जजों ने क्या कहा

नौ-न्यायाधीशों की बेंच 2018 के उस फैसले से जुड़े कई कानूनी सवालों की समीक्षा कर रही थी, जिसमें सभी आयु वर्ग की महिलाओं को सबरीमला मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हमने इस तरह के दस्तावेजों के आधार पर पीआईएल को स्वीकार कर लिया, जिन्हें सीधे कूड़ेदान में फेंक देना चाहिए था।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, 'पीआईएल दाखिल करने के लिए लेख लिखवाना आसान है... हमें यह अच्छी तरह पता है।'

न्यायमूर्ति एमएम सुंद्रेश ने मूल याचिका को 'कानूनी प्रक्रिया का स्पष्ट दुरुपयोग' बताया।

यह सुनवाई धार्मिक स्वतंत्रता और विभिन्न धर्मों की मूल धार्मिक प्रथाओं में अदालतों के हस्तक्षेप की सीमा से जुड़े व्यापक संदर्भ का हिस्सा है।

अदालत ने चिंता क्यों जताई

अदालत ने इस बात पर गंभीर चिंता जताई कि मूल पीआईएल को किस तरह स्वीकार किया गया था। इसमें कई मुद्दे सामने आए:

सीजेआई ने कहा कि पीआईएल 'समाचारों' और अखबारों की रिपोर्ट पर आधारित थी, न कि सत्यापित सामग्री या मंदिर की प्रथाओं के प्रत्यक्ष ज्ञान पर।

बेंच ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन की स्थिति पर भी सवाल उठाए और कहा कि उस समय संगठन का अध्यक्ष 'सिर्फ नाम के लिए' था, जिसे मंदिर या मुद्दे की खास जानकारी नहीं थी। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि पीआईएल अब 'पब्लिसिटी इंटरेस्ट, पर्सनल इंटरेस्ट, पैसा इंटरेस्ट और पॉलिटिकल इंटरेस्ट' मुकदमों में बदलती जा रही हैं।

याचिकाकर्ताओं ने एक पुजारी के कथित दुराचार पर आधारित खबर को पीआईएल का आधार बताया था। अदालत ने कहा कि यदि दुराचार हुआ था, तो कानून के तहत मुकदमा चलना चाहिए था, न कि सदियों पुरानी धार्मिक परंपराओं को चुनौती देने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए था।

सबरीमला समीक्षा संदर्भ क्या है?

सबरीमला समीक्षा संदर्भ एक ऐतिहासिक कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट की नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ धार्मिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के बीच मूल संबंध की जांच कर रही है। हालांकि इसकी शुरुआत 2018 के फैसले की समीक्षा के रूप में हुई थी, जिसमें महिलाओं को मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी गई थी, लेकिन अदालत ने इसका दायरा बढ़ाकर कई बड़े संवैधानिक सवालों को शामिल कर लिया।

2019 में, मूल सबरीमला फैसले के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई करते हुए, पांच-न्यायाधीशों की पीठ (3:2 के बहुमत से) ने माना कि यह मामला 'व्यापक' मुद्दे उठाता है।

उनका मानना था कि सबरीमला पर कोई भी फैसला अन्य लंबित मामलों को प्रभावित करेगा, जैसे मस्जिदों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा, पारसी महिलाओं (जो समुदाय से बाहर शादी करती हैं) के फायर टेम्पल में प्रवेश का अधिकार, और दाऊदी बोहरा समुदाय में महिला जननांग विकृति की वैधता।

क्या समीक्षा हो रही है?

सीजेआई सूर्यकांत (मई 2026 तक) की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की पीठ फिलहाल कई प्रमुख मुद्दों पर विचार कर रही है:

न्यायिक समीक्षा: अदालत 'आवश्यक धार्मिक प्रथाओं' की जांच किस सीमा तक कर सकती है?

संवैधानिक नैतिकता: संविधान में 'नैतिकता' का मतलब सामान्य सामाजिक नैतिकता है या विशेष संवैधानिक नैतिक ।

जेट्टी से लेकर 2 फ्लोटिंग ड्राई डॉक तक: गुजरात में 1,570 करोड़ रुपये की हाई-टेक शिप रिपेयर फैसिलिटी को मिली सरकारी मंजूरी

सरकार ने गुजरात के वाडिनार में अत्याधुनिक शिप रिपेयर फैसिलिटी के विकास को मंजूरी दे दी है, जिस पर 1,570 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस परियोजना को दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड मिलकर लागू करेंगे।

इस संबंध में फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिया गया।

इस परियोजना की खासियत क्या है?

इस हाई-टेक फैसिलिटी में 650 मीटर लंबी जेट्टी बनाई जाएगी, जहां बड़े जहाज आसानी से लग सकेंगे। इसके अलावा जहाजों की मरम्मत और मेंटेनेंस के लिए दो बड़े फ्लोटिंग ड्राई डॉक भी होंगे। पूरी प्रक्रिया को तेज और सुरक्षित बनाने के लिए आधुनिक वर्कशॉप और अन्य जरूरी समुद्री ढांचे विकसित किए जाएंगे।

वाडिनार को क्यों चुना गया?

वाडिनार की सबसे बड़ी ताकत इसका स्थान है। यहां समुद्र गहरा है, जिससे बड़े जहाजों का आना-जाना आसान होता है। यह प्रमुख शिपिंग रूट्स के करीब है और मुंद्रा व कांडला जैसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों के पास स्थित है। इसी वजह से वाडिनार को शिप रिपेयर हब के लिए सबसे उपयुक्त स्थान माना गया है।

देश को क्या फायदा होगा?

इस परियोजना के जरिए भारत में 300 मीटर तक लंबे जहाजों की मरम्मत संभव हो सकेगी। फिलहाल ऐसे जहाजों को मरम्मत के लिए विदेश भेजना पड़ता है, जिससे समय और लागत दोनों ज्यादा लगते हैं। नई फैसिलिटी से पैसे की बचत होगी और देश आत्मनिर्भर बनेगा।

उद्योग और रोजगार को कैसे मिलेगा बढ़ावा?

इस परियोजना से करीब 290 लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा, जबकि 1,100 से ज्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से काम मिलेगा। आसपास के क्षेत्रों में छोटे व्यवसाय, सप्लाई चेन और मरीन सेवाएं भी बढ़ेंगी, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

हाई-टेक शिप रिपेयर हब क्या होता है?

हाई-टेक शिप रिपेयर हब एक आधुनिक केंद्र होता है, जहां बड़े जहाजों की मरम्मत, मेंटेनेंस और अपग्रेड किया जाता है। इसमें उन्नत मशीनें, फ्लोटिंग ड्राई डॉक, ऑटोमेशन सिस्टम और कुशल तकनीशियन होते हैं। यहां जहाजों की जांच, इंजन मरम्मत, पेंटिंग और ढांचे की मरम्मत जैसे काम तेजी और सुरक्षित तरीके से किए जाते हैं।

भारत में पहले से कोच्चि, मुंबई, विशाखापत्तनम और चेन्नई जैसे बंदरगाहों पर प्रमुख शिप रिपेयर सुविधाएं मौजूद हैं। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और अन्य सरकारी व निजी कंपनियां इन सेवाओं का संचालन करती हैं। हालांकि, वाडिनार में बनने वाला नया हब तकनीक और क्षमता के लिहाज से एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जो भारत को वैश्विक शिप रिपेयर बाजार में मजबूत पहचान दिला सकता है।

प्रोजेक्ट 17 के अंदर: नीलगिरी से महेंद्रगिरि तक, भारत कैसे देश में ही बना रहा है नेक्स्ट-जेन युद्धपोत

आईएनएस महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल कर लिया गया है। भारत के युद्धपोतों में यह नया शामिल होना इस बात का संकेत है कि देश समुद्री शक्ति को लेकर अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर रहा है। ऐसे समय में जब हिंद महासागर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है, नौसेनाओं की मौजूदगी का विस्तार हो रहा है और अहम व्यापारिक मार्गों पर नजर रखी जा रही है, तब उन्नत और स्वदेश में बने युद्धपोतों को शामिल करने की क्षमता रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। महेंद्रगिरि इस बात का संकेत है कि भारत का नौसैनिक आधुनिकीकरण अब घरेलू क्षमता से मजबूती से जुड़ चुका है।

मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में बना आईएनएस महेंद्रगिरि एक बड़े और सुव्यवस्थित कार्यक्रम—प्रोजेक्ट 17—का हिस्सा है, जो यह तय कर रहा है कि भारत जटिल नौसैनिक संपत्तियों को कैसे डिजाइन, निर्माण और तैनात करता है। मॉड्यूलर निर्माण तकनीक, उच्च स्वदेशीकरण और उन्नत हथियार प्रणालियों के एकीकरण के साथ यह परियोजना भारत के रक्षा औद्योगिक ढांचे की परिपक्वता को दर्शाती है।

प्रोजेक्ट 17 क्या है?

प्रोजेक्ट 17 भारतीय नौसेना का कार्यक्रम है, जिसके तहत नीलगिरी-क्लास नाम की नई स्टील्थ गाइडेड-

मिसाइल फ्रिगेट्स बनाई जा रही हैं। यह पहले के शिवालिक-क्लास (प्रोजेक्ट 17) का उन्नत संस्करण है, लेकिन डिजाइन, स्टील्थ फीचर्स और ऑटोमेशन के मामले में काफी आगे है।

इसकी खास बात यह है कि इन युद्धपोतों का डिजाइन भारत में ही नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया है, न कि विदेशी ब्लूप्रिंट पर आधारित है। यह परियोजना रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें अधिकांश उपकरण देश में ही बनाए या स्रोत किए जा रहे हैं। इससे बड़े रक्षा उद्योगों से लेकर एमएसएमई तक भारतीय सप्लायर्स का एक मजबूत नेटवर्क भी विकसित हुआ है।

प्रोजेक्ट 17 के तहत बनने वाले युद्धपोत

प्रोजेक्ट 17 के तहत कुल सात स्टील्थ फ्रिगेट बनाए जा रहे हैं, जिनका निर्माण दो प्रमुख शिपयार्ड—मुंबई के मझगांव डॉक और कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स—में हो रहा है। ये सात युद्धपोत हैं—आईएनएस नीलगिरी, आईएनएस हिमगिरि, आईएनएस उदयगिरि, आईएनएस दुनागिरि, आईएनएस तरागिरि, आईएनएस विंध्यगिरि और आईएनएस महेंद्रगिरि। इनमें आईएनएस महेंद्रगिरि हाल ही में शामिल होने वाले युद्धपोतों में से एक है।

ये युद्धपोत लगभग 6,600-6,700 टन वजनी हैं, करीब 150 मीटर लंबे हैं और इन्हें ब्लू-वॉटर ऑपरेशंस के लिए तैयार किया गया है। यानी ये भारतीय तटों से दूर भी लंबे समय तक मिशन चला सकते हैं, जैसे एस्कॉर्ट ड्यूटी या संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों में स्वतंत्र तैनाती।

प्रोजेक्ट 17 की सबसे बड़ी खासियतों में से एक मॉड्यूलर निर्माण तकनीक है। इसमें जहाज को पारंपरिक तरीके से एक-एक करके बनाने के बजाय अलग-अलग हिस्सों को एक साथ तैयार किया जाता है और बाद में उन्हें जोड़ा जाता है। इससे निर्माण समय कम होता है, सटीकता बढ़ती है और गुणवत्ता बेहतर होती है।

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर, 'ट्रेंड नहीं, बल्कि मजबूत कहानियों पर मेरा फोकस'

मुंबई। मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।

सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।''

उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं।

बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आज़ादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जा रहा है।

एकता कपूर ने की धर्मेंद्र, जितेंद्र और अक्षय कुमार की तारीफ, कहा- इन्हीं कलाकारों ने जिंदा रखा फिल्म इंडस्ट्री का कारोबार

मुंबई। हिंदी सिनेमा में कई ऐसे सितारे हैं, जिन्होंने वर्षों तक लगातार काम करके इंडस्ट्री को मजबूत बनाए रखा है। इसी मुद्दे पर अब टीवी और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र, अपने पिता जितेंद्र और अभिनेता अक्षय कुमार की जमकर सराहना की। साथ ही, उन्होंने इस बड़े सवाल का भी जवाब दिया कि 'अक्षय कुमार एक साल में इतनी ज्यादा फिल्में क्यों करते हैं?'

एकता कपूर ने इंस्टाग्राम पर कुछ खास तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें उनके पिता जितेंद्र और अक्षय कुमार नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों अभिनेता एक साथ बैठे हुए हैं और क्रीम-कलर के आउटफिट में दिख रहे हैं। तस्वीर में दोनों आपस में बात करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी तस्वीर में एकता कपूर एक इंवेट में अक्षय कुमार के साथ मुस्कुराते हुए तस्वीर खिंचवा रही हैं।

इन तस्वीरों के साथ एकता कपूर ने कैप्शन में लिखा, ''पापा और अक्षय सर की यह तस्वीर मुझे यह याद दिलाती है कि अनुशासन इंसान को कितना आगे ले जा सकता है। जब भी मैं अक्षय कुमार से बात करती हूं, तो मुझे अपने पिता जितेंद्र की झलक दिखाई देती है। दोनों का काम करने का तरीका, सोच और व्यवहार काफी हद तक एक जैसा है।एकता कपूर ने कहा, ''इन दोनों की सबसे बड़ी खासियत उनका अनुशासन और काम के प्रति ईमानदारी है। ये न सिर्फ अपने काम को गंभीरता से लेते हैं, बल्कि निर्माता की सोच और विश्वास का भी पूरा सम्मान करते हैं। यह भरोसा और सम्मान ही फिल्म इंडस्ट्री को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।''

उन्होंने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को सिर्फ बड़े और चुनिंदा प्रोजेक्ट्स से नहीं चलाया जा सकता। अगर कोई कलाकार साल में सिर्फ एक या दो फिल्में करता है, तो उससे इंडस्ट्री का एक हिस्सा ही चलता है। लेकिन जब कलाकार लगातार काम करते हैं, तो इससे छोटे-बड़े सभी निर्माताओं को मौका मिलता है और पूरी इंडस्ट्री को फायदा होता है। यही वजह है कि जितेंद्र और अक्षय कुमार जैसे कलाकार इंडस्ट्री के लिए बेहद जरूरी हैं।एकता कपूर ने कहा, ''इन कलाकारों के आर्थिक योगदान की अक्सर सही तरह से सराहना नहीं होती। ये वही लोग हैं, जिन्होंने अपने काम के जरिए फिल्म इंडस्ट्री के व्यापार को जिंदा रखा है। इनकी मेहनत और निरंतरता ने यह सुनिश्चित किया है कि सिनेमा का कारोबार लगातार चलता रहे।

वाटर सप्लाई बंद होने से तनुश्री दत्ता आहत, बोलीं- नाना पाटेकर पर मीटू आरोप के बाद बदला लोगों का व्यवहार

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तनुश्री दत्ता एक बार फिर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने साथ हो रही परेशानियों को लेकर सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने अपने घर, बिल्डिंग सोसायटी और कुछ लोगों के व्यवहार पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि 2018 में नाना पाटेकर पर लगाए गए आरोपों के बाद कुछ लोगों का व्यवहार उनके प्रति बदल गया, जिसमें पूर्व पुलिस अधिकारी दया नायक का नाम भी शामिल है। तनुश्री ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए कहा, ''मैं मुंबई के ओशिवारा इलाके की एक हाउसिंग सोसायटी में पिछले लगभग 19 सालों से रह रही हूं। पिछले दो महीनों से मेरे किचन का पानी पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, जिससे मुझे रोजमर्रा के कामों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।''

उन्होंने आगे बताया, ''पिछले एक साल से बार-बार प्लंबिंग के नाम पर अलग-अलग लोग मेरे घर भेजे जा रहे थे। हर बार यह कहा जाता था कि किचन में पाइप लीक हो रहा है और उसे ठीक करना जरूरी है। हालांकि, हर बार काम पूरा होने की बात कहकर मामला खत्म कर दिया जाता था, लेकिन कुछ समय बाद फिर वही प्रक्रिया दोहराई जाती थी। इससे मुझे शक होने लगा कि कुछ सही नहीं हो रहा है।''

तनुश्री ने कहा, ''इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी समस्या यह थी कि हर बार नया स्टाफ आता था। इससे मुझे यह समझना मुश्किल होता था कि पहले क्या काम हुआ और अब क्या किया जा रहा है।

'हर वक्त फैसले लेना थका देता है', मीरा राजपूत ने महिलाओं के मानसिक सुकून पर कही दिल की बात

मुंबई। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी-कभी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें।

मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, ''अपने माता-पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता।''

वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, ''काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है।''

मीरा ने कहा, ''महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, ''महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है।

मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा, ''समय-समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है। अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं।

उन्होंने कहा, ''जीवन के छोटे-छोटे पल ही असली खुशी देते हैं। जैसे बच्चों को खेलते हुए देखना, माता-पिता के साथ बिना किसी काम के समय बिताना, उनके साथ टहलना या हंसना, ये सभी चीजें हमें अंदर से खुश करती हैं।

'सिस्टम' में न्याय के लिए एकजुट होंगी सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका, फिल्म 22 मई को ओटीटी पर देगी दस्तक

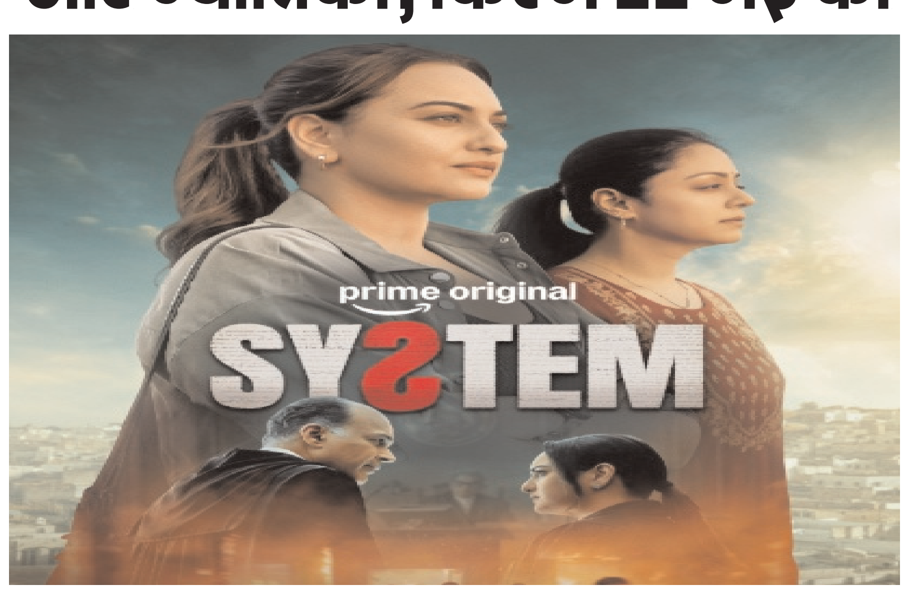

मुंबई। आज के समय में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऐसी फिल्मों की मांग बढ़ गई है, जो समाज के असली मुद्दों को दिखाती हों। इसी कड़ी में अब एक नई फिल्म 'सिस्टम' सामने आने वाली है, जो कानून, न्याय और सत्ता के बीच चलने वाली खींचतान को दिखाएगी। यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दो अलग-अलग दुनिया की महिलाएं एक साथ आकर सच को सामने लाने की कोशिश करती हैं।

फिल्म 'सिस्टम' 22 मई 2026 को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। यह एक लीगल ड्रामा फिल्म है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे एक ताकतवर सरकारी वकील और एक साधारण स्टेनोग्राफर मिलकर उन सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करते हैं, जिन्हें लंबे समय से दबाया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जहां उन्हें यह तय करना पड़ता है कि वे सत्ता का साथ दें या सही का।

इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश नाम की पब्लिक प्रॉसिक्यूटर का किरदार निभाया है, जो अपने काम में बहुत मजबूत और आत्मविश्वासी है। वहीं ज्योतिका सरिका रावत के रोल में नजर आएंगी, जो एक साधारण परिवार से आने वाली कोर्ट स्टेनोग्राफर है। दोनों की सोच, परवरिश और जिंदगी बिल्कुल अलग है, लेकिन जब बात न्याय की आती है तो वे एक साथ खड़ी होती हैं। फिल्म में इन दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे मजबूत होता हुआ दिखाया जाएगा।

फिल्म के प्रोड्यूसर हरमन बावेजा ने कहा, '''सिस्टम' दो ऐसी महिलाओं की कहानी है, जो अपने-अपने तरीके से न्याय को समझती हैं और उसे पाने के लिए संघर्ष करती हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर जैसे कलाकारों ने अपने अभिनय से इस कहानी को और भी प्रभावशाली बना दिया है।''

फिल्म का निर्देशन अश्विनी अय्यर तिवारी ने किया है। फिल्म में प्रीति अग्रवाल, आदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

वहीं प्राइम वीडियो और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज इंडिया में ओरिजिनल कंटेंट के प्रमुख निखिल मधोक ने भी फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'सिस्टम' एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को शुरुआत से अंत तक बांधे रखेगी।

इसमें महत्वाकांक्षा, न्याय और नैतिकता जैसे विषयों को बहुत ही दिलचस्प तरीके से दिखाया गया है। मेरा मानना है कि यह फिल्म हर मोड़ पर दर्शकों को चौंकाएगी और उन्हें सोचने पर मजबूर करेगी।' 'सिस्टम' 22 मई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

'सोल्जर' के दिनों को याद कर इमोशनल हुईं डिंपल गर्ल, बॉबी देओल के साथ शेयर किया मजेदार किस्सा

मुंबई। बॉलीवुड की 'डिंपल गर्ल' प्रीति जिंटा भले ही शादी करके फिल्मों से दूर हो गई हैं, लेकिन फिल्म इंडस्ट्री के अपने पुराने दोस्तों के साथ उनका रिश्ता आज भी उतना ही मजबूत है। बुधवार को प्रीति ने अपने सबसे खास दोस्त और अभिनेता बॉबी देओल के साथ यादों को सोशल मीडिया पर शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'सोल्जर' के एक सीन का वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो के बैकग्राउंड में फिल्म का सदाबहार गाना 'महफिल में बार-बार' बज रहा है, जिसे कुमार सानू और अलका यागनिक ने अपनी आवाज दी थी। इस पोस्ट के जरिए प्रीति ने उन दिनों की यादें ताजा कीं, जब उन्होंने और बॉबी ने साथ में काम किया था।

प्रीति ने अपनी पोस्ट में बॉबी देओल को टैग करते हुए एक मजेदार किस्सा शेयर किया। उन्होंने लिखा कि कैसे वह बॉबी देओल और उनकी पत्नी तान्या देओल के हनीमून के दौरान उनके साथ मौजूद थीं। प्रीति ने मजाकिया लहजे में लिखा, 'देखो बॉबी, मुझे क्या मिला। मैं तुम्हारी हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी कि तुमने ऑस्ट्रेलिया में मेरे पहले आउटडोर शूट को इतना मजेदार बनाया और हां, तुम्हारे हनीमून पर थर्ड व्हील बनकर मुझे बहुत मजा आया। बॉबी देओल ने 30 मई 1996 को तान्या आहूजा से शादी की थी। तान्या एक बड़े बिजनेस घराने से ताल्लुक रखती हैं और उनका अपना फर्नीचर बिजनेस 'द गुड अर्थ' है। हालांकि, दोनों की शादी के बाद फिल्म 'सोल्जर' की शूटिंग होनी थी। अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित सुपरहिट हिंदी एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'सोल्जर' साल 1998 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में बॉबी देओल और प्रीति जिंटा मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म अपने सस्पेंस, गानों और जबरदस्त एक्शन के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें एक फौजी के बेटे (बॉबी देओल) द्वारा अपने पिता की बदनामी का बदला लेने की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में बॉबी देओल और प्रीति जिंटा के अलावा, राखी गुलजार, सुरेश ओबेरॉय, और दलीप ताहिल जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में थे।

अमेरिका में फिर शुरू होगा पुराना 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम, ट्रंप ने की घोषणा

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक पुराने 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट' कार्यक्रम को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम पहले अमेरिकी स्कूलों में बच्चों की शारीरिक फिटनेस जांचने के लिए चलाया जाता था, लेकिन बराक ओबामा सरकार के दौरान इसे बंद कर दिया गया था।

व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप ने खिलाड़ियों, अधिकारियों और बच्चों के साथ मिलकर युवाओं में फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देने की बात कही। इस कार्यक्रम में मशहूर गोल्फ ब्रायसन डीचैम्ब्यू, गोल्फर गैरी प्लेयर और पूर्व एनएचएल खिलाड़ी टी. जे. ओशी जैसे पेशेवर एथलीट भी शामिल हुए।

ट्रंप ने कहा, 'आज मैंने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें राष्ट्रीय युवा खेल और फिटनेस को मान्यता दी गई है। साथ ही, मैंने नए और फिर से शुरू किए गए 'प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट अवार्ड' की पहली प्रति पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह एक ऐसा प्रमाणपत्र है जो शारीरिक फिटनेस के 'गोल्ड स्टैंडर्ड' (सर्वोच्च मानक) को हासिल करने की उपलब्धि को मान्यता देता है।'

यह कार्यक्रम जॉन एफ. केनेडी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान शुरू किया गया था। 2013 में एक नया कार्यक्रम आने से पहले यह लंबे समय तक अमेरिकी स्कूलों का एक अहम हिस्सा रहा था।

ट्रंप ने अपने भाषण में खेल प्रतियोगिता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा अमेरिका की पहचान है और देश को आगे बनाए रखने के लिए जरूरी है।

स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा, 'अब हम दुनिया के सबसे ज्यादा बीमार देशों में से एक बन गए हैं। हमारे बच्चों में मोटापे का स्तर 5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। 70 प्रतिशत वयस्क मोटे या ज़्यादा वज़न वाले हैं और 77 प्रतिशत बच्चे सैन्य सेवा के लिए जरूरी शारीरिक मानकों को पूरा नहीं कर पाते हैं।

केनेडी ने अपने अंकल, राष्ट्रपति कैनेडी के कार्यकाल में शुरू किए गए मूल कार्यक्रम की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक ऐसी यादगार और अहम रस्म थी, जिसे मेरी पीढ़ी का हर व्यक्ति आज भी याद करता है।'

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि युवाओं की शारीरिक फिटनेस सीधे सेना की तैयारी से जुड़ी हुई है। उन्होंने चिंता जताई कि लगभग तीन-चौथाई अमेरिकी युवा सेना में भर्ती होने के योग्य नहीं हैं।

प्रेसिडेंशियल फिटनेस टेस्ट को शीत युद्ध के दौर में राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया गया था, जब यूरोपीय युवाओं की तुलना में अमेरिकी युवाओं की शारीरिक तैयारी को लेकर चिंताएं बढ़ रही थीं। इस टेस्ट में आम तौर पर पुल-अप्स, सिट-अप्स, शटल रन और सहनशक्ति वाले व्यायाम शामिल होते थे और सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाते थे।

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भारत समेत कई देशों में बच्चों के बीच बढ़ते मोटापे, मोबाइल और स्क्रीन की लत तथा कोविड महामारी के बाद कम हुई शारीरिक गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ रही है।

भारत-अल्जीरिया संयुक्त आयोग की पहली बैठक, रक्षा सहयोग के विस्तार पर सहमति

नई दिल्ली । भारत और अल्जीरिया ने सैन्य प्रशिक्षण, सैन्य अभ्यास, चिकित्सा और रक्षा उद्योगों जैसे क्षेत्रों में आपसी सहयोग को मजबूत करेंगे। दोनों देशों ने रक्षा सहयोग के विस्तार पर सहमति जताई। यह सहमति भारत व अल्जीरिया के संयुक्त आयोग की पहली बैठक में सामने आई।

यह बैठक 5 मई को नई दिल्ली में आयोजित हुई। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को नई गति देने के उद्देश्य से आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-अल्जीरिया रक्षा सहयोग के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए 'रूल्स ऑफ प्रोसीजर' पर हस्ताक्षर किए हैं। आपसी सहमति से तैयार किया गया यह ढांचा भविष्य में संयुक्त आयोग की बैठकों और सहयोगी गतिविधियों के संचालन के लिए मार्गदर्शक के रूप में कार्य करेगा। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत की ओर से संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और अल्जीरिया की नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल क़ैद नूर उद्दीन ने की।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल में तीनों सेनाओं, मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ, रक्षा उत्पादन विभाग, डीआरडीओ, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा और विदेश मंत्रालय के अधिकारी शामिल रहे। भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा संबंधों के लिए 2024 में रक्षा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बाद से उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस समझौते के बाद दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय दौरों ने सहयोग को और मजबूत किया है।

अल्जीरियाई नौसेना प्रमुख का यह मौजूदा दौरा द्विपक्षीय रक्षा संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। बैठक से पहले मेजर जनरल क़ैद नूर उद्दीन ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। अपने भारत यात्रा के दौरान अल्जीरिया से आया विशेष प्रतिनिधिमंडल भारत के रक्षा उद्योगों के साथ संवाद भी करेगा। यह बैठक भारत और अल्जीरिया के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग को और सुदृढ़ करने तथा भविष्य में नए आयाम जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पूर्वी तुर्किस्तान के निर्वासित नेताओं ने यूएन में चीन को 'औपनिवेशिक शक्ति' घोषित करने की लगाई गुहार

वाशिंगटन, । ईस्ट तुर्किस्तान गवर्नमेंट-इन-एक्साइल (ईटीजीई) ने यूनाइटेड नेशंस स्पेशल कमिटी ऑन डीकोलोनाइजेशन (सी-24) के सामने एक याचिका दी है, जिसमें महासभा से अपील की गई है कि वह पूर्वी तुर्किस्तान पर चीन को 'औपनिवेशिक शक्ति' घोषित करे।

ईटीजीई और ईस्ट तुर्किस्तान नेशनल मूवमेंट (ईटीएनएम) ने मंगलवार को मिलकर 25 पेज की याचिका जमा की है, जिसमें कहा गया है, 'औपनिवेशवाद का दौर खत्म नहीं हुआ है। इस पर कानून बनाया जा रहा है।'

याचिका में ईस्ट तुर्किस्तान, जिसे चीन का शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र भी कहा जाता है, को 'गैर-स्वशासी क्षेत्र' के तौर पर दर्ज करने की मांग की गई है।

ईटीजीई के मुताबिक, इस तरह के कदम से एक बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय ढांचा बनेगा, जो यूएन को पूर्वी तुर्किस्तान को आत्मनिर्णय के रास्ते की ओर बढ़ाएगा । निर्वासित अधिकारियों ने कहा कि किसी भी देश या इकाई ने कभी भी किसी यूएन बॉडी के सामने चीन को 'औपनिवेशिक शक्ति' के तौर पर आधिकारिक तौर पर चुनौती नहीं दी है।

ईटीजीई के राष्ट्रपति ममतिमिन अला ने कहा, 'अस्सी से ज्यादा देशों ने डीकॉलोनाइजेशन फ्रेमवर्क के जरिए स्वतंत्रता हासिल की। ??आज, पूर्वी तुर्किस्तान के लोग आधिकारिक तौर पर संयुक्त राष्ट्र के सामने उसी अधिकार का दावा करते हैं।' यह कहते हुए कि वैश्विक एजेंसियों में मानवाधिकार का मौजूदा सिस्टम फेल हो गया है।' निर्वासित जनों ने आगे कहा, 'शिनजियांग में उइगर, कजाख, किर्गिज और दूसरे तुर्क लोगों के 'नरसंहार' को इस महीने 13 साल हो जाएंगे।'

निर्वासित जीवन जी रहे इन लोगों ने चीनी अधिकारियों द्वारा 'बड़े पैमाने पर कथित नजरबंदी, ऑर्गन हार्वेस्टिंग, नसबंदी, और लगभग दस लाख बच्चों को उनके परिवारों से अलग करने' का दावा किया।

इसमें यह भी कहा गया कि 'कब्जे वाले इलाके' के लिए चीन के अपने पांच साल के प्लान में 2021 और 2025 के बीच 13.75 मिलियन जबरदस्ती लेबर ट्रांसफर का अनुमान लगाया गया है।

ईटीजीई के विदेश मंत्री सालिह हुदयार ने कहा, 'नरसंहार जारी है और इसकी जड़ पूर्वी तुर्किस्तान पर चीनी कब्जे के कारण है। उपनिवेशवाद का उन्मूलन और हमारी आजादी की बहाली ही हमारे लोगों के बचने की एकमात्र गारंटी है।

अमेरिका-इजरायल की कार्रवाई 'अवैध', चीन ने किया ईरान का समर्थन

बीजिंग । चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की सैन्य कार्रवाई को 'अवैध' करार देते हुए क्षेत्र में तत्काल संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है।

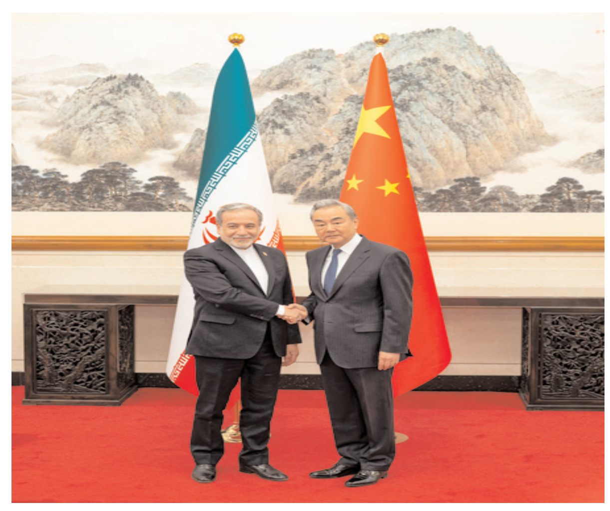

चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, वांग यी ने बीजिंग में अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ बैठक के दौरान कहा कि पश्चिम एशिया 'निर्णायक मोड़' पर खड़ा है और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए व्यापक युद्धविराम 'अनिवार्य' है।

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, वांग ने तनाव कम करने के प्रयासों के प्रति चीन की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि दोनों पक्षों के बीच सीधी बातचीत ही समाधान का रास्ता है।

वहीं, अराघची ने चीन के 'दृढ़ रुख' की सराहना करते हुए कहा कि अमेरिका-इजरायल की कार्रवाई की निंदा करने में बीजिंग की भूमिका अहम रही है। उन्होंने यह भी कहा कि तेहरान और बीजिंग के बीच सहयोग पहले से अधिक मजबूत होगा।

यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं। तो दूसरी ओर, अमेरिका के राष्ट्रपति ने प्रोजेक्ट फ्रीडम पर फिलहाल रोक लगा दी है।

उन्होंने मंगलवार शाम सोशल पोस्ट में कहा कि यह फैसला पाकिस्तान और अन्य देशों के अनुरोध पर लिया गया है, साथ ही ईरान के साथ संभावित शांति समझौते की दिशा में हो रही प्रगति को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' को 'कुछ समय के लिए रोका जा रहा है, ताकि यह देखा जा सके कि क्या ईरान के साथ अंतिम समझौता पूरा किया जा सकता है।' हालांकि, अमेरिका द्वारा ईरानी बंदरगाहों पर लगाया गया दबाव और नाकाबंदी फिलहाल जारी रहेगी।

यह अभियान सोमवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे हुए वाणिज्यिक जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने के लिए शुरू किया गया था, जो हालिया तनाव के कारण समुद्री यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इसे मानवता के लिए जरूरी करार दिया था लेकिन मंगलवार रात फिर बंद कर दिया गया।

स्पेन सरकार ने हंटावायरस से संक्रमित क्रूज जहाज को कैनरी आइलैंड्स में प्रवेश की दी अनुमति

मैड्रिड । स्पेन सरकार ने अंतरराष्ट्रीय नियमों और मानवीय मूल्यों को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़ा बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कहा है कि वह एक संक्रमित जहाज एमवी होंडियस को अपने क्षेत्र में प्रवेश की अनुमति देगी, जो फिलहाल केप वर्डे के पास मौजूद है।

यह एक क्रूज वेसल है, जिस पर यात्रा के दौरान हंटावायरस संक्रमण के मामले सामने आए हैं। इसी वजह से हालात को गंभीर माना जा रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य एजेंसियां इसमें शामिल हो गई हैं।

इस पूरे मामले में विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूरोपीय संघ ने मिलकर स्पेन सरकार से अनुरोध किया कि जहाज को सुरक्षित रूप से कैनरी आइलैंड्स में लाया जाए। साथ ही यूरोपियन सेंटर फॉर डिजीज प्रिवेंशन एंड कंट्रोल इस पूरी स्थिति की बारीकी से जांच कर रहा है, ताकि यह तय किया जा सके कि किन लोगों को तुरंत मेडिकल इवैक्यूएशन की जरूरत है।

जानकारी के अनुसार, जहाज पर मौजूद कुछ यात्रियों और क्रू मेंबर्स को पहले ही केप वर्डे में मेडिकल जांच के बाद अलग किया जा रहा है, जबकि बाकी लोग अगले तीन से चार दिनों में कैनरी आइलैंड्स पहुंचेंगे। अभी तक यह तय नहीं हुआ है कि जहाज किस बंदरगाह पर रुकेगा।

स्पेन सरकार ने कहा है कि जब सभी लोग वहां पहुंचेंगे, तो उनकी मेडिकल जांच की जाएगी और उन्हें विशेष व्यवस्था वाले स्थानों पर रखा जाएगा। पूरी प्रक्रिया इस तरह से होगी कि स्थानीय लोगों के संपर्क से पूरी तरह बचा जा सके, ताकि संक्रमण फैलने का कोई खतरा न रहे।

डच सरकार के अनुरोध पर जहाज पर मौजूद एक गंभीर रूप से बीमार डॉक्टर को भी स्पेन लाया जाएगा। उसे एयर एम्बुलेंस के जरिए कैनरी आइलैंड्स पहुंचाया जाएगा। इसके अलावा दो क्रू मेंबर्स और एक अन्य व्यक्ति (शनिवार को मृत यात्री से जुड़ा) को नीदरलैंड्स में मेडिकल इलाज के लिए भेजा जाएगा।

चीन की पुरुष आइस हॉकी टीम ने विश्व चैंपियनशिप के डिवीजन में रजत पदक जीता

बीजिंग । 5 मई को आयोजित 2026 अंतर्राष्ट्रीय आइस हॉकी महासंघ (आईआईएचएफ) पुरुष विश्व चैंपियनशिप के डिवीजन आई-बी के अंतिम दौर के मुकाबलों में मेजबान टीम चीन ने एस्टोनिया को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 (कुल मिलाकर 4-3) से हराकर रजत पदक जीता। 2001 में आईआईएचएफ द्वारा नई डिवीजन प्रणाली लागू किए जाने के बाद से विश्व चैंपियनशिप में चीन की पुरुष आइस हॉकी टीम का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

पिछले कुछ वर्षों में चीनी पुरुष आइस हॉकी टीम के प्रदर्शन पर नजर डालें तो, टीम लंबे समय तक विश्व चैंपियनशिप के द्वितीय डिवीजन में ही बनी रही। 2022 में द्वितीय डिवीजन ए ग्रुप चैंपियनशिप जीतकर और पदोन्नति हासिल करने के बाद, टीम ने 2023 में प्रथम डिवीजन बी में तीसरा स्थान प्राप्त किया। अगले दो वर्षों में, चीनी टीम उस ग्रुप में चौथे स्थान पर रही। इस टूर्नामेंट में रजत पदक जीतना टीम के लिए एक नई सफलता है।

चीनी आइस हॉकी संघ की महासचिव तुआन च्युफांग ने कहा कि टीम की ऐतिहासिक सफलता के मुख्य रूप से तीन कारक हैं: पहला, राष्ट्रीय टीम का टीम निर्माण के प्रति अधिक खुला दृष्टिकोण, जिसके तहत विदेशों में विकसित हो रहे चीनी खिलाड़ियों को व्यापक रूप से शामिल किया गया; दूसरा, घरेलू पुरुष पेशेवर आइस हॉकी लीग की स्थापना, जिसने खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धा और प्रशिक्षण के लिए एक स्थिर मंच प्रदान किया; और तीसरा, संघ, स्थानीय टीमों, क्लबों और अन्य पक्षों के संयुक्त प्रयासों ने चीनी पुरुष आइस हॉकी के तीव्र विकास को बढ़ावा दिया।

मई दिवस की छुट्टियों में चीन में सीमा-पार यात्राओं में बढ़ोतरी, 112 अरब से अधिक लोगों की आवाजाही

बीजिंग । चीनी राष्ट्रीय आव्रजन प्रशासन ने जानकारी दी कि इस वर्ष मई दिवस की छुट्टियों, यानी 1 से 5 मई के दौरान, देश भर के सीमा निरीक्षण अधिकारियों ने चीनी और विदेशी नागरिकों की कुल 112.79 अरब प्रवेश और निकास यात्राओं का प्रबंधन किया। प्रतिदिन औसतन 22 लाख 56 हजार यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 3.5 प्रतिशत अधिक है।

प्रशासन के अनुसार, 2 मई को एक दिन में सबसे अधिक आवाजाही दर्ज की गई। उस दिन प्रवेश और निकास यात्रियों की संख्या 25 लाख 29 हजार तक पहुंच गई। आंकड़ों के मुताबिक, पांच दिवसीय छुट्टियों के दौरान चीन आने और जाने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या 12 लाख 55 हजार रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 12.5 प्रतिशत अधिक है। इन विदेशी यात्रियों में 4 लाख 36 हजार लोग वीजा-मुक्त प्रवेश के पात्र थे। यह संख्या पिछले वर्ष की मई दिवस छुट्टियों की तुलना में 14.7 प्रतिशत ज्यादा रही।

इसके अलावा, छुट्टियों के दौरान कुल 5 लाख 31 हजार आने-जाने वाले परिवहन साधनों का निरीक्षण किया गया, जो पिछले वर्ष 1 से 5 मई की अवधि की तुलना में 16.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

डल झील के एक हाउसबोट में ठहरे अमेरिकी पर्यटक की मौत

श्रीनगर । कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध डल लेक में एक हाउसबोट पर ठहरे अमेरिका के एक पर्यटक की बुधवार को मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, 83 वर्षीय जॉन डेविड एंडरसन को सीने में बेचैनी की शिकायत के बाद तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एंडरसन अपनी पत्नी जुडिथ एनी मैकार्थी के साथ हाउसबोट में ठहरे हुए थे।

पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए मौत के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

कश्मीर में हाउसबोट पर्यटन का एक प्रमुख आकर्षण है। डल झील और निगीन झील में स्थित ये हाउसबोट लकड़ी से बने आलीशान तैरते आवास होते हैं, जिनमें आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ स्थानीय खानपान और व्यक्तिगत सेवा की व्यवस्था होती है।

मैदानी इलाकों में गर्मी बढ़ने के साथ ही कश्मीर में देश-विदेश से पर्यटकों की आमद में तेजी आई है। हालांकि, 22 अप्रैल 2025 को बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले के बाद पर्यटन को बड़ा झटका लगा था, जिसमें 25 सैलानियों और एक स्थानीय टट्टू वाले समेत 26 लोगों की मौत हुई थी। इस हमले के पीछे पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हाथ था।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले का जवाब ऑपरेशन सिंदूर से दिया। इसके तहत पाकिस्तान के अंदर लाहौर के पास मुरीदके, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के बहावलपुर और मुजफ्फराबाद में आतंकी ढांचों को ध्वस्त किया गया। इसके चार दिन बाद 10 मई को ही पाकिस्तान के अनुरोध पर संघर्षविराम की घोषणा कर दी गई थी।

इस बीच, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पर्यटन को पुनर्जीवित करने के लिए कई प्रयास किए। उन्होंने पहलगाम में कैबिनेट बैठक आयोजित की और पर्यटकों में विश्वास बहाल करने के लिए साइकिल यात्रा भी की।

पर्यटन विभाग और स्थानीय लोगों के सहयोग से किए गए इन प्रयासों का सकारात्मक असर देखने को मिला है, और बड़ी संख्या में पर्यटक फिर से कश्मीर का रुख कर रहे हैं।

हिमंता बिस्वा सरमा ने दिया इस्तीफा, नई सरकार के गठन तक रहेंगे कार्यवाहक मुख्यमंत्री

दिसपुर। असम विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों की औपचारिक अधिसूचना जारी होने के बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

उन्होंने मंत्रिपरिषद के साथ मिलकर अपना इस्तीफा राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को सौंपा, जिसे राज्यपाल ने स्वीकार कर लिया है। साथ ही, राज्यपाल ने उनसे नई सरकार के गठन तक कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभाने का अनुरोध किया है।

इस बीच, चुनाव परिणामों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने जोरदार जीत दर्ज की है। 126 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 82 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। कांग्रेस को केवल 19 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जबकि क्षेत्रीय दलों में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) और असम गण परिषद (एजीपी) ने 10-10 सीटें जीतीं।

अन्य दलों में ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और रायजोर दल को 2-2 सीटें मिलीं, जबकि ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 1 सीट के साथ अपना खाता खोला। इस प्रचंड जीत के साथ भाजपा लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाने की ओर बढ़ रही है, जिससे राज्य में उसकी राजनीतिक पकड़ और मजबूत हुई है।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पूरे राज्य में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच जश्न का माहौल देखा गया। पार्टी नेताओं ने इस जनादेश को सरकार की विकास नीतियों और सुशासन पर जनता के भरोसे का परिणाम बताया।

अब अगला कदम भाजपा विधायक दल की बैठक का होगा, जिसमें नए नेता का चयन किया जाएगा। इसके बाद नई सरकार के शपथ ग्रहण की तारीख की घोषणा की जाएगी। फिलहाल, हिमंता बिस्वा सरमा कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाते रहेंगे।

हर जरूरतमंद का बनवाएं आयुष्मान कार्ड : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा और आश्वस्त किया कि सरकार इलाज कराने में भरपूर मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर उनकी समस्याएं सुनीं।

उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि वे परेशान न हों, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने अलग-अलग मामलों के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद निस्तारण होना चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह बुधवार को भी कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे।

मुख्यमंत्री ने उनसे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा, साथ ही भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। अस्पताल का एस्टीमेट मिलते ही विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध करा दी जाएगी। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबर

झारखंड के गिरिडीह में कोयला मजदूर की हत्या के बाद भारी बवाल, ग्रामीणों ने पुलिस से की धक्का-मुक्की

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह जिला अंतर्गत कबरीबाद कोयला खदान इलाके में एक मजदूर की हत्या के बाद बुधवार को जमकर हंगामा हुआ। आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सदर अस्पताल से बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को स्ट्रेचर पर लादा और पैदल मार्च करते हुए सीधे कबरीबाद खदान पहुंच गए। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प और धक्का-मुक्की भी हुई।

जानकारी के अनुसार, बीती देर रात कबरीबाद कोयला खदान के क्रेशर में कार्यरत मजदूर दिलीप दास की हत्या कर दी गई थी। बुधवार सुबह जब यह खबर फैली, तो स्थानीय लोग उग्र हो गए। ग्रामीण और परिजन न्याय की मांग को लेकर अड़ गए और सदर अस्पताल में रखे शव को बिना पोस्टमार्टम के ही अपने साथ ले गए। वे शव को स्ट्रेचर पर लेकर कबरीबाद खदान के साइट कार्यालय की ओर बढ़ने लगे।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सदर एसडीपीओ जितवाहन उरांव और साइबर डीएसपी आबिद खान भारी पुलिस बल के साथ खदान पर पहले से तैनात थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को साइट कार्यालय में घुसने से रोकने का प्रयास किया, जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान पुलिस जवानों और ग्रामीण महिलाओं के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। भारी विरोध के बीच प्रदर्शनकारी सुरक्षा घेरा तोड़कर कार्यालय परिसर के भीतर घुस गए।

हंगामे के बीच एक युवक ने अचानक पेट्रोल से भरी बोतल निकालकर अप्रिय घटना को अंजाम देने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद एसडीपीओ जितवाहन उरांव ने तत्परता दिखाते हुए युवक के हाथ से बोतल छीन ली और एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने सीसीएल प्रबंधन और स्थानीय पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और हत्यारोपियों की तत्काल गिरफ्तारी व मुआवजे की मांग की।

तनाव को देखते हुए मौके पर सदर अंचल अधिकारी जितेंद्र प्रसाद और बीडीओ गणेश रजक भी पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से वार्ता शुरू की है और उन्हें समझाने का प्रयास किया जा रहा है कि कानून को हाथ में न लें। फिलहाल खदान क्षेत्र में ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन जारी है। एहतियात के तौर पर इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है।

गुजरात 10वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी: 83.86 प्रतिशत छात्र पास, लड़कियों ने मारी बाजी

गांधीनगर । गुजरात माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (जीएसईबी) ने बुधवार को 10वीं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया। इस बार कुल पास प्रतिशत 83.86 रहा, जो पिछले साल के मुकाबले करीब 0.78 प्रतिशत अधिक है। रिजल्ट घोषित होने के बाद से पास हुए छात्रों और उनके परिवारों में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है।

इस बार भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लड़कियों का पास प्रतिशत 88.28 रहा, जिसे काफी अच्छा माना जा रहा है। जिलावार नतीजों की बात करें तो नर्मदा जिला सबसे आगे रहा, जहां 90.85 प्रतिशत छात्र पास हुए। वहीं, पंचमहल जिले का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा और यहां पास प्रतिशत 76.42 दर्ज किया गया।

कुछ परीक्षा केंद्रों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। गांधीनगर के आंजोल केंद्र ने 100 प्रतिशत रिजल्ट हासिल कर सभी को चौंका दिया। दूसरी ओर, दाहोद के मुनखोला केंद्र का प्रदर्शन सबसे कमजोर रहा, जहां केवल 33.74 प्रतिशत छात्र ही पास हो सके।

इसके अलावा पूरे राज्य में करीब 130 स्कूल ऐसे रहे, जहां 100 प्रतिशत रिजल्ट दर्ज किया गया, जो अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। वहीं, 3 स्कूल ऐसे भी रहे, जहां एक भी छात्र पास नहीं हो सका, जो चिंता का विषय है।

राजकोट जिले ने भी इस बार अच्छा प्रदर्शन किया है। यहां 88.11 प्रतिशत छात्र पास हुए, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 87.19 प्रतिशत था।

छात्र बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना 7 अंकों का सीट नंबर दर्ज कर रिजल्ट देख सकते हैं। सीट नंबर दर्ज करते ही ऑनलाइन मार्कशीट स्क्रीन पर दिखाई दे जाती है। इसके अलावा, व्हाट्सएप के जरिए भी रिजल्ट देखने की सुविधा दी गई है। इसके लिए छात्रों को 6357300971 नंबर अपने मोबाइल में सेव करना होगा और फिर उसी नंबर पर अपना सीट नंबर भेजना होगा। कुछ ही सेकंड में रिजल्ट मैसेज के रूप में मिल जाएगा।

बंगाल विधानसभा का कार्यकाल आज समाप्त, ममता के इस्तीफे से इनकार पर टिप्पणी नहीं: बंगाल सीईओ

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद सरकार गठन की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू हो गई है, वहीं निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार करते हुए जनादेश पर सवाल उठाए हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने बुधवार को स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग की भूमिका केवल चुनाव कराने और परिणाम अधिसूचित करने तक सीमित है, इसके आगे की प्रक्रिया पूरी तरह संविधान के तहत होती है।

ममता बनर्जी के इस्तीफा न देने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'देखिए, संविधान में जो लिखा है वही होगा। हमें कुछ कहने की जरूरत नहीं है। इस पर मेरी तरफ से कोई टिप्पणी नहीं। चुनाव आयोग की इसमें कोई भूमिका नहीं है।'

प्रक्रिया को समझाते हुए उन्होंने कहा कि जब भारत निर्वाचन आयोग विजयी उम्मीदवारों की वैधानिक अधिसूचना जारी करता है, तो उसे राज्यपाल को भेजा जाता है, जिसके बाद नई विधानसभा के गठन की प्रक्रिया शुरू होती है।

उन्होंने कहा, 'हमें यह वैधानिक अधिसूचना राज्यपाल को देनी होती है, जिसमें बताया जाता है कि किस सीट पर कौन जीता है। इसके बाद नई विधानसभा का गठन होता है। पुरानी विधानसभा का कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है, इसलिए नई विधानसभा बनेगी। इसके बाद विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी और फिर राज्यपाल कार्यालय आवश्यक अधिसूचना जारी करेगा।'

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को चुनाव में बड़ा झटका लगा है और राज्य में उसका 15 साल का शासन समाप्त हो गया है।

परिणामों के बावजूद ममता बनर्जी ने कहा है कि वह स्वेच्छा से इस्तीफा नहीं देंगी और आरोप लगाया कि चुनाव परिणाम जनता की वास्तविक इच्छा को नहीं दर्शाते।

इस बीच भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल में स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। 294 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 196 है और अब तक घोषित 293 सीटों में से भाजपा ने 206 सीटें जीत ली हैं, जो बहुमत से काफी अधिक है।

तृणमूल कांग्रेस को 81 सीटों पर जीत मिली है। वहीं, ममता बनर्जी को भवानीपुर सीट से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने 15,000 से अधिक मतों के अंतर से हराया।

झारखंड के लातेहार में पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन 'ड्रैगन-228' में नक्सलियों को लगा झटका, दो उग्रवादी गिरफ्तार

लातेहार । झारखंड के लातेहार जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। मनिका थाना क्षेत्र के कुरुमखेता जंगल में छापेमारी कर संगठन के दो सक्रिय उग्रवादियों को अत्याधुनिक हथियारों के जखीरे के साथ दबोचा गया है।

गिरफ्तार उग्रवादियों की पहचान मनोज लोहरा (पांकी, पलामू) और महादेव सिंह (सिमरियाटांड, लातेहार) के रूप में हुई है।

लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बुधवार को प्रेस वार्ता में बताया कि 4 मई को कुरुमखेता जंगल में जेजेएमपी के कुख्यात उग्रवादी शंकर राम के दस्ते की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी।

इसके बाद एसपी के निर्देश पर 'स्पेशल ऑपरेशन ड्रैगन-228' शुरू किया गया। अभियान के दौरान जैसे ही पुलिस की संयुक्त टीम जंगल में पहुंची, उग्रवादी भागने लगे। जवानों ने घेराबंदी कर दो उग्रवादियों को पकड़ लिया, हालांकि मुख्य सरगना शंकर राम जंगल का लाभ उठाकर फरार होने में सफल रहा।

गिरफ्तार उग्रवादियों की निशानदेही पर पुलिस ने झाड़ियों में छिपाकर रखे गए हथियारों का बड़ा भंडार बरामद किया।

पुलिस ने छापेमारी के दौरान एक एके-47 रायफल, दो एसएलआर रायफल, 9 मैगजीन और 318 राउंड जिंदा गोलियां बरामद की हैं। इसके अलावा, उग्रवादियों के पास से दो वॉकी-टॉकी, दो वाई-फाई राउटर, पांच मोबाइल फोन और छह सिम कार्ड भी जब्त किए गए हैं।

एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पकड़े गए उग्रवादी किसी बड़ी हिंसक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की तकनीकी जांच की जा रही है ताकि संगठन के आगामी मंसूबों और उनके नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

फरार उग्रवादी शंकर राम की गिरफ्तारी के लिए इलाके में सघन तलाशी अभियान जारी है। इस मामले में मनिका थाना में आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

7 मई का पंचांग : ज्येष्ठ कृष्ण की पंचमी तिथि, अभिजित के साथ विजय मुहूर्त का संयोग

नई दिल्ली। ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि 7 मई (गुरुवार) को सूर्योदय के समय रहेगी। इस दिन पंचमी तिथि 10 बजकर 13 मिनट सुबह तक रहेगी। यानी उदयातिथि के हिसाब से पूरे दिन इसी तिथि का मान होगा। सनातन में यह दिन खास है क्योंकि अभिजित मुहूर्त और विजय मुहूर्त का संयोग बन रहा है, जो किसी नए कार्य की शुरुआत के लिए उत्तम है।

गुरुवार को सूर्योदय 5 बजकर 36 मिनट पर होगा जबकि सूर्यास्त 7 बजे शाम को होगा। पंचांग विवरण देखें तो तिथि कृष्ण पक्ष की पंचमी 10 बजकर 13 तक रहेगी, इसके बाद षष्ठी शुरू होगी। हालांकि, उदयातिथि के अनुसार पंचमी तिथि ही रहेगी। नक्षत्र पूर्वाषाढा शाम 6 बजकर 46 मिनट तक, इसके बाद उत्तराषाढा नक्षत्र लग जाएगा। योग साध्य व करण तैतिल रहेगा।

इस दिन अभिजित मुहूर्त के साथ विजय मुहूर्त का संयोग है, जो शुभ फल देने वाला माना जाता है। नए कार्य, यात्रा, महत्वपूर्ण फैसले या शुभ मुहूर्त में पूजा-पाठ के लिए यह समय अच्छा रहेगा।

पंचमी तिथि के शुभ मुहूर्त की बात करें तो ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 11 मिनट से 4 बजकर 53 मिनट तक। अभिजित मुहूर्त दोपहर 11 बजकर 51 मिनट से 12 बजकर 45 मिनट तक। विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 32 मिनट से 3 बजकर 25 मिनट।

गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 59 मिनट से 7 बजकर 20 मिनट तक रहेगा। अमृत काल दोपहर 1 बजकर 23 मिनट से 3 बजकर 11 मिनट तक रहेगा। वहीं, निशिता मुहूर्त 11 बजकर 56 मिनट रात से देर रात 12 बजकर 39 मिनट तक रहेगा।

गुरुवार के अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल दोपहर 1 बजकर 58 मिनट से 3 बजकर 39 मिनट तक। इस समय किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने से बचना चाहिए। यमगण्ड सुबह 5 बजकर 36 मिनट से 7 बजकर 16 मिनट तक, गुलिक काल सुबह 8 बजकर 57 मिनट से 10 बजकर 37 मिनट तक रहेगा।

सीमा सड़क संगठन स्थापना दिवस: सीमाओं पर विकास और सुरक्षा की मजबूत कड़ी है बीआरओ

नई दिल्ली। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को भारत की सीमाओं पर विकास और सुरक्षा की एक बहुत ही मजबूत कड़ी माना जाता है। यह संगठन सिर्फ सड़कें बनाने वाली कोई आम एजेंसी नहीं है, बल्कि यह देश की सुरक्षा और रणनीतिक जरूरतों से सीधे जुड़ा हुआ एक अहम संगठन है। हर साल 7 मई को इसका स्थापना दिवस मनाया जाता है क्योंकि इसकी शुरुआत 7 मई 1960 को हुई थी। आज के समय में यह संगठन भारत के सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण इलाकों में काम करने के लिए जाना जाता है, जहां सामान्य निर्माण कार्य करना लगभग असंभव माना जाता है।

बीआरओ का मुख्य काम सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क, पुल और सुरंगें बनाना और उनका रखरखाव करना है। खास बात यह है कि यह काम ऐसे इलाकों में होता है जहां मौसम बेहद खराब रहता है, जैसे ऊंचे पहाड़, बर्फ से ढके क्षेत्र और दुर्गम घाटियां। लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और हिमाचल जैसे राज्यों में बीआरओ की मौजूदगी साफ दिखाई देती है। इन इलाकों में सड़कें सिर्फ आम लोगों की सुविधा के लिए नहीं बल्कि सेना की आवाजाही और देश की सुरक्षा के लिए भी बेहद जरूरी होती हैं।

बीआरओ की स्थापना के समय इसके पास सिर्फ दो प्रोजेक्ट थे: पूर्व में प्रोजेक्ट टस्कर (अब वर्तक) और उत्तर में प्रोजेक्ट बीकन लेकिन आज यह संगठन देश के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैला हुआ है।

एस्ट्रोनॉट्स की सेहत में भोजन और व्यायाम की अहम भूमिका, जानें जीरो ग्रैविटी के प्रभाव

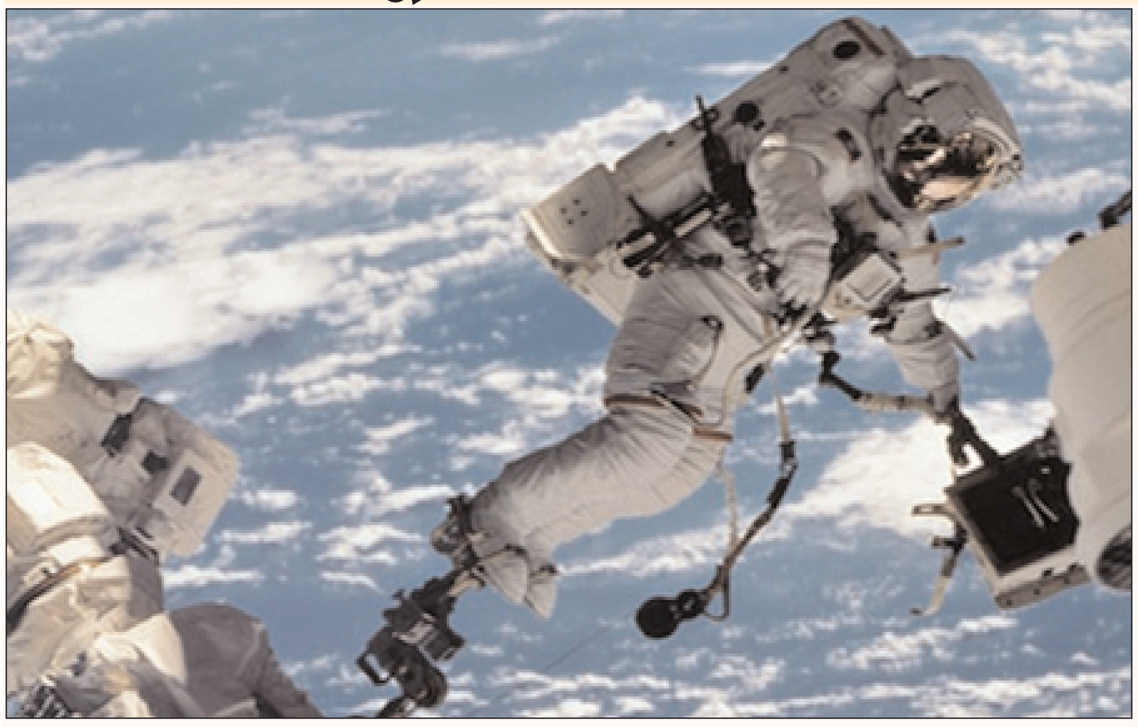

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में लंबे मिशनों के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों की शारीरिक और मानसिक सेहत बनाए रखना स्पेस एजेंसिज के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। माइक्रोग्रेविटी के कारण शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने में भोजन, पोषण और रोजाना व्यायाम सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा इन पहलुओं को विशेष रूप से तैयार कार्यक्रमों के जरिए प्रबंधित करता है ताकि एस्ट्रोनॉट्स मिशन के दौरान स्वस्थ और फिट रहें।

अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में पोषण की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिशन से पहले, दौरान और बाद में भी सही पोषण उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करता है। स्पेस स्टेशन पर भोजन न सिर्फ शारीरिक जरूरत पूरी करता है बल्कि मनोवैज्ञानिक और सामाजिक रूप से भी महत्व रखता है। नासा की स्पेस फूड सिस्टम्स लेबोरेटरी (ह्यूस्टन) के विशेषज्ञ पौष्टिक और स्वादिष्ट खाद्य पदार्थ तैयार करते हैं। अंतरिक्ष यात्रियों को अपने पसंदीदा व्यंजन चुनने का विकल्प भी दिया जाता है।

लंबे मिशन में यह मनोबल बनाए रखने में सहायक सिद्ध होता है। नासा के पोषण विशेषज्ञ अंतरिक्ष यात्रियों की जरूरत के अनुसार विटामिन, खनिज और कैलोरी का सही संतुलन तय करते हैं। प्रत्येक यात्री रोजाना एक टैबलेट आधारित ऐप के जरिए अपना पूरा आहार लॉग करता है। इस डेटा की साप्ताहिक समीक्षा की जाती है। साथ ही मिशन से पहले, दौरान और बाद में रक्त व मूत्र के नमूनों का विश्लेषण कर शरीर की प्रतिक्रिया का अध्ययन किया जाता है। इससे पता चलता है कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण, विकिरण और अन्य कारकों में शरीर कैसे अनुकूलित हो रहा है।

अब सवाल है कि एस्ट्रोनॉट्स के लिए व्यायाम क्यों जरूरी है? वैज्ञानिक बताते हैं कि सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण न होने से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, मांसपेशियां सिकुड़ती हैं और हृदय संबंधी स्वास्थ्य प्रभावित होता है। इन प्रभावों से बचने के लिए अंतरिक्ष स्टेशन पर हर यात्री को प्रतिदिन ढाई घंटे व्यायाम करना अनिवार्य है। यह व्यायाम कार्यक्रम मांसपेशियों की शक्ति, हड्डियों की घनत्व, एरोबिक क्षमता और संवेदी-मोटर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए तैयार किया जाता है।

स्टेशन पर उपलब्ध मुख्य उपकरणों में शामिल हैं: - एआरईडी यानी एडवांस्ड रेसिस्टिव एक्सरसाइज डिवाइस, टी2 ट्रेडमिल - चलने और दौड़ने के लिए और सीईवीआईएस यानी साइकिल एर्गोमीटर - हृदय स्वास्थ्य के लिए।

नासा के फ्लाई सर्जन प्रत्येक यात्री की व्यक्तिगत स्थिति के अनुसार आहार और फिटनेस दिनचर्या तय करते हैं क्योंकि हर व्यक्ति का शरीर अंतरिक्ष प्रभावों पर अलग-अलग प्रतिक्रिया देता है। शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए भी एस्ट्रोनॉट्स को परिवार से संपर्क, वीडियो कॉल, क्रू केयर पैकेज और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराने की सुविधा मिलती है। चिकित्सा आपातकाल के लिए स्टेशन पर पूरी सुविधा और प्रशिक्षित क्रू मौजूद रहता है।

मां का आहार ही बच्चे की ताकत, अपनी डाइट में जरूर शामिल करें ये पौष्टिक चीजें

नई दिल्ली। स्तनपान कराने वाली महिलाओं का खान-पान सिर्फ उसकी सेहत तक सीमित नहीं रहता बल्कि सीधे बच्चे के विकास और उसकी इम्यूनिटी पर भी असर डालता है। इसलिए इस समय डाइट का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। सही और संतुलित भोजन न सिर्फ मां को ताकत देता है बल्कि बच्चे को भी जरूरी पोषण देता है जिससे उसका शारीरिक और मानसिक विकास अच्छे से हो पाता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट कर बताया कि स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए सबसे जरूरी है कि वे अपने भोजन में सभी जरूरी पोषक तत्व शामिल करें। आमतौर पर भोजन को चार मुख्य समूहों में बांटा जा सकता है। पहला समूह है अनाज जिसमें गेहूं, चावल, बाजरा और रागी जैसे विकल्प शामिल होते हैं। ये शरीर को ऊर्जा देते हैं और दिनभर एक्टिव रहने में मदद करते हैं। दूसरा समूह है दालें और प्रोटीन युक्त चीजें जैसे मूंग, मसूर, चना आदि। ये शरीर की मरम्मत और बच्चे के विकास में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं।

तीसरा समूह है फल और सब्जियां। ये विटामिन, मिनरल और फाइबर का अच्छा स्रोत होती हैं। हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, बथुआ और मौसमी फल जैसे केला, सेब, पपीता आदि मां के शरीर को मजबूत बनाते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। चौथा समूह है दूध और दूध से बने पदार्थ, जैसे दही, पनीर और छाछ। ये कैल्शियम का अच्छा स्रोत होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

इसके अलावा, थोड़ी मात्रा में अच्छे फैट्स भी जरूरी होते हैं, जैसे घी, मेवे (बादाम, अखरोट), गुड़, तिल आदि। ये शरीर को ऊर्जा देते हैं और कमजोरी को दूर करने में मदद करते हैं। हालांकि ध्यान रहे कि इनका सेवन संतुलित मात्रा में ही करना चाहिए। ज्यादा खाने से फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो सकता है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं को आमतौर पर सामान्य से थोड़ा ज्यादा भोजन करने की सलाह दी जाती है, लगभग एक चौथाई ज्यादा।

इसका कारण यह है कि इस समय शरीर ज्यादा ऊर्जा खर्च करता है क्योंकि दूध बनने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। अगर सही मात्रा में खाना नहीं लिया जाएगा तो थकान, कमजोरी और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है।

सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि पानी का सेवन भी बहुत जरूरी है। दिनभर में पर्याप्त पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और दूध बनने की प्रक्रिया भी बेहतर होती है। इसके अलावा हल्की-फुल्की वॉक और आराम भी जरूरी है, ताकि शरीर को रिकवरी का समय मिल सके।

क्या आप स्ट्रेस, कब्ज, पेट की चर्बी या पीठ दर्द की समस्याओं से जूझ रहे हैं? भुजंगासन से मिलेगी राहत

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस अब कुछ ही दिनों में आने वाला है। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय लोगों को योग के महत्व के बारे में जागरूक कर रहा है और रोजमर्रा की जिंदगी में आसान योगासनों को शामिल करने की सलाह दे रहा है। इसी क्रम में आयुष मंत्रालय ने भुजंगासन यानी कोबरा पोज के अभ्यास की सिफारिश की।

यह आसान बैकबेंड आसन उन लोगों के लिए खासतौर पर फायदेमंद है जो स्ट्रेस, कब्ज, पेट की चर्बी, पीठ दर्द या सांस की समस्याओं से परेशान रहते हैं। आयुष मंत्रालय के अनुसार, आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारा शरीर हमारी सोच से कहीं ज्यादा बोझ उठाता है। तनाव, थकान और शारीरिक असंतुलन धीरे-धीरे बढ़ते हैं और गंभीर समस्या बन जाते हैं। भुजंगासन जैसे हल्के बैकबेंड आसन इन समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार साबित होते हैं।

भुजंगासन के अभ्यास से तन-मन दोनों को फायदे मिलते हैं। भुजंगासन छाती को खोलता है, रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है और पीठ की जकड़न को दूर करता है। यह आसन पाचन तंत्र

को बेहतर बनाता है, जिससे कब्ज की शिकायत कम होती है। साथ ही पेट की चर्बी घटाने में भी सहायक है। नियमित अभ्यास से स्ट्रेस और मानसिक थकान कम होती है क्योंकि यह सांस लेने की प्रक्रिया को सुधारता है और ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाता है। ब्रोंकाइटिस जैसी सांस संबंधी समस्याओं में भी आराम पहुंचाता है।

भुजंगासन उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जिन्हें लंबे समय तक बैठकर काम करना पड़ता है। रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाकर यह मुद्रा संबंधी दर्द को कम करता है और शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ाता है।

एक्सपर्ट के अनुसार, भुजंगासन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं। हथेलियों को कंधों के नीचे रखें। सांस अंदर लेते हुए छाती और सिर को ऊपर उठाएं। कमर को ज्यादा न मोड़ें। 15-30 सेकंड तक इस स्थिति में रहें और फिर धीरे से वापस लेट जाएं। शुरुआत में 3-5 बार करें। आयुष मंत्रालय का कहना है कि भुजंगासन न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी संतुलित रखता है।

भारत के स्टील सेक्टर ने अप्रैल में मजबूत ग्रोथ बरकरार रखी: सरकार

नई दिल्ली। बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत के स्टील सेक्टर ने अप्रैल में अपनी मजबूत ग्रोथ बरकरार रखी। कच्चे स्टील का उत्पादन 5.8 प्रतिशत बढ़कर 14.09 मिलियन टन हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 13.31 मिलियन टन था। इन्फ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी के चलते घरेलू मांग भी मजबूत बनी रही।

मजबूत मांग के कारण स्टील की कीमतों में भी सुधार देखने को मिला और लगभग सभी प्रमुख उत्पादों की कीमतें बढ़ीं।

अप्रैल में हॉट मेटल उत्पादन में सालाना आधार पर 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि पिग आयरन उत्पादन 6 प्रतिशत घटकर 0.69 मिलियन टन रहा। फिनिश्ड स्टील का उत्पादन 3.4 प्रतिशत बढ़कर 13.05 मिलियन टन पहुंच गया। वहीं, फिनिश्ड स्टील की खपत 12.99 मिलियन टन रही, जो 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

व्यापार के मोर्चे पर अप्रैल में स्टील का आयात 0.68 मिलियन टन और निर्यात 0.47 मिलियन टन रहा, जिससे भारत इस महीने हल्का शुद्ध आयातक बना रहा। पिछले साल अप्रैल की तुलना में आयात में 30.8 प्रतिशत और निर्यात में 24.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की कुल स्टील उत्पादन क्षमता लगभग 220 मिलियन टन प्रति वर्ष रही, जो 2030 तक 300 मिलियन टन के लक्ष्य की दिशा में बढ़ रही है। एसएआईएल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसपीएल और एएमएनएस जैसे बड़े खिलाड़ी क्षमता बढ़ाने में निवेश जारी रखे हुए हैं।

हाल ही में टाटा स्टील ने लुधियाना में 3,200 करोड़ रुपए की लागत से स्क्रैप-आधारित ईएएफ ग्रीन स्टील प्लांट शुरू किया है, जो पंजाब का अपनी तरह का पहला प्लांट है।कीमतों की बात करें तो टीएमटी/रीबार की कीमतों में महीने-दर-महीने करीब 2.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सालाना आधार पर 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। फ्लैट स्टील की कीमतों में और ज्यादा तेजी रही, जिसमें एचआर कॉइल लगभग 6.3 प्रतिशत और जीपी शीट करीब 7.3 प्रतिशत बढ़ी।

स्टील मंत्रालय की 'ग्रीन स्टील' पहल के तहत, एनआईएसएसटी को प्रमाणन एजेंसी बनाया गया है। 31 मार्च 2026 तक एनआईएसएसटी ने 15 राज्यों के 90 उत्पादकों को ग्रीन स्टील सर्टिफिकेट जारी किए हैं। इनमें टीएमटी बार, कॉइल, वायर रॉड और पाइप जैसे उत्पाद शामिल हैं, जिनमें से अधिकतर को 5-स्टार रेटिंग मिली है।

कच्चे माल की कीमतों में मिश्रित लेकिन मजबूत रुख देखने को मिला। घरेलू लौह अयस्क (आयरन ओर) की कीमतों में 10 से 11 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई, जो स्टील सेक्टर की बढ़ती मांग को दर्शाती है।

तनाव को कहें गुडबाय, गर्भावस्था में हर दिन करें प्राणायाम

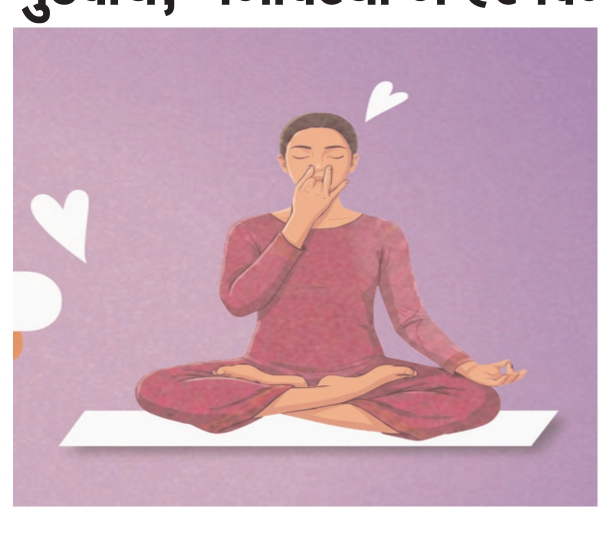

नई दिल्ली। गर्भावस्था हर महिला के जीवन का एक बहुत खास और खूबसूरत समय होता है, लेकिन इस दौरान शरीर और मन दोनों में कई बदलाव आते हैं। कभी हार्मोनल बदलाव की वजह से मूड स्विंग्स होते हैं, तो कभी शरीर में थकान और भारीपन महसूस होता है। ऐसे में थोड़ा-बहुत तनाव होना आम बात है। इस दौरान रोजाना प्राणायाम करना फायदेमंद हो सकता है।

प्राणायाम का मतलब है सांसों को सही तरीके से नियंत्रित करना। यह सुनने में जितना आसान लगता है, इसका असर उतना ही गहरा होता है। जब आप धीरे-धीरे और गहरी सांस लेते हैं, तो दिमाग शांत होता है, शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती है और अंदर से एक अलग ही सुकून महसूस होता है।

आयुष मंत्रालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि गर्भावस्था के दौरान प्राणायाम और भी ज्यादा फायदेमंद हो जाता है, क्योंकि इससे मां और बच्चे दोनों को लाभ मिलता है। इसमें नाड़ी शोधन प्राणायाम को सबसे अच्छा माना जाता है। इसमें एक नाक से सांस ली जाती है और दूसरी नाक से छोड़ी जाती है। इसे करने से मन शांत होता है और तनाव कम होता है। रोज कुछ मिनट अभ्यास करने से ही फर्क महसूस होने लगता है।

इसके अलावा, शीतली प्राणायाम भी बहुत उपयोगी है। इसमें जीभ को ट्यूब की तरह मोड़कर सांस अंदर ली जाती है और नाक से छोड़ी जाती है, जिससे शरीर का तापमान कम होता है। खासकर गर्मी और बेचैनी के समय यह काफी राहत देता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह काफी आरामदायक माना जाता है।

भ्रामरी प्राणायाम भी बहुत असरदार है। इसमें सांस छोड़ते समय मधुमक्खी की तरह गुंजन की आवाज निकाली जाती है। यह दिमाग को शांत करता है, चिंता कम करता है और नींद को भी बेहतर बनाने में मदद करता है। कई बार जब मन बहुत ज्यादा बेचैन हो, तब यह प्राणायाम तुरंत सुकून देता है।

सबसे अच्छी बात यह है कि इन सभी प्राणायामों को करने के लिए ज्यादा समय या किसी भारी-भरकम तैयारी की जरूरत नहीं होती। आप सुबह उठकर या शाम को कुछ समय निकालकर सिर्फ 10-15 मिनट भी अभ्यास करें, तो काफी फायदा मिल सकता है।

गर्भावस्था में सबसे जरूरी चीज मानसिक शांति होती है, क्योंकि मां का तनाव बच्चे पर भी असर डाल सकता है।

गर्मियों के लिए अमृत समान है नारियल पानी, लेकिन ये गलतियां कर सकती हैं आपको बीमार

नई दिल्ली। गर्मियों में नारियल पानी को अमृत कहा जाए तो गलत नहीं होगा। तेज गर्मी, पसीना और डिहाइड्रेशन के बीच यह शरीर को तुरंत ठंडक और ऊर्जा देता है। इसमें नेचुरल इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं, जो शरीर में पानी की कमी को जल्दी पूरा करते हैं। लेकिन कई बार हम इसे पीते वक्त कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो फायदे की जगह नुकसान पहुंचा सकती हैं।

सबसे आम गलती है सीधे स्ट्रॉ (पाइप) लगाकर नारियल पानी पीना। सड़क किनारे मिलने वाले नारियल में कई बार गंदे स्ट्रॉ का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में बैक्टीरिया या कीटाणु सीधे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं और पेट से जुड़ी समस्याएं, जैसे संक्रमण, उल्टी या दस्त हो सकते हैं। इसलिए बेहतर है कि नारियल पानी को हमेशा एक साफ गिलास में निकालकर पिया जाए।

दूसरी बड़ी गलती है बिना जांचे नारियल पानी पी लेना। ताजा नारियल पानी हमेशा साफ और पारदर्शी होता है। अगर पानी मटमैला दिखे, उसमें हल्का पीलापन हो या अजीब सी गंध आए, तो समझ जाइए कि वह खराब हो चुका है। ऐसे नारियल पानी को पीना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। कई बार नारियल के अंदर फंगस या काले धब्बे भी दिखाई देते हैं। ऐसे नारियल पानी को गलती से भी नहीं पीना चाहिए।

तीसरी गलती है नारियल कटने के बाद उसके पानी को देर तक रखकर पीना। नारियल पानी जितना ताजा हो, उतना ही फायदेमंद होता है। अगर इसे काटने के बाद लंबे समय तक खुला छोड़ दिया जाए, तो उसमें बैक्टीरिया पनप सकते हैं। इसलिए हमेशा कोशिश करें कि नारियल कटते ही उसका पानी पी लिया जाए।

साफ-सफाई का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। जो व्यक्ति नारियल काट रहा है, उसका चाकू और हाथ साफ होने चाहिए। अगर उपकरण गंदे होंगे, तो पानी भी दूषित हो सकता है।

बीमारियों से पहले शरीर देता है संकेत, जानें शुरुआती लक्षण और बचाव

नई दिल्ली। गर्मी का मौसम अपनी चरम सीमा पर पहुंच रहा है। इस समय गर्मी से जुड़ी बीमारियां धीरे-धीरे बढ़ने लगती हैं और कई बार लोगों को इसका पता भी नहीं चलता। लेकिन शरीर बीमारी गंभीर होने से काफी पहले ही कई संकेत देना शुरू कर देता है। इन संकेतों को समय रहते पहचानकर गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी गर्मी के तनाव से पहले शरीर द्वारा दिए जाने वाले चेतावनी संकेतों के बारे में जागरूकता फैलाते हुए जानकारी दी है।

अगर शरीर के महत्वपूर्ण संकेतों पर ध्यान दें, तो गर्मी का असर बढ़ने पर शरीर अस्वस्थ होने के कई संकेत देता है। इनमें ज्यादा पसीना आना, जी मिचलाना या उल्टी जैसा महसूस होना, मांसपेशियों में ऐंठन या दर्द, ठंडी और चिपचिपी त्वचा, चक्कर आना, तेज सिरदर्द और अत्यधिक प्यास लगना जैसे लक्षण शामिल हैं।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, ये संकेत सामान्य नहीं होते। इन्हें नजरअंदाज करने से हीट एग्जॉर्शन या हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है। इन शुरुआती लक्षणों को पहचानकर तुरंत कदम उठाने से बड़ी मुसीबत से बचा जा सकता है।

गर्मी से होने वाली समस्याओं पर नियंत्रण या गर्मी को मात देने के लिए कुछ आसान उपाय एक्सपर्ट सुझाते हैं। इसके लिए दिन के सबसे गर्म समय यानी दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक बाहर निकलने से बचें। हल्के और ढीले सूती कपड़े पहनें जो पसीना सोख सके। भरपूर मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ, लस्सी या नारियल पानी पिएं। प्यास न लगे तब भी थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें।

नमक और खनिजों की कमी पूरी करने के लिए घर का बना पौष्टिक भोजन खाएं। ठंडी और छायादार जगह पर आराम करें तथा भारी व्यायाम से बचें। अगर ऊपर बताए गए कोई भी संकेत दिखाई दें।

आईपीएल 2026: एसआरएच ने पीबीकेएस को 33 रन हराया

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पायदान हासिल कर लिया है। इस टीम ने बुधवार को सीजन के 49वें मैच में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के खिलाफ 33 रन से जीत दर्ज की।

11 में से 7 मैच जीतकर सनराइजर्स हैदराबाद 2 स्थान की छलांग के साथ प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंच गई है, जबकि लगातार तीसरा मैच गंवाने के बाद पंजाब किंग्स लुढ़ककर दूसरे पायदान पर आ गई है। इस टीम ने 10 में से 6 मुकाबले अपने नाम किए हैं।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी सनराइजर्स हैदराबाद ने 4 विकेट खोकर 235 रन बनाए। सलामी जोड़ी के रूप में अभिषेक शर्मा ने ट्रेविस हेड के साथ 21 गेंदों में 54 रन की साझेदारी की। अभिषेक 13 गेंदों में 35 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

इसके बाद ट्रेविस हेड ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 30 रन जोड़े। ट्रेविस 19 गेंदों में 3 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 38 रन बनाकर आउट हुए।

एसआरएच 84 के स्कोर तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा चुकी थी। यहां से ईशान किशन ने हेनरिक क्लासेन के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 गेंदों में 88 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में ला दिया। ईशान 32 गेंदों में 55 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 2 चौके शामिल रहे।

नितीश रेड्डी ने हेनरिक क्लासेन के साथ चौथे विकेट के लिए 32 गेंदों में 63 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। क्लासेन 43 गेंदों में 4 छक्कों और 3 चौकों के साथ 69 रन बनाकर आउट हुए, जबकि नितीश रेड्डी ने 13 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ नाबाद 29 रन बनाए। विपक्षी खेमे से अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, युजवेंद्र चहल और विजयकुमार वैशाक ने 1-1 विकेट निकाला।

इसके जवाब में पंजाब किंग्स निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 202 रन ही बना सकी। इस टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पीबीकेएस ने 1.1 ओवरों में महज 4 के स्कोर तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट खो दिए थे।

इसके बाद कूपर कॉनली ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर (5) के साथ तीसरे विकेट के लिए 19 रन जोड़े, जबकि मार्कस स्टोइनिस (28) के साथ 20 गेंदों में 40 रन की साझेदारी की। इस टीम को 63 के स्कोर पर चौथा झटका लगा, जिसके बाद कॉनली ने सूर्यांश शेडगे के साथ पांचवें विकेट के लिए 30 गेंदों में 47 रन जोड़कर टीम को परेशानी से निकालने की कोशिश की। सूर्यांश ने 17 गेंदों में 25 रन की पारी खेली।कूपर कॉनली ने 19.4 ओवर में अपना पहला आईपीएल शतक पूरा किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। कॉनली 59 गेंदों में 8 छक्कों और 7 चौकों के साथ 107 रन बनाकर नाबाद रहे।

आईपीएल 2026: सबसे निचले पायदान पर मौजूद एलएसजी, मजबूत आरसीबी से होगा सामना

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का 50वां मैच गुरुवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा।

खराब फॉर्म से जूझ रही एलएसजी प्वाइंट्स टेबल में सबसे निचले पायदान पर मौजूद है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने अब तक 9 में से 7 मैच गंवाए हैं। यह टीम लगातार छह मैच हारने के बाद इस मुकाबले में उतरेगी। इस टीम को अपने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर होने के कारण, टीम का लक्ष्य मेहमानों के खिलाफ एक दमदार प्रदर्शन करना होगा।

दूसरी तरफ, आरसीबी प्लेऑफ में पहुंचने से चंद कदम दूर है। यह टीम 9 में से 6 मैच जीतकर प्वाइंट्स टेबल में दूसरे पायादन पर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ चार विकेट से मैच हारने के बाद इस मुकाबले में उतरेगी। टीम का लक्ष्य लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर अपनी बढ़त को और मजबूत करना और प्लेऑफ में जगह बनाने के और करीब पहुंचना होगा।हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के मामले में आरसीबी का पलड़ा एलएसजी पर भारी है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स डे: खेल और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने को समर्पित दिन

नई दिल्ली। दुनियाभर में 7 मई 'वर्ल्ड एथलेटिक्स डे' के रूप में मनाया जाता है। एथलेटिक्स एक तरह का ट्रैक एंड फील्ड खेल है जिसमें दौड़ना, कूदना, चलना और फेंकना जैसे खेल शामिल हैं। एथलेटिक्स में अलग-अलग श्रेणी के दो दर्जन से अधिक खेल शामिल हैं। वर्ल्ड एथलेटिक्स डे की शुरुआत 1996 में इंटरनेशनल एमेच्योर एथलेटिक फेडरेशन (आईएएएफ) ने की थी। 2001 में, इंटरनेशनल एमेच्योर एथलेटिक फेडरेशन का नाम बदलकर इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन कर दिया गया।

आईएएएफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एथलेटिक्स से जुड़े सभी कार्यक्रमों को आयोजित करता है। इससे जुड़े नियम और कानून बनाने का अधिकार भी इसी संस्था के पास है। आईएएएफ उम्र की पाबंदी, लिंग से जुड़े, और डोपिंग से जुड़े नियम बनाता है। उम्र से जुड़े नियम आसान हैं और एथलीट को एक जैसी काबिलियत वाले एथलीट के साथ मुकाबला करने देते हैं। डोपिंग से जुड़े मामलों के लिए कुछ गाइडलाइंस हैं, और उन्हें एक एंटी-डोपिंग एजेंसी चलाती है।

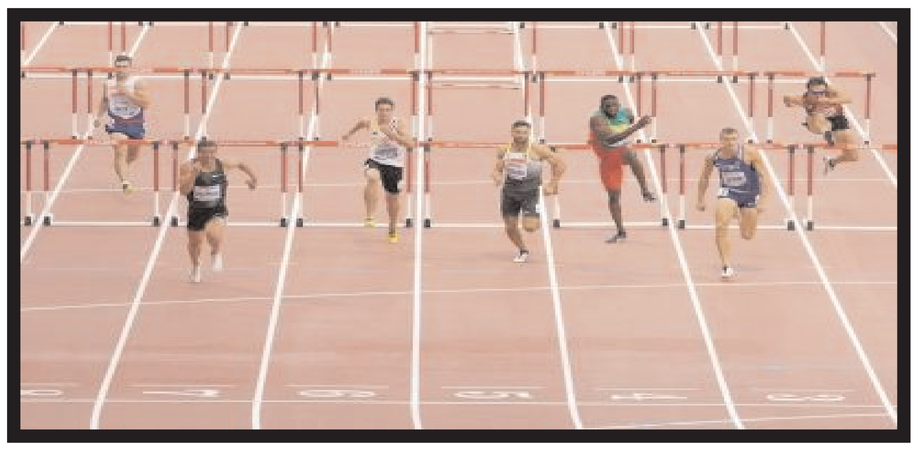

वर्ल्ड एथलेटिक्स डे मनाने के पीछे की सोच बेहतर दुनिया के लिए एथलेटिक्स के महत्व को समझाना है। आईएएएफ ने इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के तौर पर लॉन्च किया था। हर साल इस खास दिन को आईएएएफ के नेतृत्व में दुनियाभर के स्कूलों और कॉलेजों में मनाया जाता है। इसके तहत अलग-अलग स्पोर्ट्स आयोजित किए जाते हैं।वर्ल्ड एथलेटिक्स डे का उद्देश्य युवाओं में एथलेटिक्स के प्रति रुचि उत्पन्न करना, शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस को प्रोत्साहन देना, एथलेटिक्स के माध्यम से जीवन में अनुशासन, धैर्य और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का विकास करना और विश्व स्तर पर खेलों में भागीदारी को बढ़ाना है। भारत के परिप्रेक्ष्य में देखें तो एथलेटिक्स की अहमियत दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। खिलाड़ी बड़ी मात्रा में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हुए ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल आदि में जगह बनाते हैं और देश का नाम रोशन करते हैं। भारत सरकार ने भी खेलो इंडिया के माध्यम से गांव-गांव तक एथलेटिक्स को पहुंचाने और गांव की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच देने का अभियान चलाया है, जो धीरे-धीरे बड़ी सफलता पाने की ओर अग्रसर है। इसके अलावा नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू आदि खिलाड़ियों ने भी ओलंपिक में सफलता प्राप्त कर देश में एथलेटिक्स के प्रति युवाओं को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

संजू सैमसन का यही अवतार हम देखना चाहते थे: दीप दासगुप्ता

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से क्रिकेट की दुनिया और इससे जुड़े लोगों को रोमांचित किया हुआ है। मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नाबाद 87 रन की पारी खेल सीएसके की जीत की पटकथा लिखने वाले सैमसन की पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने प्रशंसा की है।

दीप दासगुप्ता ने सैमसन की लगातार अच्छा खेलने और मैच जिताने की काबिलियत की तारीफ की। उन्होंने कहा कि टी20 विश्व कप 2026 के बाद से चीजें बदल गई हैं। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में मैच जिताने वाली पारियां खेली थीं। यह सैमसन का सबसे अच्छा वर्जन है जिसे क्रिकेट जगत देख रहा है।ईएसपीएनक्रिकइंफो पर दीप दासगुप्ता ने कहा, 'संजू सैमसन का यह वही वर्जन है जिसे हम काफी सालों से देखना चाहते थे। हर सीजन में वह ऐसी कुछ पारियां खेलते हैं। हम कहते हैं, 'वाह, क्या खिलाड़ी है।' लेकिन, फिर यह सिर्फ कुछ पारियां ही रह जाती हैं। लेकिन टी20 विश्व कप के बाद उनकी फॉर्म में निरंतरता रही है।'

दीप दासगुप्ता ने कहा, 'यह उनकी इकलौती फिफ्टी है। हर बार जब वह फिफ्टी के पार जाते हैं, तो वह सेंचुरी बनाते हैं, और वह आउट नहीं होते। वह 87 रन पर भी नाबाद रहे, शानदार पारी। उनकी बल्लेबाजी देख ऐसा लगा जैसे वह एक अलग सरफेस पर खेल रहे थे। 'दिल्ली कैपिटल्स ने कुछ और रन बनाए होते तो सैमसन सीजन का तीसरा शतक लगा सकते थे। डीसी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 155 रन बनाए थे। सीएसके ने 17.3 ओवर में 2 विकेट पर 159 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीता। सैमसन 52 गेंदों पर 6 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 87 रन बनाकर नाबाद रहे। सैमसन की आईपीएल 2026 की शुरुआत निराशाजनक रही थी। सैमसन सीजन की शुरुआत के लगातार तीन मैचों में फ्लॉप रहे थे। इसके बाद से सैमसन बिल्कुल अलग नजर आए हैं। पिछली 7 पारियों में वह 2 शतक और 1 अर्धशतक लगा चुके हैं।

चैंपियंस लीग: आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को हराकर फाइनल में जगह बनाई

लंदन। बुकायो साका के हाफ-टाइम से ठीक पहले किए गए गोल की मदद से आर्सेनल ने चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ दूसरे लेग में 1-0 से जीत हासिल करते हुए कुल 2-1 से जीत के साथ फाइनल में जगह बना ली। आर्सेनल 2006 के बाद पहली बार चैंपियंस लीग फाइनल में पहुंची है। मिकेल आर्टेटा की टीम ने खेल के शुरुआती दौर में दबदबा बनाया, लेकिन मेहमान टीम ने जूलियन अल्वारेज के साथ पहला मौका बनाया, जिन्होंने आठ मिनट में गिउलिआनो शिमोन के क्रॉस पर एक तेज अटैक करके गेंद को बाहर कर दिया।

आर्सेनल को पहले हाफ में ज्यादातर समय लंबी दूरी के प्रयासों का सहारा लेना पड़ा, लेकिन इंटरवल के करीब आने पर मेजबान टीम को सफलता मिली। विक्टर ग्योकेरेस ने पेनल्टी स्पॉट के बाईं ओर स्पेस में लिएंड्रो ट्रॉसार्ड को अच्छी तरह से चुना, और बेल्जियम के अटैकर ने भीड़ वाले क्षेत्र में अपना शॉट मारने के लिए एंगल बनाया। जान ओब्लाक स्ट्राइक को सिर्फ रोक पाए। बुकायो साका ने सबसे तेजी से रिबाउंड लिया।

एटलेटी ने दूसरे पीरियड की शुरुआत शानदार तरीके से की। एंटोनी ग्रीजमैन ने 11 मिनट बाद डेविड राया को एक तेज ड्राइव से स्मार्ट स्टॉप करने पर मजबूर किया।

दोनों टीमों ने घंटे भर पहले तीन बार सब्स्टीट्यूशन किया।

यह आर्सेनल के बदलाव थे जिन्होंने गेम को लगभग पक्का कर दिया था। कैप्टन मार्टिन ओडेगार्ड ने मैदान में उतरते ही कर्ल किया और साथी सब्स्टीट्यूट पिएरो हिनकापी ने ग्योकेरेस को एक सटीक डिलीवरी के साथ सेट किया, लेकिन स्ट्राइकर अपनी पहली कोशिश को रोक नहीं पाए।

जीत के बाद साका ने अमेजन प्राइम पर कहा, 'यह बहुत खूबसूरत है। आप देख सकते हैं कि इसका हमारे लिए, फैंस के लिए क्या मतलब है। हम सब बहुत खुश हैं। यह एक दबाव वाला मैच था। इसका दोनों तरफ बहुत मतलब था। हमने इसे अच्छे से मैनेज किया और फाइनल में पहुंचे।

'सीएसके के खिलाफ पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत था, डीसी से लगातार हो रही गलतियां चिंताजनक': आरोन फिंच

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मंगलवार की शाम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच मुकाबला खेला गया। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने पटेल के इस फैसले की आलोचना की है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो पर बात करते हुए आरोन फिंच ने अक्षर पटेल के पहले बल्लेबाजी के फैसले को हैरान करने वाला और निराशजनक बताया। उन्होंने कहा कि इसका कोई मतलब नहीं बनता, खासकर जब डेटा और एनालिटिक्स के जमाने में टीमों के पास इतनी सारी जानकारी मौजूद हो।

फिंच ने कहा कि यह जानकारी होते हुए भी कि वे पहले बल्लेबाजी करके नहीं जीते हैं, पहले बल्लेबाजी का फैसला लेना पटेल की बड़ी गलती थी। इसका कोई मतलब नहीं था। टीम ने सीजन में इस तरह की कई तकनीकी गलतियां की हैं और इसी वजह से कभी शीर्ष-4 में रहने के बाद फिलहाल सातवें स्थान पर है।

ग्रैंड स्लैम का बहिष्कार अपने अधिकारों के लिए लड़ने का एकमात्र तरीका: एरिना सबालेंका

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने मंगलवार को कहा कि ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में ज्यादा हिस्सा पाने के खिलाड़ी हकदार हैं। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने कहा कि ज्यादा हिस्से के लिए टूर्नामेंट का बहिष्कार करने को भी तैयार हैं।

एरिना सबालेंका ने इटैलियन ओपन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे लगता है कि शो हमारी तरफ से है। हमारे बिना कोई टूर्नामेंट नहीं होता। वह एंटरटेनमेंट नहीं है। हम निश्चित रूप से अधिक राशि पाने के हकदार हैं। मुझे लगता है कि किसी समय हम बहिष्कार करेंगे। अपने अधिकारों के लिए लड़ने का यही एकमात्र तरीका है।'

उन्होंने कहा, 'हम लड़कियां आसानी से एक साथ आ सकती हैं और इसके लिए जा सकती हैं। मुझे लगता है कि कुछ चीजें खिलाड़ियों के साथ बहुत गलत हैं। किसी समय यह अपने शीर्ष स्तर पर पहुंच जाएगा। पिछले साल लगभग सभी बड़े खिलाड़ियों ने चार ग्रैंड स्लैम बॉस को दो पत्र साइन किए थे। इसमें पुरस्कार राशि बढ़ाने, संन्यास, और मातृत्व के अवसर पर सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए खिलाड़ियों के कल्याण के लिए भुगतान करने की मांग की गई थी। पत्र में टूर्नामेंट राजस्व में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था, जिससे मेजर टूर्नामेंट एटीपी मेन्स टूर और विमेंस डब्ल्यूटीए टूर द्वारा चलाए जाने वाले नौ संयुक्त 1000-लेवल इवेंट्स के बराबर आ जाएंगे।'

महिला एकल में चार बार की फ्रेंच ओपन की विजेता पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने कहा, 'टूर्नामेंट के बहिष्कार का निर्णय थोड़ा ज्यादा हो जाएग।

स्वियाटेक ने कहा, 'सच कहूं तो सबसे जरूरी बात गवर्निंग बॉडीज के साथ सही संवाद और चर्चा है। हमारे पास अपनी बात रखने की जगह होनी चाहिए। उम्मीद है कि फ्रेंच ओपन से पहले इस तरह की बैठक करने का मौका मिलेगा और हम देखेंगे कि उसमें क्या होता है।खिलाड़ियों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा था कि फ्रेंच ओपन द्वारा पुरस्कार राशि में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा काफी नहीं है।

आईपीएल 2026: आउट ऑफ फॉर्म कुलदीप यादव को मिला कोच हेमांग बदानी का समर्थन

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में मंगलवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच मुकाबला खेला गया। सीएसके के दोनों स्पिनरों अकील हुसैन और नूर अहमद ने शानदार गेंदबाजी की। डीसी के स्पिनर अक्षर पटेल ने भी बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन मौजूदा समय में दुनिया के बेहतरीन स्पिनर माने जाने वाले और डीसी के लिए खेल रहे कुलदीप यादव अपने रंग में नजर नहीं आए।

कुलदीप ने सीएसके के खिलाफ 3 ओवर में 34 रन दिए लेकिन एक भी विकेट नहीं ले सके। यह पहला मौका नहीं था। कुलदीप आईपीएल 2026 में अब तक अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। सीजन के 10 मैचों में वह सिर्फ 7 विकेट ले सके हैं।

निराशाजनक प्रदर्शन के बाद भी कुलदीप को डीसी के मुख्य कोच हेमांग बदानी का समर्थन मिला है।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बदानी ने कहा, 'हम तो चाहेंगे कि कुलदीप इससे बेहतर करे। हम उन्हें सपोर्ट करेंगे। वह कई वर्षों से टीम का हिस्सा रहे हैं। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। मुझे लगता है कि बाकी बचे मैचों में वह वापसी कर सकते हैं।

बदानी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह किसी के स्ट्राइकिंग फॉर्म का मामला है। वह अभी तक पीक फॉर्म में नहीं आया है। उन्होंने उस गति से गेंदबाजी नहीं की है जिस गति से वह आम तौर पर करते हैं। यह समय की बात है। हमें उन पर भरोसा है। यह हमारे लिए मुश्किल समय है। हमारे लिए टूर्नामेंट अब नॉकआउट जैसा है।

डीसी के कप्तान अक्षर पटेल भी बतौर बल्लेबाज अब तक निराशाजनक रहे हैं। इस पर बदानी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह फिर से किसी ऐसे व्यक्ति का सवाल है जो फॉर्म पाने की कोशिश कर रहा है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने सबसे ऊंचे लेवल पर क्रिकेट खेला है।अक्षर दो बार विश्व कप जीतने वाले खिलाड़ी हैं। आप उनके साथ काम करते हैं और उन्हें भरोसा देते हैं। उन्हें खुद पर भरोसा होता है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415